ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सभी 101 जातियों को न्याय देना सरकार की जिम्मेदारी: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 20 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-230

अजीत डोभाल से मिले चीनी विदेश मंत्री वांग यी, सीमा विवाद पर हुई गहन वार्ता

भारत-चीन संबंधों में आई नई ऊर्जा सीमा पर शांति बनाए रखने पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। यह बैठक दिल्ली में आयोजित चीन-भारत सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक के तहत हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने सीमा विवाद और द्विपक्षीय संबंधों पर गहन चर्चा की।

डोभाल ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में नई ऊर्जा और गति आई है और सीमा पर शांति बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध अब और प्रगाढ़ हुए हैं। वांग यी ने कजान में शी जिनपिंग और नरेंद्र मोदी की बैठक को संबंध सुधार का अहम मोड़ बताया।

दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए नियमित सीमा प्रबंधन और नियंत्रण को मजबूत किया जाएगा। साथ ही, अगले वर्ष चीन में 25वीं विशेष प्रतिनिधि बैठक आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

डोभाल ने कहा कि वर्तमान वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत और चीन कई साझा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आपसी समझ, विश्वास और सहयोग को गहरा करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे दोनों देशों के नागरिकों की भलाई और विश्व शांति को बढ़ावा मिल सके।

सीमा पर शांति और सौहार्द पर जोर, चीन में होगी अगली बैठक

बैठक के दौरान डोभाल ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। यह उनकी यात्रा की पहली आधिकारिक पुष्टि है।

वांग यी की भारत यात्रा को 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद तनावपूर्ण हुए संबंधों को बहाल करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। हाल के महीनों में दोनों देशों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने और चीनी नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करने जैसे कई सकारात्मक कदम उठाए हैं।

पीएम मोदी और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात

सीमा विवाद और एससीओ समिट पर हुई अहम चर्चा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। बैठक में सीमा विवाद, व्यापारिक सहयोग और आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन को लेकर गहन चर्चा हुई।

भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों के तहत वांग यी और अजीत डोभाल ने विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की। दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखना चाहिए।

इससे पहले सोमवार को वांग यी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति और स्थिरता ही भारत-चीन संबंधों की प्रगति का आधार है।

प्रधानमंत्री मोदी अगले सप्ताह चीन के तियानजिन शहर में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। इस दौरे को भारत-चीन संबंधों में नई दिशा देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सिंधु जल समझौते पर पीएम मोदी का तीखा हमला

कांग्रेस ने भारत का पानी पाकिस्तान को दे दिया

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत भारत का हक का पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। उन्होंने इसे देशहित के खिलाफ और किसानों के साथ अन्याय बताया।

नेहरू ने बिना कैबिनेट की सहमति के किया था समझौता, अब किसानों को मिलेगा उनका हक का पानी

सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित किया गया

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बिना कैबिनेट की सहमति के किया था और बाद में खुद स्वीकार किया कि इससे कोई लाभ नहीं हुआ। मोदी ने कहा, नेहरू ने देश का एक बार बंटवारा किया और दूसरा बंटवारा सिंधु जल समझौते से कर दिया।

प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि अब केंद्र सरकार के फैसलों से यह पानी भारत के ही काम आएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने इसे देशहित में लिया गया बड़ा कदम बताया।

बैठक में पीएम मोदी ने देश की आर्थिक प्रगति पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत आज मजबूती से आगे बढ़ रहा है और पूरी दुनिया इसकी सराहना कर रही है। उन्होंने सांसदों से अपील की कि वे विकास की जानकारी जनता तक पहुंचाएं।

बैठक में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का औपचारिक परिचय कराया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राधाकृष्णन का जीवन सरल और बेदाग रहा है। महाराष्ट्र और झारखंड के राज्यपाल रह चुके राधाकृष्णन को सभी दलों ने गर्मजोशी से सराहा। प्रधानमंत्री मोदी ने सहयोगी दलों से अपील की कि वे राधाकृष्णन की उम्मीदवारी को विपक्ष में भी सर्वसम्मति से समर्थन दिलाने की कोशिश करें। मंगलवार सुबह 11 बजे राधाकृष्णन नामांकन दाखिल करेंगे, जिसमें चार सेट में नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। पहले सेट में प्रधानमंत्री मोदी प्रस्तावक होंगे।

महाराष्ट्र चुनाव डेटा विवाद

सीएसडीएस के संजय कुमार ने मानी गलती

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से जुड़े आंकड़ों को लेकर उठे विवाद में बड़ा मोड़ आया है। लोकनीति- सीएसडीएस के प्रोफेसर और चुनाव विश्लेषक संजय कुमार ने स्वीकार किया है कि उनके द्वारा साझा किए गए आंकड़ों में गलती हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए संबंधित पोस्ट को हटा दिया।

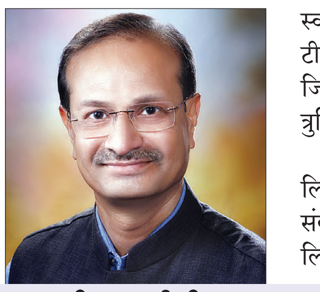

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

गलत आंकड़ों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज

संजय कुमार ने 17 अगस्त को किए गए ट्वीट में दावा किया था कि महाराष्ट्र की दो विधानसभा सीटों-रामटेक और देवलाली-पर लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट आई है। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी डेटा टीम ने पंक्तियों को गलत पढ़ा, जिससे विश्लेषण में त्रुटि हुई।

संजय कुमार, एक्स पोस्ट लिखा कि मैं महाराष्ट्र चुनावों के संबंध में पोस्ट किए गए ट्वीट के लिए तहे दिल से माफी चाहता हूं मेरा किसी भी प्रकार की गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था।

संजय कुमार की माफी के बाद भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस संस्था के आंकड़ों पर भरोसा कर विपक्ष ने चुनाव आयोग को निशाना बनाया, अब वही संस्था अपनी गलती स्वीकार कर चुकी है। मालवीय ने राहुल गांधी से बिना शर्त माफी की मांग की। अब सवाल उठता है कि कांग्रेस इस स्थिति में क्या रुख अपनाएगी। पार्टी ने इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। संजय कुमार की माफी के बाद कांग्रेस की अगली रणनीति पर सबकी नजर है।

विकासशील समाजों के अध्ययन केंद्र (सीएसडीएस) भारत का प्रमुख सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान है, जिसकी स्थापना 1963 में राजनी कोठारी ने की थी। यह संस्था लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन और समावेशी विकास जैसे विषयों पर गहन अध्ययन करती है और नीति निर्माण में योगदान देती है।

पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी होंगे विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

विपक्षी गठबंधन ने किया नामांकन का ऐलान, 9 सितंबर को होगा चुनाव

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी दलों के उम्मीदवार के रूप में श्री रेड्डी के नाम का एलान किया। इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रविड मुनेत्र कषगम की कनिमोझी तथा तिरुचि शिवा, शिव सेना (उद्धव) के अरविंद सावंत तथा संजय राउत, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पी संदोष कुमार, कांग्रेस के के सुरेश, के सी वेणुगोपाल तथा प्रमोद तिवारी, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव सहित कई नेता मौजूद थे।बिहार में 1300 किमी की वोटर अधिकार यात्रा कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने श्री रेड्डी को उम्मीदवार बनाए जाने का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मैं श्री बी. सुदर्शन रेड्डी गारू को भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। वह एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता और न्याय के प्रणेता हैं और लोगों के अधिकारों, समानता और हमारे लोकतंत्र की रक्षा की संविधान की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं । हम इस वैचारिक संघर्ष में एकजुट हैं और उन्हें शुभकामनाएँ देते हैं। श्री खड़गे ने कहा कि श्री रेड्डी देश के प्रतिष्ठित न्यायविद् हैं और कई उच्च न्यायालयों में सेवाएं देने के बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश भी रहे हैं। विपक्षी के दलों के नेताओं के साथ गहन विचार विमर्श के बाद श्री रेड्डी के नाम पर सबकी सहमति बनी है और उन्हें सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि श्री रेड्डी अपने पूरे कार्यकाल में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के अडिग समर्थक रहे हैं। सत्ता पक्ष के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन आरएसएस पृष्ठभूमि के हैं और विपक्ष को यह मंजूर नहीं है। इन सब स्थितियों में विपक्ष के उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारने का निर्णय एक वैचारिक संघर्ष का परिणाम है। विपक्ष जिन मूल्यों के लिए लड़ रहा है उनकी हिफाजत के लिए श्री रेड्डी का नाम सर्वमान्य और सबसे उपयुक्त है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि श्री रेड्डी उन मूल्यों को पूरी तरह से प्रतिबिंबित करते हैं ▶10 पर

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥
श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट
पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व बुधवार दि: २०.०८.२०२५ से प्रारंभ हो रहा हैं
प्रेम भुवनभानुसूरी समुदाय के आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वजी के सुशिष्य क्रांतिकारी प्रवचनकार
प.पू. आर्यशेखरविजयजी, श्री भुवनभूषण विजयजी आदि ठाणा
एवं साध्वीश्री हर्षज्योतिश्रीजी के शिष्या साध्वीश्री अर्हंज्योतिश्रीजी आदि ठाणा की निश्रा में
प्रवचन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, शिविर, तपस्या एवं अन्य कार्यक्रम गतिमान है।
पर्वाधिराज महापर्व पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का मंगलमय कार्यक्रम

प्रथम दिन – भाद्रवा वदि 12, दि. 20/08/2025, बुधवार
प्रात: 9-00 बजे : प्रथम अष्टाह्निका व्याख्यान एवं व्याख्यान में श्री वि.ल.सू. जैन धार्मिक पाठशाला की वार्षिक योजना रखी जायेगी।
दोपहर 2-00 बजे : श्री पार्श्व पंचकल्याणक पूजा मंदिरजी में
रात्रि 8-00 बजे : श्री वि.ल.सू. संगीत मंडल द्वारा मंदिरजी में भक्ति भावना होगी।
श्री संभवनाथ जैन मंदिरजी दादावाडी के अष्टप्रकारी पूजन सामग्री के चढ़ावें (दादावाडी में बोले जायेंगे)

द्वितीय दिन – भाद्रवा वदि 13, दि. 21/08/2025, गुरुवार
प्रात: 9-00 बजे : द्वितीय अष्टाह्निका व्याख्यान एवं व्याख्यान में श्री कल्पसूत्र घर ले जाने का, ज्ञान पूजन के चढावें बोले जायेंगे।
दोपहर 2-00 बजे : श्री नव्वाणु प्रकारी पूजा मंदिरजी में
रात्रि 8-00 बजे : श्री वासुपूज्यस्वामी स्नात्र भक्ति मंडल, अक्कीपेट द्वारा मंदिरजी में भक्ति भावना होगी।

तृतीय दिन – भाद्रवा वदि 14, दि. 22/08/2025, शुक्रवार
प्रात: 9-00 बजे : तृतीय अष्टाह्निका व्याख्यान एवं व्याख्यान में श्री भगवान का पालणाजी घर ले जाने का चढावा शुरु किया जायेगा । व्याख्यान के बाद कल्पसूत्र चढावा लेनेवाले महानुभाव के घर पहुँचाया जायेगा।
दोपहर 2-00 बजे : श्री अंतराय कर्म निवारण पूजा मंदिरजी में
रात्रि 8-00 बजे : श्री कलामंच अकाडेमी, शैलेश सेठिया बांसुरी वादन द्वारा मंदिरजी में भक्ति भावना होगी

चतुर्थ दिन – भाद्रवा वदि 30, दि. 23/08/2025, शनिवार
प्रात: 9-00 बजे : कल्पसूत्र गुरु भगवंतों को बोहरायेंगे एवं ज्ञानपूजा गुरुपूजन एवं कल्पसूत्र का प्रथम व्याख्यान होगा। व्याख्यान में मंदिरजी के अष्टप्रकारी पूजन सामग्री के चढावें बोले जायेंगे आसोज मास एवं चैत्र मास की ओली का आदेश दिया जायेगा एवं भगवान का पालणाजी घर लेजाने का आदेश दिया जायेगा।
दोपहर 2-00 बजे : कल्पसूत्र का दूसरा व्याख्यान होगा।
रात्रि 8-00 बजे : श्री सरगम मंडल द्वारा मंदिरजी में भक्ति भावना होगी।

पंचम दिन – भाद्रवा सुदि 1, दि. 24/08/2024, रविवार
प्रात: 9-00 बजे : कल्पसूत्र का तीसरा एवं चौथा व्याख्यान होगा।
प्रात: 10-00 बजे : भगवान महावीर स्वामी जन्मवांचन सुपन आदि एवं अष्टमंगल के चढ़ावें बोले जायेंगे। बाद में स्वप्न दर्शन एवं जन्म वांचन होगा। साधर्मिक सेवा फंड की योजना रखी जायेगी। जन्मवांचन के बाद भगवान का पालणा चढावे लेनेवाले महानुभाव के घर पहुँचाया जायेगा।
रात्रि 8-00 बजे : श्री विजय लब्धिसूरि महिला एवं बालिका मंडल द्वारा भक्ति भावना होगी।

षष्टम दिन – भाद्रवा सुदि 2, दि. 25/08/2025, सोमवार
प्रात: 9-00 बजे : कल्पसूत्र का पाँचवा व्याख्यान होगा, व्याख्यान में बारसा सूत्र घर ले जाने का चढावा बोला जायेगा एवं आदेश दोपहर के व्याख्यान में दिया जायेगा।
दोपहर 2-00 बजे : कल्पसूत्र का छट्ठा व्याख्यान
रात्रि 8-00 बजे : श्री वीर सुरभी मंडल द्वारा भक्ति भावना होगी।

सप्तम दिन – भाद्रवा सुदि 3, दि. 26/08/2025, मंगलवार
प्रात: 9-00 बजे : कल्पसूत्र का सातवा व्याख्यान होगा, व्याख्यान में बारसा सूत्र वोहराने एवं ज्ञान पूजन, गुरुपूजन, दर्शन के चढावें बोले जायेंगे, व्याख्यान के बाद श्री बारसासूत्र चढावा लेनेवाले महानुभाव के घर पहुँचाया जायेगा।
दोपहर 2-00 बजे : कल्पसूत्र का आठवा व्याख्यान
रात्रि 8-00 बजे : श्री जैन बंधु मंडल द्वारा भक्ति भावना होगी।
पर्युषण पर्व कार्यक्रमों में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

अष्टम दिन – भाद्रवा सुदि 4, दि. 27/08/2025, बुधवार – **संवत्सरी महापर्व**
प्रात: 9-00 बजे : बारसा सूत्र गुरु भगवंत को बोहरायेंगे, ज्ञानपूजन एवं बारसासूत्र का दर्शन एवं नौ व्याख्यान, व्याख्यान में भाद्रवा सुदि 5 को भगवान का गंभारा खोलने का चढ़ावा । भाद्रवा सुदि 5 को तपस्वीयों को श्रीफल, तिलक से बहुमान करने के चढ़ावें बोले जायेंगे।
दोपहर 3-00 बजे : पू. गुरुभगवंत की निश्रा में सोहन हॉल में संवत्सरी प्रतिक्रमण होगा।
रात्रि 7-00 बजे : श्री वि.ल.सू. संगीत मंडल द्वारा मंदिरजी में भक्ति भावना होगी।

28.08.2025 - प्रात: 5बजे : श्री चतुर्विध संघ के साथ भगवान का गंभारा खोला जाएगा और प्रात: 8.30 बजे : तपस्वियों का पारणा होगा
28.08.2025- प्रात: 8.30 बजे : भव्य वरघोड़ा, श्री आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट से

काल आने पर नहीं चलेगी कोई चाल: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि आगम और हमारे साहित्य में एक वचन है कि जन्म के साथ मरण लगा है। जहां जन्म है वहां मरण है। दूसरा जवानी के साथ बुढ़ापा भी लगा है।

तीसरा वैभव, लक्ष्मी, ऐश्वर्य के साथ विनाश लगा है। इसी प्रकार संसार में सभी चीज अस्थाई है। आज जहां है कल वहां नहीं होंगे। जैसे फुल खिलता है तो मुरझाता भी है।

मनुष्य चाहे या न चाहे लेकिन जो है वह जाएगा। आज जो है वह निश्चित ही कल नहीं होगा। इसलिए कहा जाता है कि जब

सब सही हो तो धर्म के कार्य कर लेना चाहिए। संसार में जीना और मरना आश्चर्य नहीं है। पिंजरे में पक्षी बैठा है तो आश्चर्य नहीं है उड़ जाए तो आश्चर्य है। जीना और मरना तो लगा ही रहेगा। इन दोनों के बीच जो कर लिया वह याद रखा जाएगा।

दुनिया में ऐसा कोई नहीं जो मरेगा नहीं। जो आया है उसको जाना है। गति के दो पार्ट होते है और उस पार्ट के बीच कोई बचता नहीं है। जो मनुष्य धर्म पालन में लीन है, संसार में उसका ही मारना सोचा जाता है। जो धर्म में लगे है, संयम में लीन है अपनी इंद्रियों पर काबू किया है उनका मरण भी याद रखा जाता है। ऐसी ही एक महान सती परिपक्व सती साध्वी दर्शन प्रभा जी हमारे बीच से चली गई। दर्शन प्रभा जी विद्वान थी। उनकी आवाज बुलंद थी।

निडर थी। उनका वर्चस्व था। ऐसे दर्शन प्रभा जी को हम आज याद कर रहे है। वह अस्वस्थ थी लेकिन परवाह नहीं करती थी। ऐसे महान लोग देह की नहीं आत्म की परवाह करते थे। ऐसी महत्वपूर्ण विदुषी को हमेशा याद किया जाएगा।

इसलिए सभी को तन के बजाय अपनी आत्म का ध्यान रखना चाहिए। आत्मा में रहने वाले को किसी की जरूरत नहीं पड़ती है। वरना सबको एक दिन जाना है। महापुरुष, उत्कृष्ट ज्ञानी भी हमारे बीच से चले गए हैं। इसलिए यह तय है कि जाना सबको है। लेकिन संसार में रहते हुए आपने धर्म ध्यान किया है या नहीं वही याद रखा जाएगा। अपने धर्म, ध्यान और साधना से खुद के साथ दूसरों का भी जीवन संवारने का काम करने वालों के जाने के बाद उनका गुणानुवाद किया जाता है।

जब मनुष्य का काल आता है तो उसका कोई चाल नहीं चलता है। काल आने पर सारा हाल बिगड़ जाता है। जब काल आ जाता है तो किसी की सिफारिश काम नहीं आती है। इसलिए मनुष्य को ऐसी बातों से सीखना चाहिए।

लेकिन मनुष्य हाय हाय करने में लगा है। मृत्यु निश्चित है फिर भी मनुष्य हाय हाय में लगा हुआ है। गुरुदेव ने फरमाया कि समय आने पर किसी प्रकार की दवा भी काम नहीं आएगी। इसलिए जब तक समय है तो अच्छे कार्य कर लेना चाहिए।

हर घर चमत्कारी गुरुदेव इक्तीसा का जाप सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा प्रति माह के एक रविवार को आयोजित होने वाले अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का अत्यन्त चमत्कारी इक्तीसे का पाठ सरिता डाकलिया के निगोद निवारण तप के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राकेश कुमार, ललित कुमार, शैलेन्द्र कुमार डाकलिया निवास पर सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि जो कोई गुरुदेव का इक्तीसा एक सौ आठ बार जाप करता है उसके कष्ट संकट सभी दूर हो जाते हैं। महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि भगवान महावीर की धर्म-परंपरा को जीवित एवं विशुद्ध बनाए रखने के लिए समय समय पर अनेक अमृत-पुरुष हुए।

उनमें आचार्य जिनदत्तसूरि जैसे नवयुग प्रवर्तक महापुरुष की गणना होती है। जिनदत्तसूरि जैन धर्म और उसकी सुविहित खरतर-गच्छीय परंपरा के एक ऐसे सुदृढ़ स्तम्भ थे जिन्होंने अपने व्यक्तित्व, साधना और प्रकांड पांडित्य के बल पर समाज में जो श्रद्धा का स्थान प्राप्त किया वह आज नौ सौ वर्षों के बाद भी अमर है। गुरुदेव की महिमा अपरंपार थी। उनको युगप्रधान-पद किसी मानवी द्वारा नहीं बल्कि देवी द्वारा दिया गया था। उसी समय से खरतरगच्छ की अधिष्ठायिका के रूप में अम्बिका देवी प्रसिद्ध हुई। इस अवसर पर सनी रांका, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, सुरेश जैन, कुनाल मरलेचा के साथ अनेक सदस्यों ने परमात्मा, गुरुदेव और तपस्या के निमित्त सुमधुर गीत प्रस्तुत किए।

पर्युषण पर्व की बुनियाद अंतर की खोज: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि पर्युषण पर्व की बुनियाद अंतर की खोज है। श्रमण भगवान महावीर का धर्म जीवन शुद्धि का धर्म है। जैन परम्परा में पर्युषण का आठ दिवसीय पर्व मन, वचन एवं काया द्वारा संयम को अपना कर संसार के सभी जीवों के साथ मैत्रीय भाव रखने की प्रेरणा देता है। इन दिनों में सामान्यतः लोग प्रतिदिन के व्यवहार से कुछ निवृत्ति लेकर तप, जप, व्रत, नियम, दान आदि धार्मिक प्रवृत्तियों का अनुसरण करते हैं।

इन दिनों व्याख्यानों में महापुरुषों के चरित्रों, वार्षिक कर्तव्यों

आदि के द्वारा शुभ प्रवृत्ति की प्रेरणा दी जाकर अंत में संवत्सरी का पवित्र दिवस आता है। वास्तव में ये दिन आत्म निरीक्षण के लिये होते हैं। अंतरखोज करते हुए बीते हुए जीवन पर विचार कर उस पर चिंतन कर भविष्य की दिशा निश्चित करनी होती है। मानव विशेषकर हमेशा बाहर की प्रवृत्तियों में घिरा रहता है, उस सारे समय वह स्वयं को भूल जाता है। महापुरुषों ने ऐसे दिन निश्चित करके हमें बाह्य निवृति लेकर अंतर्मुख बनने का अवसर दिया है। जिससे इस निमित्त हम मन के मेल को साफ करके कुछ प्रकाश की प्राप्ति करें। जीवन शुद्धि हेतु अंतरखोज परम आवश्यक है, यही पर्युषण पर्व की बुनियाद है मर्म है। इस हेतु निरंतर चिंतन, मनन करते हुए उसे कार्यान्वित करना आवश्यक है। विशेषकर पर्व के इन दिनों में इन उद्देश्यों को नजर के सामने रखना है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में सुंदर आराधना साधना गतिमान है।

महापर्व पर्युषण की आराधना 20 अगस्त से प्रारंभ होकर 27 अगस्त को संवत्सरि महापर्व होगा। सुबह भक्तामर का लाभ पुखराज कपूरचंद परिवार ने लिया। दोपहर में पंचकल्याणक पूजन का लाभ मेहता टाइम्स ने लिया। रात्रि को भक्ति संगीतकार दीपक करणपुरिया भक्ति की रमझट मचाएंगे। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महासती डॉ. दर्शन प्रभा जी को दी श्रद्धांजलि

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रमण संघ की वरिष्ठ साध्वी, उप प्रवर्तनी, और स्पष्टवक्ता महासती डॉ. दर्शन प्रभा जी का बेंगलूरु में संथारा सहित देवलोक गमन के बाद सकल जैन समाज, हुब्बल्ली द्वारा मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में अनेक समाजजन, गणमान्य व्यक्ति, संघों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस दौरान स्थनकवासी जैन समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन के अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, दादावाड़ी संघ के अध्यक्ष रमेश बाफना, केपीसीसीसी महासचिव पारसमल

गोलेच्छा, शांतिनाथ गौशाला अध्यक्ष भरत भंडारी, बीजेएस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेच्छा, स्थनकवासी समाज कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, निदेशक अशोक कोठारी, बाबूलाल पालगोता, ऑल कर्नाटक राजस्थान युथ फेडरेशन अध्यक्ष प्रकाश बाफना, प्रकाश कवाड़, मोहनलाल जैन, दीपक कवाड़, सुनील कटारिया, राजेंद्र जैन, गिरीश पोरवाल, मितेश जैन, मनोहर मालू, सुभाषचंद्रा डंक, तरुण जैन, सिद्धार्थ कटारिया, किशन कटारिया एवं अन्य श्रद्धालुओं ने महासतीजी के जीवन त्याग, संयम एवं आत्मकल्याण की प्रेरणामय जीवन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष उकचंद बाफना ने गहरी भावनाओं के साथ कहा पूज्य गुरुवर्या का संथारा सहित देवलोकगमन हम सभी गुरुभक्तों के लिए अत्यंत दुःखद एवं भावुक कर देने वाला समाचार है। यह संथारा उनकी आत्मा की निर्मलता, वैराग्य तथा मोक्ष मार्ग की ओर उनके अडिग संकल्प का दिव्य प्रमाण है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष में शेषाद्रीपुरम इस्कॉन में दो दिवसीय कार्यक्रम हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के लिए अभिषेक, आरती, 56 भोग, पुष्पांजलि सेवा, पल्लकी उत्सव और झूलन सेवा शामिल थी। प्रकटोत्सव पर नंद के घर आनंद भयो हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की के जयकारों से मंदिर का वातावरण भक्तिमय हो गया। अनुकूल केशव दास, राकल कृष्ण दास, मधुसूदन हरि, उत्तम दामोदरदास, सुरेश्वर दास एवं पूरी टीम ने सुव्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें हजारों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। रविवार को वक्ताओं ने भगवान कृष्ण महिमा का वर्णन किया, जिससे श्रोता भाव विभार हो गए। कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा हम भारतीय बांसुरी वाले कृष्ण को पूजा करते हैं और सुदर्शन चक्रधारी कृष्णा को अपना आदर्श मानते हैं। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

परमात्मा हमारे जीवन रथ के सारथी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम स्वयं जो भी करते हैं उसी से हमारा जीवन अच्छा और बुरा होता है।

एक साधक का परमात्मा प्रभु के प्रति अभिन्न पूर्णतया समर्पण भाव होना चाहिए। परमात्मा हमारे जीवन रथ के सारथी हैं। उनके भरोसे हमारे जीवन की गाड़ी हमें छोड़ देना चाहिए। इस संसार में जो कुछ भी होता है वह हमारे अच्छे के लिए ही होता है। जब हम गिरते हैं और गिरे हुए ही रहते हैं तब वह हमारे जीवन की अकर्मण्यता है। प्रभु हमें उठाने का कार्य करते हैं। हमें हर आत्मा में परमात्मा के दर्शन करना है। परमात्मा महावीर के अनेकांतवाद को समझना है। एक ही वस्तु को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखना ही अनेकांतवाद अथवा स्यादवाद है।

परमात्मा की आज्ञा और एक दृष्टि से वस्तु का स्वभाव ही धर्म है। हमारी आत्मा अभी तक अनंत बार देव, मनुष्य, तिर्यंच और नरक गति में उत्पन्न हुई है लेकिन इसका ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप का गुण हर गति में विद्यमान रहता है, जरूरत है तो सिर्फ इसके ऊपर से कर्मों का आवरण हटाने की। जैन धर्म का क्षमता का पर्व अद्भुत है। इस जगत के सभी जीवों को हमें मिच्छामि दुक्कडम देकर हमारी आत्मा को हल्का करना है। हमारी आत्मा सदैव ज्ञान गुण से परिपूर्ण है। हमें विभावों से शून्य बनना है। हमें क्षमा गुण से परिपूर्ण होना है और क्रोध से शून्य बन जाना है। हमें परमात्मा महावीर के दर्शन के प्रति पूर्णतया समर्पण भाव रखना है तभी हमारे जीवन में धर्म और आध्यात्मिक की सुवास आएगी। पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस प्रवचन के दौरान कल्पसूत्रजी घर ले जाकर भक्ति भावना का लाभ दिया जाएगा।

शरीर की बनावट या रूप पर घमंड अनुचित: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने

कहा कि अनंत काल से हम भ्रम और झूठ में जी कर यह मान रहे हैं कि यह शरीर अपना है। यह शरीर खून और हड्डी से बनी एक इमारत मात्र है, जिसे मौत की आंधी में धराशाई होना है। शरीर पर आसक्ति धर्म और तप आराधना में बाधक बनती हैं। इस शरीर से हमे अपना भव भ्रमण सार्थक करना है। शरीर की बनावट या रूप पर घमंड अनुचित है। किसी दिन हम यदि किसी अस्पताल में जाकर देखें तो हमे हमारी हकीकत का भान हो जाएगा। हमारी सुंदरता विनय और विवेक से सुशोभित होती है। हम सौंदर्य प्रसाधनों से बचें। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि जो शरीर अरिहंत को मिला था। वैसा ही शरीर हमे भी मिला है। उन्होंने धर्म कथा चुनी और हमने विकथा में रस लिया और भव भ्रमण बढ़ा लिया। धन परिवार सभी शरीर के मित्र हैं। मात्र धर्म आत्मा का मित्र है। हम स्वयं के लिए और सभी के लिए मुक्ति की कामना करें। पर्युषण प्रमाद छोड़ने की प्रेरणा ले कर आते हैं। चाहे जो मजबूरी हो, हम पर्व आराधना अवश्य करें।

प्रवचन सभा में आशाबाई गोलेछा ने 12 एवं साक्षी नाहर तथा संतोष आच्छा ने 22 उपवास के प्रत्याख्यान लिए।

सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने दिवंगत साध्वी श्री दर्शनप्रभा जी का जीवन परिचय देते हुए गुणानुवाद कर संघ की ओर से श्रद्धा अर्पित किए और पर्युषण पर्व व्यवस्था की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारी अपनी चरम सीमा पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा आयोजित होने वाले जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारियाँ अपनी चरम सीमा पर हैं। यह भव्य आयोजन सितंबर माह की 5, 6 और 7 तारीख को बेंगलूरु के त्रिपुरा वासनी स्थित 1 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में आयोजित होगा। इस एक्सपो को देशभर के आभूषण एवं ब्राइडल उद्योग के लिए सबसे बड़ा मंच माना जा रहा है। एक्सपो की रूपरेखा एवं कार्यप्रणाली पर महत्वपूर्ण बैठक जीतो नॉर्थ ऑफिस, राजाजीनगर में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया और उन्होंने एक्सपो का विस्तृत परिचय देते हुए कहा कि यह आयोजन पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा। उन्होंने बताया कि इस एक्सपो में देशभर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं विशेष अतिथि शामिल होंगे। एक्सपो की मार्केटिंग के लिए टीवी चैनलों, समाचार

पत्रों, रेडियो, प्रमुख मार्गों पर होर्डिंग्स तथा माई गेट ऐप के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हम मेहमाननवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। प्रतिदिन आने वाले पहले 1000 विजिटर्स के लिए विशेष गिफ्ट की व्यवस्था रहेगी, जिसके प्रायोजक हैपिलो हैं। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्य की सुचारू रूप से क्रियान्विति और उसे और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और पारदर्शिता ही इस एक्सपो की सफलता की कुंजी होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से समर्पण और पूरी निष्ठा के साथ योगदान देने का आग्रह किया। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक निर्मल ज्वैलर्स, संजय नगर तथा सह-प्रायोजक ड्रेस कोड हैं। इन प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग इस भव्य आयोजन को और भी यादगार बनाएगा। इनके सहयोग से कार्यक्रम में गुणवत्ता, भव्यता और उत्कृष्टता का विशेष समावेश होगा। कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आच्छा ने जीएसटी रिपोर्ट प्रस्तुत की। एक्सपो के कन्वीनर सुरेश गन्ना ने अब तक की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी और आगे की योजनाओं पर विचार साझा किए। सह-कन्वीनर संजीव गन्ना एवं प्रवीण दक ने भी अपने सुझाव दिए। जीतो महिला विंग के कन्वीनर नेमीचंद दलाल ने ब्राइडल स्टोरी के संबंध में जानकारी साझा की। पंकज जैन ने शून्य से शिखर तक कार्यक्रम की जानकारी दी। सुनील लोढ़ा ने मैट्रिमोनी प्रोग्राम हमसफर एक खोज की रूपरेखा प्रस्तुत की। मदन मुणोत ने जेबीएन 9एक्स कॉन्क्लेव की जानकारी दी। प्रमीत बाफना ने यूथ कॉन्क्लेव की तैयारियों पर प्रकाश डाला। प्रीतेश जैन एवं प्रवीण गन्ना ने मार्केटिंग की पूरी जानकारी दी। बैठक में गत वर्ष के समिति सदस्य महामंत्री सुधीर गादिया, सिद्धार्थ बोहरा, राजकुमार सोलंकी एवं अतिथि सुनील सखलेचा, श्रेयांस गांधी को भी आमंत्रित किया गया। अंत में कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आच्छा ने सभी का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

जय महावीर | श्रमण संघ जयवंत हो | जय आत्म आनंद देवेन्द्र शिव महेन्द्र

पर्युषण महापर्व अष्टदिवसीय धर्म आराधना

दि. 20.08.2025, बुधवार से दि. 27.08.2025, बुधवार तक श्रीसंघ के प्रांगण में

श्रद्धाशील समस्त सदस्यों को सूचित करते है कि हमारे श्रीसंघ में आगम गगन चन्द्रिका, संयम सुमेरु, गुरुणी मैया महासाध्वी श्री कौशल्याजी म.सा. "श्रमणी" की प्रशिष्याएं स्वर्ण संयम ज्योति, सर्व गुण सम्पन्ना उप प्रवर्तिनी महासती श्री प्रमिलाजी म.सा. की सुशिष्याएं तप कौमुदी उप प्रवर्तिनी महासती श्री निर्मलाजी म.सा., तप चन्द्रिका महासती श्री नन्दिनीजी म.सा., महासती श्री उपमाजी म.सा., महासती श्री उपासनाजी म.सा., महासती श्री ऋषिताजी म.सा. आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में ज्ञानध्यान, तप-त्याग व धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाने जा रहे है। अतः आप सपरिवार इन अष्टदिवसीय सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर श्रीसंघ की शोभा बढ़ावें।

उप प्रवर्तिनी तप कौमुदी महासती श्री निर्मलाजी म.सा. आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में पर्युषण पर्व आराधना कार्यक्रम

- श्री अन्तकृतदंशाग सूत्र वाचन : प्रातः 8.30 से 9.00 बजे
- प्रवचन : प्रातः 9.15 से 10.30 बजे
- कल्पसूत्र वाचन : दोपहर 2.15 बजे से
- धार्मिक प्रतियोगिता : दोपहर 3.00 बजे से
- प्रतिक्रमण : सूर्यास्त से

भाईयों का प्रतिक्रमण ग्राउंड फ्लोर के हॉल में एवं बहनों का प्रतिक्रमण पहले माले में होगा। पर्युषण पर्व में अष्ट दिवसीय अखंड नवकार महामंत्र जाप रहेगा। (सुबह 7 से रात्रि 9 बजे तक) महिलाओं के लिए और रात्रि 9 बजे से सुबह 7 बजे तक पुरुषों के लिए

शुभ दिन	प्रवचन विषय	प्रतियोगिता
बुधवार दि. 20.08.2025	सुख का राजमार्ग	टेलिफोन प्रतियोगिता
गुरुवार दि. 21.08.2025	सोच बदले आचरण बदलेगा	आओं माला बनाये प्रतियोगिता
शुक्रवार दि. 22.08.2025	हृदय से अमीर बनो	धार्मिक तंबोला प्रतियोगिता
शनिवार दि. 23.08.2025	अटकोगे तो भटकोगे	सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार दि. 24.08.2025	स्वयं को जानो	रिक्त स्थान भरो प्रतियोगिता
सोमवार दि. 25.08.2025	पकड़ छूटे तो जुड़े	स्वर्ग नरक प्रतियोगिता
मंगलवार दि. 26.08.2025	तप ज्योति भी, ज्वाला भी	राईट - रोग प्रतियोगिता
बुधवार दि. 27.08.2025	संवत्सरी महापर्व	पर में नहीं स्व में रमण करें-वृद्धा आलोचना

गुरुवार दि. 28.08.2025 सामूहिक क्षमापना (प्रातः 8.30 बजे)
मंगलवार दि. 26.08.2025 को प.पू. गुरुदेव श्री पन्नालालजी म.सा. की जन्म जयंति मनाई जाएगी।

निवेदक : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (रजि.)
नं. 12, 53 वां ए क्रॉस, तीसरा वाई ब्लॉक, राजाजीनगर, बेंगलोर-10 फोन: 23300097

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	सहमंत्री	कोषाध्यक्ष
प्रकाशचंद चाणोदिया	रोशनलाल नाहर	नेमीचंद दलाल	राकेश दलाल	प्रसन्न भलगट

समस्त ट्रस्टीगण, कार्यकारिणी एवं सदस्यगण, श्री त्रिशला महिला मंडल, श्री त्रिशला बहु मंडल राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा, महावीर जैन पाठशाला

सभी 101 जातियों को न्याय देना सरकार की जिम्मेदारी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से कहा कि अनुसूचित जाति समुदाय की 101 जातियाँ हैं और आंतरिक आरक्षण लागू करते समय, ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिससे किसी भी जाति के साथ अन्याय न हो। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा आप राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

आपको आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर एक ठोस निर्णय लेना चाहिए। अनुसूचित जाति समुदाय की 101 जातियाँ हैं और आपको ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिससे किसी भी जाति के साथ अन्याय न हो। सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा लिए गए निर्णय के कारण अन्य जातियाँ और अनुसूचित जाति समुदाय सड़कों पर उतरकर संघर्ष न करें। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से सभी मुद्दों की समीक्षा करने और उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ही सारी उलझन की जड़ हैं। इस राज्य के मुख्यमंत्री का कर्तव्य है कि वे इस उलझन और समस्या का गुणगान करें। हमारा अनुसूचित जाति समुदाय उनसे उम्मीद करता है कि वे इसे सही तरीके से संभालेंगे। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के राज्य में सत्ता में आने के बाद से, आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हमने देखा है कि सरकार असमंजस में है। जब राज्य में बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, तब अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत कोटा बढ़ाकर 17 प्रतिशत कर दिया गया था। अनुसूचित जनजातियों के लिए 3 प्रतिशत कोटा बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया था। उस समय विपक्ष के नेता सिद्धरामैया और उनके सहयोगियों ने इस पर आपत्ति जताई थी कि इसे लागू नहीं किया गया है। भाजपा ने केवल भाषण दिए और गलत सूचना फैलाई। भाजपा ने पहले भी नागमोहनदास रिपोर्ट के इन्हीं बिंदुओं को लागू किया था। सिद्धरामैया ने कैबिनेट की एक विशेष बैठक बुलाई है। उन्होंने विश्लेषण किया कि वे भी वही करने जा रहे हैं जो भाजपा सरकार ने अतीत में किया था। क्षेत्र धर्मस्थल के बारे में लगातार फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के पीछे कौन है? विजयेंद्र ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इसके पीछे किसकी साजिश है, यह ज्यादा समय तक गुप्त नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि श्री क्षेत्र धर्मस्थल के बारे में दुष्प्रचार धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला काम है और अगर राज्य सरकार को धर्मस्थल-श्री मंजुनाथेश्वर में जरा भी आस्था है, तो सरकार को ऐसी ताकतों की जाँच करनी चाहिए।

इससे पहले, मैसूरु में, हमारे एक हिंदू कार्यकर्ता को दूसरे धर्म के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया था। कुछ लोगों ने पुलिस थाने में घुसकर थाने में आग लगा दी थी। तुमकुरु में, एक हिंदू समर्थक महिला कार्यकर्ता को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। डीसीएम डीके शिवकुमार ने कहा है कि वह धर्मस्थल के मामले में विश्वास रखते हैं। हालाँकि, उन्होंने पूछा कि जब दुष्प्रचार चल रहा था, तब मुख्यमंत्री, डीसीएम और गृह मंत्री ने इसे क्यों नहीं रोका। उन्होंने यह भी पूछा कि दुष्प्रचार में लगे संगठनों के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई? जब हिंदू धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, तब राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं की?

अवैध रेत खनन रोकने के लिए जीपीएस लगाने और स्क्वायड टीम का गठन: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृषि मंत्री चालुवरायस्वामी ने विधान परिषद में बताया कि राज्य भर में अवैध रेत खनन को रोकने के लिए जीपीएस लगाया जाएगा और स्क्वाड टीम को मजबूत किया जाएगा। सदस्य हेमलता नायक ने बागवानी मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन से एक प्रश्न पूछा था। मंत्री की ओर से जवाब देते हुए चालुवरायस्वामी ने कहा कि अवैध रेत खनन को रोकना सरकार की पहली प्राथमिकता है। जहाँ भी रेत खनन होता है, वहाँ जीपीएस लगाया जाएगा और मौजूदा स्क्वाड टीम को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कड़े उपायों के बावजूद, कुछ जगहों पर ऐसी अवैध गतिविधियाँ जारी हैं। जब अवैध रेत खनन में शामिल लोगों पर अचानक हमला होता है, तो वे अपने ट्रक, ट्रैक्टर, बैलगाड़ी और अन्य वाहन छोड़कर भाग जाते हैं।

हालाँकि, उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। अवैध रेत खनन को रोकने के लिए जिला कलेक्टरों, तहसीलदारों और अन्य को सख्त निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार के खजाने को किसी भी तरह का नुकसान न हो, इसके लिए कड़े कानूनी कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों को सरकार को देय राजस्व वसूली के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। चालुवरायस्वामी ने आश्वासन दिया कि अगर कोई विशिष्ट मामला सामने आता है तो सरकार कानूनी कार्रवाई करेगी।

कर्नाटक की शक्ति योजना रिकॉर्ड तोड़ मुफ्त बस यात्रा के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की प्रमुख योजना शक्ति, जो राज्य भर में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा प्रदान करती है, ने 500 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएँ प्रदान करके गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में एक प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया है। कर्नाटक सरकार की पाँच गारंटी पहलों में से एक, यह योजना 11 जून, 2023 को शुरू की गई थी। उस तारीख से 25 जुलाई, 2025 के बीच, 5,04,94,76,416 महिला यात्रियों ने मुफ्त टिकट का लाभ उठाया और सभी चार राज्य-संचालित सड़क परिवहन निगमों में यात्रा की। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने इस योजना को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करा दिया। इसे अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण बताते हुए, कर्नाटक के परिवहन और मुजराई मंत्री,

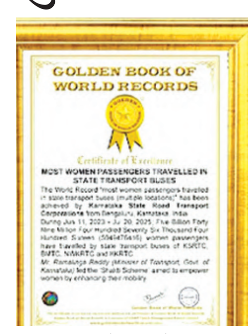

रामलिंगा रेड्डी ने कहा शक्ति महिला सशक्तिकरण के लिए एक साहसिक और महत्वाकांक्षी पहल है।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इसे मान्यता मिलना कर्नाटक के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मंत्री ने सस्टेनेबल मोबिलिटी नेटवर्क द्वारा बियॉन्ड फ्री राइड्स शीर्षक से किए गए एक हालिया अध्ययन के निष्कर्ष भी साझा किए, जिसमें 10 भारतीय शहरों में महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा का मूल्यांकन किया गया था। अध्ययन से पता चला है कि इस योजना के कारण बेंगलूरु में 23 प्रतिशत अधिक महिला कर्मचारी सरकारी बसों का उपयोग कर रही हैं, जबकि हुब्बल्ली-धारवाड़ में महिला यात्रियों की संख्या में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शक्ति योजना को न केवल परिवहन सुविधा को आसान बनाने के लिए, बल्कि महिलाओं की आर्थिक गतिशीलता और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए भी सराहा जा रहा है।

बागलकोट में कृषि विश्वविद्यालय को बंद करने का सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री चालुवरायस्वामी ने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी कारण से बागलकोट स्थित कृषि विश्वविद्यालय को बंद करने या किसी अन्य विश्वविद्यालय में विलय करने पर विचार नहीं कर रही है। सदस्य हनुमंत निरानी ने बागवानी मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन से इस बारे में पूछा। मंत्री की ओर से जवाब देते हुए, मंत्री चालुवरायस्वामी ने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि हम बागवानी विश्वविद्यालय को बंद कर देंगे।

सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें। सरकार के समक्ष विश्वविद्यालय को किसी अन्य विश्वविद्यालय में विलय करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। एक मंत्री के रूप में, मैं इस सदन को यह स्पष्ट कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि न तो जनप्रतिनिधियों और न ही जनता को अफवाहों पर ध्यान देना चाहिए।

इस विश्वविद्यालय के विलय के संबंध में राज्य सरकार के सेवानिवृत्त मुख्य सचिव विजय भास्कर के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई है। उन्होंने अभी तक सरकार को अंतिम रिपोर्ट नहीं सौंपी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम मीडिया में आ रही खबरों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते। इस सत्र के अंत तक सरकार को रिपोर्ट सौंपी जा सकती है। इसके बाद सरकार तय करेगी कि क्या कदम उठाना है। लेकिन एक बात तो सच है।

उन्होंने दोहराया कि इसमें कोई बदलाव करने का सवाल ही नहीं उठता। रिपोर्ट आने के बाद इसके पक्ष-विपक्ष पर लंबी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर संबंधित जनप्रतिनिधियों को बैठक में आमंत्रित किया जाएगा। इससे पहले, सदस्य हनुमंत निरानी और पी.एच. पूजार ने कहा कि सरकार को बागलकोट विश्वविद्यालय का किसी अन्य विश्वविद्यालय में विलय नहीं करना चाहिए। राज्य के लगभग 24 कॉलेजों के छात्र वहाँ पढ़ते हैं। उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया कि वहाँ के स्थानीय लोगों ने इस विलय का विरोध किया है।

सांगली से तमिलनाडु जा रही बस पलटने से दो लोगों की मौत

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मोटेबेन्नूर के पास मंगलवार को एक निजी बस के पलट जाने से एक लड़की समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अर्नवी (11) और 20 वर्षीय यश के रूप में हुई है।

छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस महाराष्ट्र के सांगली से 36 यात्रियों को लेकर तमिलनाडु जा रही थी। पुलिस के अनुसार, बस के सामने अचानक आई एक कार से टकराने से बचने की कोशिश में चालक ने नियंत्रण खो दिया। बस सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। पुलिस और दमकल कर्मियों ने आपातकालीन निकास द्वार से यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायल यात्रियों को हावेरी जिला अस्पताल ले जाया गया। ब्याडगी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सघन टिकट जांच अभियान से 2.37 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोंकण रेलवे ने बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने और वास्तविक यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अपने टिकट जाँच अभियान को तेज कर दिया है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत से अब तक 3,765

टिकट जाँच अभियान चलाए जा चुके हैं। इन अभियानों के दौरान, अधिकारियों ने अनधिकृत या अनियमित यात्रा के 40,602 मामलों का पता लगाया और उन पर जुर्माना लगाया, जिससे 2,37,11,161 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने कहा कि यह पहल अनुशासन बनाए रखने और वैध टिकट धारकों को सुरक्षित, परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव प्रदान करने के प्रयासों का हिस्सा है। गणपति उत्सव के नजदीक आने के साथ, कोंकण रेलवे मार्ग पर यात्री यातायात में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है। रेलवे ने सभी यात्रियों से असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील की है।

राज्य में 8 चीनी मिलों को नियमानुसार लीज पर दिया गया है: मंत्री शिवानंद पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने स्पष्ट किया कि राज्य की 8 चीनी मिलों को नियमों के अनुसार 30 साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया है। सदस्य एन. रविकुमार के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 8 चीनी मिलों को 371 करोड़ रुपये में 30 साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवधि समाप्त होने के बाद

मिलों को सरकार को सौंप दिया जाएगा। पिछली सरकार ने इन मिलों को 40 साल और 330 करोड़ रुपये के पट्टे पर दिया था। उन्होंने उचित ठहराया कि हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद कुछ नियमों में संशोधन किया गया और नियमों के अनुसार पट्टे दिए गए। चीनी मिलों को निविदा के माध्यम से पट्टे पर दिया जाता है। जो सबसे ऊँची बोली लगाता है उसे पट्टा मिलता है। उन्होंने कहा कि जहाँ अधिकांश चीनी मिलें घाटे में हैं, वहीं निजी चीनी मिलें लाभ की राह पर हैं। हमने पिछली सरकार की गलती को सुधारा है। उन्होंने 330 करोड़ रुपये और 40 साल की अवधि के लिए पट्टा दिया था। हमने इसे फिर से टेंडर किया और इसे घटाकर 371 करोड़ रुपये कर दिया और इसे 40 साल से घटाकर 30 साल कर दिया। उन्होंने दोहराया कि वे कहीं भी कानून का उल्लंघन नहीं करेंगे। चीनी मिलों को कर्मचारियों का वेतन, बिजली का बकाया और वेतन बकाया देना चाहिए। अब समय-समय पर सब कुछ सामान्य हो गया है। पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी ने कहा कि मिल घाटे में थी। तब आपकी सरकार सत्ता में थी। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा सरकार पर पलटवार करते हुए कहा कि जिन लोगों ने सरकार से कर्ज लिया है, उन्हें उसे चुकाने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए।

तटीय कर्नाटक में मानसून सामान्य के करीब, और बारिश की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले कुछ हफ्तों से तटीय क्षेत्र में भारी बारिश का कहर बरपा रहा दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने सामान्य वर्षा लक्ष्य के करीब पहुँच गया है। जून से सितंबर तक, दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में कुल मिलाकर 3,101 मिमी बारिश होने की उम्मीद है।

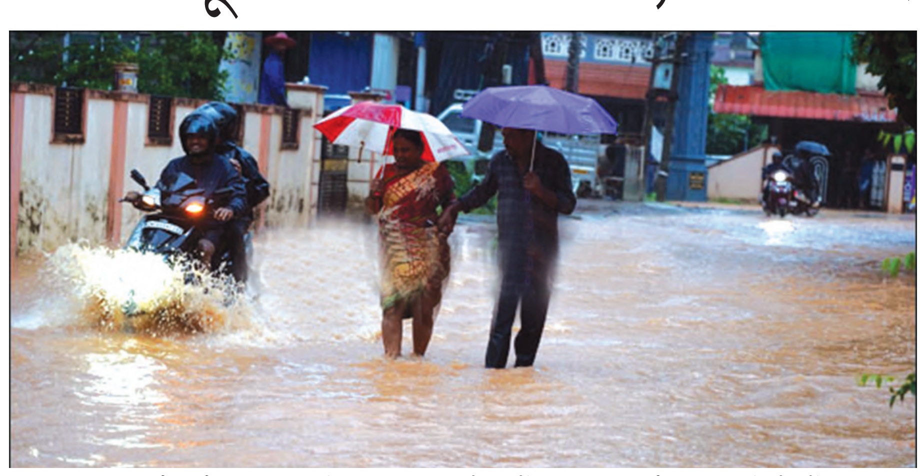

जून से 16 अगस्त के बीच, इस क्षेत्र में पहले ही 2,386 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जिससे सामान्य लक्ष्य तक पहुँचने के लिए केवल 715 मिमी बारिश की आवश्यकता है। मानसून सीजन के अभी डेढ़ महीने बाकी हैं, और आने वाले दिनों में और भारी बारिश की उम्मीद है। मानसून, जो आमतौर पर केरल में दस्तक देता है और जून के पहले हफ्ते में कर्नाटक तट पर पहुँचता है, इस साल पहले ही आ गया। 5 जून के बजाय, मानसून 24 मई को राज्य में पहुँचा, जिससे तट पर व्यापक वर्षा हुई। अपनी शुरुआत के बाद से, मानसून बिना किसी महत्वपूर्ण कमी के सक्रिय बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, वायुमंडलीय दबाव में गिरावट के कारण आने वाले हफ्तों में भारी बारिश की संभावना है। अब तक दक्षिण कन्नड़ जिले में 2,547 मिमी, उडुपी में 3,149 मिमी और उत्तर कन्नड़ में 2,044 मिमी बारिश हुई है। कुल मिलाकर, तटीय बेल्ट में 2,386 मिमी दर्ज किया गया है। दक्षिण कन्नड़ में, बेल्टांगडी तालुक में 2,683.5 मिमी, बंटवाल में 2,604.3 मिमी, मेंगलूरु में 2,234.4 मिमी, पुत्तूर में 2,227.4 मिमी, सुलिया में 2,391.3 मिमी, मूडबिद्री में 2,799.1 मिमी, कदबा में 2,681.5 मिमी, मुल्की में 2,289.1 मिमी और उल्लाल में 2,295.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। उडुपी जिले में, करकला तालुका में 3,064.1 मिमी, कुंडापुर में 3,231.4 मिमी, उडुपी में 2,811.8 मिमी, बिंदूर में 3,279.1 मिमी, ब्रह्मवार में 2,893.6 मिमी, कौप में 2,646.1 मिमी और हेबरी में सबसे अधिक 3,473 मिमी वर्षा दर्ज की गई। पिछले कुछ वर्षों में, तटीय कर्नाटक में 3,101 मिमी के सामान्य लक्ष्य की तुलना में वर्षा में काफी बदलाव देखा गया है। 2018 में, इस क्षेत्र में 3,104 मिमी वर्षा हुई, जिसे सामान्य माना गया, जबकि 2019 में 3,734 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक थी। 2020 में, वर्षा 3,458 मिमी रही, जो सामान्य से 12 प्रतिशत अधिक थी। हालाँकि, 2021 में, कुल वर्षा घटकर 2,692 मिमी रह गई, जो सामान्य से 13 प्रतिशत कम है। अगले वर्ष, 2022 में, 3,107 मिमी बारिश के साथ फिर से सामान्य स्तर पर पहुँच गया। 2023 में, वर्षा में भारी गिरावट आई और यह 2,514 मिमी रह गई, जो 19 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। इस वर्ष, 2024 में, इस क्षेत्र में अब तक 3,736 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान रुझान के साथ, इस वर्ष भी मौसम के अंत से पहले वर्षा सामान्य स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है।

केएसआरटीसी ने 28 नए रूटों के लिए अनुमति मांगी

निजी बस मालिकों ने जताई आपत्ति

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी ने जनता की मांग का हवाला देते हुए मेंगलूरु से विभिन्न गंतव्यों के लिए 28 नए रूटों पर बस सेवा शुरू करने की अनुमति के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है। हालाँकि, निजी बस मालिकों ने इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई है।

उपायुक्त दर्शन एच. वी. की अध्यक्षता में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। केएसआरटीसी की ओर से, संभागीय अधिकारी राजेश शेट्टी ने एक ज्ञापन प्रस्तुत कर नए रूटों पर प्राथमिकता से विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जनता के अनुरोधों के आधार पर नए रूटों के लिए कई आवेदन दायर किए गए थे। उन्होंने कहा जहाँ पहले से ही निजी बसें चल रही हैं, वहाँ भी केएसआरटीसी बसों को चलाने की अनुमति देने के लिए समय समायोजित किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने शहर के लिए 100 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी है। राज्य सरकार की 'शक्ति' योजना के तहत, महिला यात्रियों को भी इन सेवाओं का लाभ मिलना चाहिए। इस कदम पर आपत्ति जताते हुए, निजी बस मालिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता एम. वी. नागेश और परासरा कुमार ने कहा कि परमिट देने से पहले यह आकलन करने के लिए एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जाना चाहिए कि क्या नए रूट आवश्यक हैं। दक्षिण कन्नड़ जिला बस मालिक संघ के अध्यक्ष अब्दुल अजीज पर्तिपादी ने निजी बस संचालकों की खराब आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अगर केएसआरटीसी बसें शहर की सीमा में शुरू की जाती हैं, तो निजी संचालक सड़कों पर उतर आएंगे। शहरी क्षेत्रों में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचना होगा। नागरिक सुरक्षा समिति के अध्यक्ष हनुमंत कामथ ने आग्रह किया कि कृष्णप-ुरा, कुंजट्टाबैल, मंगलादेवी और सुल्तान बाथरी के लिए सीधी बसें शुरू की जाएँ, क्योंकि अब उपायुक्त कार्यालय पडिल के प्रजसौधा में स्थानांतरित हो गया है। जी के भट ने नंथूर और पंपवेल जैसे इलाकों में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए शहर में सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक टैंकरों की आवाजाही प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया।

दक्षिण कन्नड़ ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष विष्णुमूर्ति ने माँग की कि परमिट केवल वैध लाइसेंस और बैज वाले चालकों को ही जारी किए जाएँ। उन्होंने बताया कि शहर में पहले से ही आवश्यकता से अधिक ऑटो हैं, जिससे चालकों को परेशानी हो रही है और स्टैंड भी अपर्याप्त हैं। ई-ऑटो को अनुमति देने की भी मांग की गई, लेकिन क्षेत्रीय प्रतिबंधों से बचने की। ई-ऑटो चालकों की ओर से बोलते हुए, विश्वनाथ, प्रजेश और मोहम्मद रियाज ने क्षेत्रीय विभाजन का विरोध करते हुए ई-ऑटो के लिए अवसर प्रदान करने पर जोर दिया।

भवन के कब्जे के दस्तावेज के बिना बिजली कनेक्शन नहीं मिलेगा: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने विधानसभा में कहा कि भवन के कब्जा प्रमाण पत्र के बिना बिजली कनेक्शन नहीं दिया जा सकता। भाजपा विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण द्वारा उठाई गई आपत्ति का समाधान करने के लिए विधानसभा सत्र में हस्तक्षेप करते हुए, मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का आदेश है कि कब्जा प्रमाण पत्र के बिना बिजली कनेक्शन नहीं दिया जाना चाहिए। इस संबंध में 13 मार्च को केईआरसी का भी आदेश है। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन किए बिना बिजली कनेक्शन नहीं दिया जा सकता। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 4 लाख भवन मालिकों ने बिजली कनेक्शन के लिए आ-वेदन किया है। अगर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश है कि कब्जा प्रमाण पत्र और भवन निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र के बिना बिजली कनेक्शन दिया जा सकता है, तो दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार आज ही आदेश जारी करेगी और सभी को बिजली कनेक्शन प्रदान करेगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि 4 लाख आवेदकों में से कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से पहले भुगतान किया था। उन्होंने ध्यानाकर्षण नोटिस के मुद्दे पर विस्तृत जवाब देने का वादा किया। इससे पहले बोलते हुए, अश्वथ नारायण ने कहा कि केईआरसी का आदेश न होने के बावजूद बिजली कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं। कहा गया है कि अवैध-कानूनी नियम से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बिजली कनेक्शन दिए जा सकते हैं। अगर 15 प्रतिशत छूट दी जाती है, तो उसका कोई फायदा नहीं है। अगर दी जाती है, तो कुछ लोगों को ही क्यों दी जाए? सभी को छूट दी जाए। बिना जुर्माने के छूट दी जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एक लाख करोड़ रुपये इकट्ठा करने की मंशा है। कई भाजपा विधायकों ने बात की और कहा कि वे कर्ज लेकर घर बनाने के बाद बिजली कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं।

जोधपुर से आए संतों का बन्नूर में किया सम्मान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जोधपुर में पाल रोड़ स्थित साधना कुटीर से विरमनाथ तथा साध्वी प्रेम बाईसा मैसूरु आए। रविवार रात में राजस्थानी समाज, मैसूरु की ओर से दोनों का अभिनंदन कर सम्मान किया गया। इस मौके पर जाट समाज, मैसूरु के अध्यक्ष आनंदराम लुखा, सलाहकार विरमाराम सारण तथा मदनराम बाना, सदस्य गोमाराम जाट, मोहन भाना, पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित, सुरेंद्र सिंह, श्याम सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

अतिरिक्त महाप्रबंधक ने केएसआर बेंगलूरु और मांड्या के बीच विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक के.एस. जैन ने मंगलवार को केएसआर बेंगलूरु और मांड्या के बीच एक विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, उन्होंने इस खंड पर विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मापदंडों की समीक्षा की। उन्होंने केंगेरी, रामनगरम, चन्नपटना और मांड्या स्टेशनों का भी निरीक्षण किया, जिनका अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। जैन ने यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के समय पर निष्पादन के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने स्टेशनों पर स्वच्छता, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और यात्री सुविधा उपायों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान प्रवीण कटारकी, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, गुल अशफाक मोहम्मद, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), संचित श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, बी.एस. शिव प्रसाद, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, निवेदिता एस. बलराद्दियावर, मंडल वाणिज्य प्रबंधक और अन्य रेलवे अधिकारी उनके साथ थे।

छुट्टियों के बाद बेंगलूरु लौट रहे लोगों को ट्रैफिक जाम से हुई परेशानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

छुट्टियों के कारण अपने गृहनगर लौट रहे लोग सुबह-सुबह ट्रैफिक जाम में फँस गए। स्वतंत्रता दिवस समारोह और शनिवार व रविवार को सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण, ज्यादातर लोग अपने गृहनगर, मंदिरों और पर्यटन स्थलों पर गए थे और रात से ही बेंगलूरु की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी थी। कुछ लोग बारिश के कारण सोमवार सुबह शहर के लिए रवाना हुए। हासन, मेंगलूरु, कुनिगल, तुमकुरु, दावणगेरे, बल्लारी, चित्रदुर्ग, रायचूर, शिवमोग्गा, धर्मस्थल और चिक्कमगलूरु से आने वाले वाहन नेलमंगला के कुनिगल बाईपास पर जमा हो गए थे, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया।

मदावारा जंक्शन पर भी ट्रैफिक था और कुछ लोग बस से उतरकर मेट्रो की ओर जाते देखे गए, यह सोचकर कि उन्हें काम के लिए देर हो जाएगी।

बूंदाबांदी के बावजूद, दोपहिया वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में दिक्कत हो रही थी। तीन दिन की छुट्टी होने के कारण कई लोग अपने गृहनगर गए हुए थे, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया। गोरगुंटेपल्या, पीन्या, 8वां माइल और यशवंतपुर इलाकों में भारी जाम लगा रहा। ट्रैफिक पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

लोगों को दिल के दौरे की बढ़ती संख्या से चिंतित नहीं होना चाहिए: शरण प्रकाश पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में दिल के दौरे की बढ़ती संख्या को लेकर लोगों को बेवजह भ्रमित नहीं होना चाहिए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने लोगों को आश्वस्त किया है कि अगर वे अपने व्यायाम, प्राणायाम, आहार और जीवनशैली में बदलाव लाएँ तो कोई समस्या नहीं होगी। कांग्रेस सदस्य दिनेश गूलीगौड़ा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल के दौरे की बढ़ती संख्या को लेकर सभी चिंतित हैं। लोग हर दिन जयदेव अस्पताल में अपने दिल की जाँच कराने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस दर में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हासन जिले में दिल के दौरे की संख्या में वृद्धि से लोग विशेष रूप से चिंतित हैं। यह एक गलत धारणा है। वास्तव में, पिछले वर्षों की तुलना में औसत दर में कोई अंतर नहीं है। 5 से 6 प्रतिशत मामले दिल के दौरे से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी यही दर है। बदली हुई जीवनशैली, अत्यधिक तनाव, मोटापा, शराब का सेवन, धूम्रपान, नशीली दवाओं का सेवन, पारिवारिक पृष्ठभूमि आदि के कारण दिल के दौरे पड़े हैं। उन्होंने लोगों को किसी एक मामले के आधार पर घबराने की सलाह नहीं दी। कोविड के बाद हार्ट अटैक के मामलों में भी बढ़ोतरी की आशंका है। दरअसल, इसका और उससे कोई संबंध नहीं है। पाटिल ने सलाह दी कि अगर आप रोजाना व्यायाम करें, प्राणायाम करें, सही समय पर सोएँ, तनाव न लें और बिना उदास हुए संतुलन बनाए रखें, तो कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। इन मामलों को लेकर जयदेव हार्ट इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. रवींद्र के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई थी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने भी एक टास्क फोर्स का गठन किया था। सरकार को दी गई रिपोर्ट में कहा गया था कि लोगों की अटकलों का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पहले अफवाहों पर ध्यान देना बंद करें। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों के साथ एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अनिवार्य रूप से खोलना हमारी सरकार की नीति है। कई जिलों में ये अस्पताल पहले ही काम करना शुरू कर चुके हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने निर्देश दिया है कि सभी जिला अस्पतालों में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अनिवार्य किए जाएँ। हमने इस नियम को पहले ही लागू कर दिया है और इस पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में सुपर स्पेशियलिटी के साथ ट्रॉमा सेंटर भी शुरू किए जाएँगे। बेंगलूरु-मैसूरु, कलबुर्गी और हुब्बल्ली के जयदेव हार्ट इंस्टीट्यूट में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल शुरू किए जा चुके हैं। इसी तरह, बागलकोट, यादगीर और रायचूर में भी जल्द ही ये अस्पताल शुरू किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि बीदर, कोप्पल और बेलगावी में भी दो-तीन महीने के भीतर इन अस्पतालों का उद्घाटन किया जाएगा।

कर्नाटक सरकार 6,500 सार्वजनिक और 5,000 नर्सरी स्कूल स्थापित करेगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि राज्य सरकार अगले कुछ वर्षों में 6,500 कर्नाटक पब्लिक स्कूल और 5,000 नर्सरी स्कूल स्थापित करेगी।

धारवाड़ के निकट छब्बी गाँव में सरकारी हाई स्कूल के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि सभी कर्नाटक पब्लिक स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाएं अंग्रेजी और कन्नड़ माध्यम में होंगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक कर्नाटक पब्लिक स्कूल खोला जाएगा। ये नर्सरी ग्रामीण छात्रों को प्री-स्कूल प्रशिक्षण का लाभ प्रदान करेंगी। मुझे लगता है कि छब्बी के लोगों की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि स्कूल की घंटी की आवाज गाँव के मंदिर की घंटी से ज्यादा तेज होनी चाहिए। इससे सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार शिक्षकों की कमी की समस्या का समाधान करने की कोशिश कर रही है। अल्पावधि के लिए अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। जल्द ही नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि लगभग 25,000 प्री-यूनिवर्सिटी छात्रों को नीट और जेईई परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला प्रभारी मंत्री संतोष एस. लाड ने कहा कि आजादी से पहले, भारत की औसत साक्षरता दर 20 से 25 प्रतिशत थी। आज, हमने लगभग 75 प्रतिशत सा-क्षरता हासिल कर ली है। यह लगातार सरकारों के निरंतर ध्यान और सार्वजनिक व्यय के कारण है। उन्होंने कहा आज देश कई गंभीर परिस्थितियों का सामना कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में 93,000 से ज्यादा स्कूल बंद हो चुके हैं और लगभग 87 प्रतिशत युवा रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हमें इन तथ्यों का सामना करना होगा और समाधान ढूँढ़ने होंगे। उन्होंने बच्चों से बुद्ध, बसवन्ना और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों का अनुसरण करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि धारवाड़ जिले में 60 करोड़ की लागत से 1,100 से ज्यादा स्कूलों को रंगने की योजना पर काम चल रहा है। यह हाई स्कूल छब्बी गाँव के लिए विशेष अनुदान से बनाया गया है। केंद्र सरकार शिक्षा पर विशेष जोर दे रही है। सीएसआर अनुदान से लगभग 400 स्कूल बनाए गए हैं। 31,600 से ज्यादा डेस्क वितरित किए गए हैं। 106 आँगनवाड़ी केंद्र, शौचालय और कैंटीन बनाए गए हैं। उन्होंने कहा 200 से ज्यादा स्मार्ट क्लासेस खोली गई हैं।

एनटीटी डेटा ने बेंगलूरु में केवल निजी स्कूलों में दिखने वाली सुविधाओं वाले हाई-टेक सरकारी स्कूल बनाने के लिए सीएसआर फंड का इस्तेमाल किया। पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी से सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि जब वह पूर्व मंत्री आर. अशोक के साथ गाँव में डेरा डाले हुए थे, तब उन्होंने एक हाई स्कूल की माँग देखी थी। उन्होंने मांग की कि कर्नाटक सरकार शिक्षकों की भर्ती को प्राथमिकता दे। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने उम्मीद जताई कि छब्बी गाँव को भी एक सरकारी कॉलेज मिलेगा।

26 अगस्त को तुंगभद्रा आरती उत्सव का होगा आयोजन

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोप्पल से लोकसभा सदस्य राजशेखर बसवराज हितनाल ने बताया कि बहुप्रतीक्षित तुंगभद्रा आरती उत्सव 26 अगस्त को शाम 6.30 बजे हुलिगी में तुंगभद्रा नदी के तट पर आयोजित किया जाएगा।

यहां हुलिगम्मा देवी मंदिर कार्यालय में एक तैयारी बैठक की अध्यक्षता करने के बाद बोलते हुए हितनाल ने कहा कि यह उत्सव हिंदू धार्मिक संस्थान एवं धर्मार्थ निधि विभाग और हुलिगम्मा देवी मंदिर विकास प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। आरती के दिन गर्भगृह, मंदिर परिसर, गोपुरम और नदी किनारे के मंच पर विस्तृत पुष्प सजावट की जाएगी। व्यापक जन जागरूकता फैलाने के लिए, हुलिगी सर्कल, निंगापुर क्रॉस, रेलवे फाटक के पास, शिवपुर रोड, हितनाल आर्च के साथ-साथ होसपेट, कोप्पल और गंगावती सहित प्रमुख स्थानों पर 20 प्रचार बैनर लगाए जाएँगे। हितनाल ने आगे कहा इस अवसर की भव्यता बढ़ाने के लिए नदी के किनारों को सजावटी रोशनियों से सजाया जाएगा और नदी के भीतर चट्टानों पर स्पॉटलाइट लगाई जाएँगी। एक औपचारिक जुलूस गणमान्य व्यक्तियों को पारंपरिक कुंभ और संगीत मंडलियों के साथ मुद्दम्मा कट्टा से मंदिर तक ले जाएगा, जिसके बाद वे नदी के किनारे स्थित मंच पर जाएँगे। पुजारी चंडिका होम और तुंगभद्रा आरती सहित विशेष अनुष्ठान करेंगे। महिला श्रद्धालु पारंपरिक उदी अर्पण अनुष्ठान में भाग लेंगी। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस वर्ष हुलिगम्मा देवी यात्रा महादश के दौरान सेवा प्रदान करने वाले स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं को सम्मानित किया जाएगा। कोप्पल विधायक के. राघवेंद्र हितनाल ने कहा कि हुलिगम्मा देवी मंदिर विकास प्राधिकरण पहली बार इतने बड़े पैमाने पर तुंगभद्रा आरती मना रहा है। उन्होंने बताया कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए पाँच समितियों का गठन किया गया है। कार्यक्रम में विशेष पूजा, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, सामूहिक भोज, पुष्प सज्जा और मंदिर तथा नदी तट पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था शामिल होगी। परिवहन और मुजराई मंत्री, कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, धार्मिक निधि आयुक्त, सांसद, विधायक और अन्य प्रमुख नेताओं सहित कई गणमान्य व्यक्तियों के समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।

2863 प्राकृतिक आपदाओं में 552 लोगों की जान गई

आपदा के 12 वर्षों में हुआ करोड़ों का नुकसान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 अगस्त।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की पत्रिका मौसम में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चला है कि पिछले एक दशक में जम्मू कश्मीर में प्राकृतिक आपदा की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिससे सैकड़ों लोगों की जान गई है। 2010 और 2022 के बीच, इस क्षेत्र में 2,863 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 552 मौतें हुईं। बिजली गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं 1,942 रहीं, इसके बाद भारी वर्षा के 409 और अचानक बाढ़ के 168 मामले आए। भारी बर्फबारी सबसे घातक साबित हुई, जिसमें 42 घटनाओं में 182 मौतें हुईं।

कुपवाड़ा, बांडीपोरा, बारामुल्ला और गंदरबल में बर्फबारी से सबसे ज्यादा मौतें हुईं, जबकि किश्तवाड़, अनंतनाग, गंदरबल और डोडा अचानक बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। आईएमडी के वैज्ञानिकों और एक आईसीएआर शोधकर्ता द्वारा लिखित इस अध्ययन में 10 आईएमडी केंद्रों और चार दशकों के वर्षा रिकार्ड के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया। निष्कर्षों से पता चला कि भारी बर्फबारी और मृत्यु दर के बीच एक मजबूत संबंध है। आईएमडी श्रीनगर के निदेशक मुख्तार अहमद ने आशंका जाहिर की कि जलवायु परिवर्तन से ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि ऊंचे क्षेत्रों में वायुमंडल की नमी क्षमता पहले ही 7-10 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। उन्होंने मजबूत आपदा प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से किश्तवाड़ में मचेल यात्रा जैसे संवेदनशील तीर्थ मार्गों पर, जो हाल ही में बादल फटने से तबाह हो गए थे।

किश्तवाड़ में प्रशासन की लापरवाहियां सामने आईं

किश्तवाड़ में बादल फटने की दुखद घटना ने एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के कारण जम्मू कश्मीर के पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ी प्राकृतिक आपदाओं की तरफ ध्यान दिलाया है। इस आपदा के लिए मुख्यतः प्रकृति के प्रकोप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, लेकिन यह सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या स्थानीय प्रशासन ने बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों और बस्तियों के लिए जोखिम को कम करने के लिए पर्याप्त सावधानियां बरती थीं?

पर्यावरणविदों के अनुसार, किश्तवाड़ की घाटी प्रणाली (नदियों, नालों या ग्लेशियरों द्वारा निर्मित परस्पर जुड़ी घाटियों का एक नेटवर्क) में लगभग सभी बस्तियां हिमालय के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक ऊंचाई पर स्थित हैं। इसके अलावा, आंतरिक घाटियों में कई बस्तियां हैं जहां बादल फटने की घटनाओं की संभावना अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक है।

उन्होंने बताया कि संकरी घाटियां अभूतपूर्व बारिश के दौरान पानी के अचानक बढ़ने को झेल नहीं पातीं। परिणामस्वरूप, बाढ़ के मैदानों के किनारे बसी बस्तियां अक्सर इसका खामियाजा भुगतती हैं, जैसा कि हाल ही में किश्तवाड़ जिले के पाडर के चिशोती इलाके में देखा गया।

इन खतरों से अवगत होने के बावजूद, पिछले कई वर्षों में मचेल माता यात्रा मार्ग के साथ निचले बाढ़ के मैदानों में कई अस्थायी और अर्ध-स्थायी ढांचे बन गए हैं। इसके अलावा, प्रशासन ने इन बाढ़ के मैदानों पर लंगर स्थापित करने की अनुमति दी, जबकि यह सर्वविदित है कि ऐसे क्षेत्र भारी बारिश के दौरान प्राकृतिक जल निकासी चैनलों के रूप में कार्य करते हैं और वहां किसी भी अतिक्रमण से अचानक बाढ़ के दौरान नुकसान का खतरा काफी बढ़ जाता है। आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों ने कहा कि स्थानीय प्रशासन को कम से कम बाढ़ के मैदानों में सामुदायिक रसोई की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी, खासकर जुलाई 2022 में अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने की घटना को देखते हुए, जिसने समान संवेदनशील क्षेत्रों में स्थापित शिविरों और अन्य अस्थायी ढांचों को बुरी तरह प्रभावित किया था। उन्होंने आगे कहा कि अगर उस घटना से सबक लिया गया होता और सुधारात्मक उपाय लागू किए गए होते, तो चिशोती में हुए नुकसान को काफी हद तक टाला जा सकता था।

इस घटना ने मौसम संबंधी जानकारी के इस्तेमाल को लेकर भी चिंताएं पैदा की हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन तीर्थयात्रा के दौरान भारत मौसम विज्ञान विभाग से नियमित पूर्वानुमान प्राप्त कर रहा था या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि अगर पूर्वानुमान उपलब्ध थे, तो सवाल उठता है कि प्रतिकूल मौसम की चेतावनी के दौरान यात्रा को स्थगित क्यों नहीं किया गया। अगर नहीं, तो यह योजना में एक महत्वपूर्ण कमी को दर्शाता है, यह देखते हुए कि पिछले साल दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मचेल माता मंदिर का दौरा किया था।

मुंबई में भारी बारिश से दस लाख एकड़ कृषि भूमि जलमग्न : पवार

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने आज कहा कि राज्य में जारी मूसलाधार बारिश के कारण लगभग 10 लाख एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और नुकसान का आकलन करने के लिये तत्काल सर्वेक्षण कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के बड़े हिस्से में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप काफी लोग हताहत हुये हैं,बाढ़ में मवेशी बह गये हैं और घरों तथा दुकानों को नुकसान पहुँचा है। लगातार भारी बारिश से कृषि को व्यापक नुकसान हुआ है।

श्री पवार ने कहा कि वह आपातकालीन नियंत्रण कक्ष से स्थिति पर नज़र रख रहे हैं और यह काफी अच्छी बात है कि आधुनिक तकनीक से बारिश और नुकसान की वास्तविक समय पर जानकारी मिल रही है।

इस बारिश से राज्य के अधिकांश जलाशय लबालब भरे हुये हैं। जल संसाधन विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि जल निकासी को नियंत्रित करने के लिए कार्यकारी अभियंता स्तर का एक अधिकारी मौजूद रहे। बाढ़ संभावित क्षेत्रों के नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अगर कर्नाटक जैसे पड़ोसी राज्य अपने जलाशयों से पानी नहीं छोड़ते हैं, तो महाराष्ट्र में स्थिति और बिगड़ सकती है। इसलिए दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय रखा जा रहा है।

श्री पवार ने लोगों से इस चुनौतीपूर्ण समय में संयम बरतने और स्थानीय प्रशासन को पूरा सहयोग देने की अपील की है। बाढ़ और बारिश से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सरकारी तंत्र पूरी तरह सतर्क है।

मानसिक रोगियों के देखभाल करने वाली संस्था एस्मीका का धरना 23 को

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों की देखभाल करने वालों की एक गैर-लाभकारी संस्था एस्मीका (एसोसिएशन ऑफ़ केयरगिवर्स) ने आगामी 23 अगस्त, शनिवार को हैदराबाद के इंदिरा पार्क में शांतिपूर्ण धरना आयोजित करने की घोषणा की है। इस धरने का उद्देश्य मानसिक रोगियों की देखभाल करने वालों द्वारा सामना की जाने वाली गंभीर समस्याओं को उजागर करना और सरकार से ठोस नीतिगत समर्थन की मांग करना है।

इस धरने का मुख्य लक्ष्य आम जनता में जागरूकता बढ़ाना और सरकार को देखभाल करने वालों के लिए मान्यता, वित्तीय सहायता और आराम संबंधी सेवाओं जैसी सुविधाओं की मांग को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करना है।

इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन देखभाल करने वालों और मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया है। धरने के दौरान, मानसिक रोगियों की देखभाल करने वालों की सच्ची कहानियों को साझा किया जाएगा, विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे और सरकार से समर्थन की मांग करने वाली एक याचिका भी प्रस्तुत की जाएगी।

एस्मीका के एक कार्यकर्ता ने कहा, हम देखभाल करते हैं, लेकिन हमारी देखभाल कौन करता है? यह नारा इस धरने का मुख्य संदेश है। इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत है।

एफ़टीसीसीआई तेलंगाना टूरिज्म फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर आयोजित एफ़टीसीसीआई तेलंगाना टूरिज्म फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2025 के विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी गई है। फ़ेडरेशन ऑफ़ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफ़टीसीसीआई) की पर्यटन समिति द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में, मचर्ला श्रीनिवास, पुटला अशोकूडु यादव और शालिनी जैन ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। एफ़टीसीसीआई, रेड हिल्स, हैदराबाद में आयोजित एक संक्षिप्त बैठक में, एफ़टीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने पर्यटन समिति के अध्यक्ष प्रकाश अम्मनाबोलु, सह-अध्यक्ष डी. रामचंद्रम, एफ़टीसीसीआई की निदेशक सुश्री पी. संगीता और वरिष्ठ अधिकारी सुश्री विशाला की उपस्थिति में परिणाम घोषित किए।

इसमें पहला पुरस्कार: मचर्ला श्रीनिवास, फ़ोटो पत्रकार, हंस इंडिया, नालगोंडा। उन्हें नागार्जुन सागर की हिल कॉलोनी में स्थित श्री एलेश्वर मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की आकर्षक तस्वीर के लिए यह पुरस्कार मिला है। इस मंदिर को 'दक्षिणा काशी' के नाम से भी जाना जाता है और यह महा शिवरात्रि पर साल में सिर्फ़ एक बार भक्तों के लिए खुलता है।

दूसरा पुरस्कार: पुटला अशोकूडु यादव, फ़ोटो पत्रकार, आंध्र ज्योति। उन्हें हैदराबाद के छिपे हुए रत्न दुर्गम चेरुवु झील की सुंदर तस्वीर के लिए चुना गया है।

तीसरा पुरस्कार: शालिनी जैन, तेलंगाना फ़ोटोग्राफ़िक सोसाइटी की सदस्य और वन्यजीव व यात्रा फ़ोटोग्राफ़र। उन्हें बोगथा वॉटरफॉल की शानदार तस्वीर के लिए यह पुरस्कार मिला है, जिसे तेलंगाना का नियाग्रा भी कहा जाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, एफ़टीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा, पर्यटन फ़ोटोग्राफ़ी हमारी भूमि की अनदेखी और अनकही कहानियों को बढ़ावा देने में एक शक्तिशाली भूमिका निभाती है। एक ही फ्रेम के ज़रिए, एक फ़ोटोग्राफ़र तेलंगाना की विरासत, परिदृश्य, परंपराओं और जीवंत संस्कृति को दुनिया के दिल तक पहुंचा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, यह प्रतियोगिता सिर्फ़ पलों को क़ैद करने के बारे में नहीं थी, बल्कि दुनिया के सामने तेलंगाना की पर्यटन क्षमता को पेश करने के बारे में थी। एफ़टीसीसीआई को ऐसी प्रतिभा का समर्थन करने और उसे उजागर करने पर गर्व है, जो वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर राज्य की बढ़ती दृश्यता में योगदान देती है। पर्यटन समिति ने इस संबंध में एक शानदार काम किया है।

इस प्रतियोगिता में 100 से ज़्यादा प्रतिभागियों द्वारा भेजी गई 500 से अधिक तस्वीरों का मूल्यांकन करने के लिए, दो सदस्यीय विशेषज्ञ जूरी का गठन किया गया था, जिसमें अनुभवी फ़ोटो पत्रकार श्री एच. सतीश और लैंडस्केप फ़ोटोग्राफ़र श्री सत्यप्रसाद शामिल थे। प्रतियोगिता की थीम थी: तेलंगाना पर्यटन की भावना का अन्वेषण, अनुभव और प्रदर्शन करें। तस्वीरों का मूल्यांकन रचनात्मकता, संरचना, थीम प्रासंगिकता और दृश्य प्रभाव जैसे मानदंडों के आधार पर किया गया। जूरी ने 144 शॉर्टलिस्ट की गई तस्वीरों की समीक्षा करने में पांच घंटे से अधिक समय बिताया।

जूरी सदस्य श्री एच. सतीश ने इसे सबसे पारदर्शी प्रक्रिया बताया, जबकि सत्यप्रसाद ने तस्वीरों की गुणवत्ता पर खुशी व्यक्त की और कहा कि इसी वजह से मूल्यांकन करना और भी मुश्किल हो गया।

सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसमें पहले विजेता को 10,000, दूसरे को 7,500 और तीसरे को 5,000 मिलेंगे। यह पुरस्कार वितरण समारोह 1 सितंबर, 2025 को एफ़टीसीसीआई मुख्यालय, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। आठ प्रतिभागियों को 1,000 के सांत्वना पुरस्कार की भी घोषणा की गई है। एफ़टीसीसीआई की निदेशक सुश्री पी. संगीता ने इस पहल की सफलता पर बात करते हुए मिली भारी प्रतिक्रिया और तस्वीरों में क़ैद किए गए दृष्टिकोणों की विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान दिया। एफ़टीसीसीआई पर्यटन समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश अम्मनाबोलु ने कहा, यह हमारी पहली प्रतियोगिता होने के बावजूद, भागीदारी संख्या और गुणवत्ता दोनों में समृद्ध थी। प्रत्येक प्रविष्टि ने प्रतिभागी को 'तेलंगाना पर्यटन का राजदूत' बनने में मदद की है।

इसके अलावा, इस कार्यक्रम में कुछ गुमनाम नायकों को भी सम्मानित किया जाएगा, जो अपने रोजमर्रा के जीवन में मानवता के मुख्य मूल्यों को बनाए रखते हैं और उनका पालन करते हैं।

अमूल दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड : शाह

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में आज कहा कि अमूल को दुनिया के सबसे सशक्त खाद्य और डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड है।

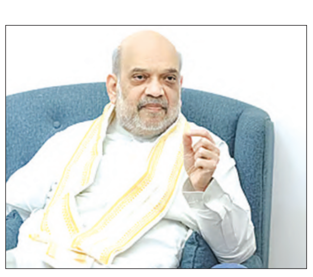

श्री शाह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल के अनुसार गुजरात में 15740 डेयरी सहकारी समितियां कार्यशील है। गुजरात में एक सुविकसित डेयरी सहकारी नेटवर्क है जिसका नेतृत्व गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (अमूल) करता है जिसमें 18 जिला संघ और 36 लाख से अधिक सदस्य शामिल है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में गुजरात से अमूल अपने सहकारी नेटवर्क के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 250 लाख लीटर दूध प्राप्त करता है जिससे गुजरात देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक बन गया है। अमूल को दुनिया के सबसे सशक्त खाद्य और डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है और सालाना 24 अरब पैक बिकने के साथ यह दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड है।

उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के तहत गुजरात को 515 करोड़ के कुल परियोजना परिव्यय के साथ 315 करोड़ की अनुदान सहायता प्राप्त हुई है जिसके परिणामस्वरूप 2052 बल्क मिल्क कूलर, 4309 स्वचालित दूध संग्रहण प्रणालियां और दूध में मिलावट का पता लगाने वाली एक हजार मशीनें स्थापित की गयी हैं।

मंडाडी महेश कुमार यादव ग्लोबल आइकॉन यूथ अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 19 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

समाज और सेवा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए तेलंगाना नागरिक परिषद (टीसीसी) ने मंडाडी महेश कुमार यादव, पूर्व अध्यक्ष, युवा कांग्रेस, हैदराबाद को ग्लोबल आइकॉन यूथ अवार्ड 2025 से सम्मानित किया है।

यह सम्मान अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर तेलंगाना के हैदराबाद में, बोग्गुलाकुंटा,

अबिड्स स्थित तेलंगाना सर्वथा परिस्थ सभागार के सामने प्रदान किया गया। पुरस्कार चयन समिति ने आने वाले वर्षों में समाज को प्रेरित करने के लिए प्राप्तकर्ता की प्रतिबद्धता की सराहना की है।

अध्यक्ष राज नारायण मुदिराज ने इस सम्मान की घोषणा की और कहा कि यह पुरस्कार युवा पीढ़ी में समाज सेवा और नेतृत्व के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करेगा। मंडाडी महेश कुमार यादव ने इस सम्मान के लिए टीसीसी का आभार व्यक्त किया और समाज की सेवा में अपना योगदान जारी रखने का संकल्प दोहराया। यह पुरस्कार युवाओं में समाजिक जागरूकता और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया गया है, ताकि वे सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दे सकें।

तमिलनाडु सरकार खर्च नहीं कर रही है पीएम आवास योजना की राशि : चौहान

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में तमिलनाडु सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि खर्च नहीं करने का आरोप लगाते हुये कहा कि यह गरीबों के साथ धोखा है।

श्री चौहान ने एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि केंद्र से 608 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद तमिलनाडु सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को आवास उपलब्ध नहीं करा पा रही है। आवास नहीं मिलने से गरीब लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में आवंटन के बावजूद दो लाख 15 हज़ार घरों का निर्माण नहीं किया गया है। राज्य सरकार ने 2024 में उचित घरों की ज़रूरत वाले लोगों की पहचान के लिए आवश्यक सर्वेक्षण नहीं कराया। आंध्र प्रदेश से तेलुगू देशम पार्टी(तेदेपा) सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु द्वारा तमिलनाडु में प्रधानमंत्री आवास योजना पर पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तमिलनाडु में गरीब लोगों के लिए घर बनाने के लिए बजट आवंटित किया है।

पीएम आवास के निर्माण में उत्तर प्रदेश ने पेश की मिसाल

राष्ट्रीय औसत 69.39% के सामने यूपी का औसत 99.37%

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की तेज कार्यशैली ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड उपलब्धियों तक पहुंचा दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर एक आवास बनाने में औसतन 299 दिन लगते हैं, वहीं उत्तर प्रदेश ने मात्र 195 दिन में आवास बनाकर मिसाल पेश कर दी है। 2016-17 से 2024-25 के बीच 36.57 लाख आवासों के लक्ष्य के सापेक्ष उत्तर प्रदेश ने अब तक 36.34 लाख आवासों का निर्माण पूरा कर लिया है। शेष आवासों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ ही, प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 3.73 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 3.51 लाख आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि 22 हजार आवासों पर तेजी से काम जारी है।

योजना के अंतर्गत यूपी 99.37 प्रतिशत उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है। सिक्किम 99.57 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है, हालांकि उसका लक्ष्य केवल 1399 आवासों का था। वहीं भारत सरकार के परफॉर्मेंस इंडेक्स, राजमिस्त्री प्रशिक्षण, सोशल ऑडिट, एरिया ऑफिसर एप पर इंस्पेक्शन, पात्र लाभार्थियों को भूमि पट्टा और आवास पूर्णता में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है। निर्मित आवासों को कनवर्जेन्स के माध्यम से 99.39 प्रतिशत शौचालय, 93.31 प्रतिशत विद्युत कनेक्शन, 94.42 प्रतिशत एलपीजी कनेक्शन और 80.02 प्रतिशत पेयजल कनेक्शन से संतृप्त किया गया है। इससे प्रधानमंत्री आवास अब सिर्फ छत नहीं, बल्कि सुविधाओं से युक्त पूर्ण गृह बन रहे हैं।

हाल ही में मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि शेष आवासों का निर्माण मानक एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही लाभार्थियों को दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल जैसी योजनाओं से भी जोड़ा जाए, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत बिजनौर जनपद की बोक्सा जनजाति के लिए स्वीकृत 145 आवासों में से 123 पूर्ण कर लिए गए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मॉडल आवास (ग्रामीण) के तहत 587 मॉडल हाउस बन चुके हैं, 190 निर्माणाधीन हैं। आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 के वेरीफिकेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 में 25 हजार महिला राजमिस्त्रियों को आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है।

11 सितंबर को काशी आएंगे मॉरीशस के प्रधानमंत्री

पहली बार पीएम मोदी के साथ करेंगे द्विपक्षीय बैठक

वाराणसी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम 11 सितंबर को वाराणसी आएंगे और वाराणसी में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नौ सितंबर से भारत की यात्रा पर रहेंगे। व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपसी सहयोग पर बातचीत होगी।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से प्रधानमंत्री को रात्रिभोज दिया जाएगा। इसमें केंद्र और प्रदेश सरकार के कुछ और मंत्री शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री की भारत में यात्रा 9 सितंबर से 15 सितंबर तक रहेगी। इस यात्रा का मुख्य आयोजन काशी में होना तय हुआ है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री का बाबतपुर एयरपोर्ट पर स्वागत किया जाएगा। उन्हें यहां गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। उनका यहां सांस्कृतिक स्वागत भी किया जाएगा। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के सबसे बेहतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। वह श्रीकाशी विश्वनाथ और बाबा कालभैरव में पूजन करेंगे। इसके साथ ही वह महत्वूपर्ण सांस्कृतिक स्थलों का दौरा भी करेंगे।

प्रधानमंत्री रामगुलाम सारनाथ और बीएचयू भारत कला भवन भी जाएंगे। वह गंगा आरती भी देखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। यह पहली बार होगा जब मॉरीशस का कोई प्रधानमंत्री काशी में द्विपक्षीय बैठक करेगा। इसमें महत्वपूर्ण औद्योगिक विकास और तकनीकी नवाचार पर आपसी सहयोग पर मुख्य रूप से बात होगी। पर्यटन के क्षेत्र में भी बात होगी। केंद्र सरकार की ओर से जारी पत्र में मंडलायुक्त एस राज लिंगम को को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें अतिथियों के स्वागत और प्रोटोकॉल के हिसाब से विस्तृत कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा होने वाले कार्यक्रमों के स्थल चयन की भी बात कही गई है। प्रशासन अब स्थल और कार्यक्रमों का चयन करेगा। दो साल पहले 11 सितंबर 2023 को मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ काशी आए थे और उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर अपने पुरखों की अस्थियां विसर्जित की थीं।

बिजली निजीकरण मामले में संघर्ष समिति ने सीएम को लिखा पत्र

ओड़ीशा और चंडीगढ़ का फेल मॉडल यूपी पर न थोपें

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिजली निजीकरण मामले में संघर्ष समिति ने सीएम योगी को पत्र भेजा है। इसमें लिखा कि ओड़ीशा और चंडीगढ़ का विफल मॉडल यूपी पर न थोपा जाए और निजीकरण का प्रस्ताव रद्द किया जाए।

उत्तर प्रदेश में इन दिनों बिजली निजीकरण का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसी कड़ी में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा।

इसमें ओड़ीशा और चंडीगढ़ का विफल मॉडल यूपी में लागू न करने की मांग की है। पदाधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे सुधार को देखते हुए निजीकरण का प्रस्ताव तत्काल रद्द किया जाए।

सीएम को भेजे पत्र में पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के लिए ट्रांजेक्शन एडवाइजर के चयन में चंडीगढ़ मॉडल को अपनाया गया है। चंडीगढ़ में 24 घंटे आपूर्ति का दावा था, लेकिन कटौती से वहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। छह माह में ही हालात इतने खराब हो गए हैं कि मुख्य सचिव को अपने हाथ में कमान लेनी पड़ी है। ऐसे में यह मॉडल यूपी में लागू न होने दिया जाए। वहीं, समिति की ओर से निजीकरण के विरोध में सभी जिलों एवं परियोजना मुख्यालयों पर प्रदर्शन जारी रहा।

समाज कल्याण योजनाओं के पालन पर रहेगी तकनीकी निगरानी

गड़बड़ियों पर लगेगी लगाम, लाभार्थियों तक सीधे पहुंचेगा फायदा

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार ने समाज कल्याण योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गड़बड़ी-मुक्त बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शक्ति का उपयोग करने की तैयारी में है। समाज कल्याण विभाग ने वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ, छात्रवृत्ति और सामूहिक विवाह जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की निगरानी को तकनीकी रूप से सशक्त करने की दिशा में कदम बढ़ाने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल योजनाओं को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पेपरलेस, तेज और जवाबदेह बनाना भी है।

योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितताओं से निपटने के लिए समाज कल्याण विभाग ने एआई-आधारित निगरानी तंत्र को अपनाने पर विचार कर रही है। पिछले दिनों समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण की मौजूदगी में एआई का समाज कल्याण की योजनाओं में उपयोग विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इस तकनीक के माध्यम से डाटा सत्यापन, लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं के कार्यान्वयन में सटीकता सुनिश्चित की जाएगी। इससे न केवल गड़बड़ियों पर अंकुश लगेगा, बल्कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हकदारों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचेगा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं में पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए पहले ही ऑनलाइन मॉनिटरिंग को मजबूत किया गया है।

छात्रवृत्ति योजना में विद्यार्थियों को बार-बार पंजीकरण की जटिल प्रक्रिया से गुजरना नहीं पड़ेगा, क्योंकि विभाग ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन नंबर की व्यवस्था लागू की है। यह नई प्रणाली न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि पात्रों को बिना किसी रुकावट के योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करेगी। एआई के उपयोग से इस प्रक्रिया में और अधिक सटीकता आएगी, जिससे फर्जी आवेदनों पर लगाम लगेगी और पात्रों को त्वरित लाभ मिलेगा। यही नहीं डाटा विश्लेषण के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक लाभार्थी ही योजना का लाभ उठा सकें। एआई-आधारित सत्यापन प्रणाली से आवेदनों की जांच तेजी से होगी और फर्जी आवेदनों को तुरंत पकड़ा जा सकेगा।

योगी सरकार की इस पहल से समाज कल्याण विभाग की योजनाएं डिजिटल युग में एक नया मुकाम हासिल करेंगी। पेपरलेस कार्यप्रणाली को अपनाने से न केवल कागजी कार्रवाई कम होगी, बल्कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। एआई तकनीक के उपयोग से डाटा प्रबंधन, लाभार्थी सत्यापन और योजना निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुगम होंगी, बल्कि जनता का विश्वास भी सरकार पर बढ़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। एआई-आधारित निगरानी तंत्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। समाज कल्याण विभाग जल्द ही इसकी विस्तृत कार्ययोजना को अंतिम रूप देगा।

133 साल बाद नीदरलैंड से अपने पैतृक गांव पहुंचा परिवार

बलिया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नीदरलैंड से एक परिवार की छठवीं पीढ़ी 133 साल बाद बलिया स्थित अपने पैतृक गांव पहुंची। स्वदेश आने पर परिवार के लोगों ने पहले अयोध्या में भगवान राम के दर्शन किए, उसके बाद गांव पहुंचे।

सुंदर प्रसाद के वंशज जितेंद्र छत्ता गत नौ अगस्त को अपनी पत्नी शारदा रामसुख, पुत्री ऐश्वर्या और पुत्र शंकर के साथ दिल्ली पहुंचे। अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के बाद अपने पूर्वजों की धरती बेल्थरा रोड पहुंचे लेकिन उनके परिवार का कोई नहीं मिला। छठवीं पीढ़ी के जितेंद्र छत्ता ने बताया कि 133 साल पहले परिवार के सदस्यों से झूठ बोलकर अंग्रेज उन्हें नीदरलैंड ले गए थे।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1892 में बलिया के सीयर गांव के रहने वाले उनके पूर्वज सुंदर प्रसाद को 35 वर्ष की उम्र में अंग्रेज अपने साथ सूरीनाम ले गए थे। उनकी पत्नी अनुरजिया बिहारी और तीन साल का बेटा भी उनके साथ गए थे। उन्हें पहले बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन ले जाया गया, वहां से कोलकाता ले जाया गया। वहां से पानी के जहाज से सूरीनाम भेजे गए। उन्होंने बताया कि पूर्वजों के अनुसार अंग्रेजों ने वादा किया था कि परिवार को महल में रखा जाएगा तथा सोने की थाली में भोजन परोसा जाएगा लेकिन सूरीनाम में मजदूरी करवाई गई। इसके बाद उन लोगों को अंग्रेजों ने नीदरलैंड भेज दिया।

जितेंद्र छत्ता डिफ्ट साउथ हॉलैंड में मेंबर ऑफ सुपरवाइजिंग बोर्ड पद पर कार्यरत हैं। जितेंद्र ने बताया कि नीदरलैंड में पूर्वज सुंदर की सात साल बाद मौत हो गई, उसके एक साल बाद उनकी पत्नी भी गुजर गईं। सिर्फ उनका बेटा बचा था, जिनके संघर्ष से हम वशंज इस मुकाम पर पहुंचे। सुंदर के बेटे का नाम दुखी था। उनके बेटे कल्याण, फिर पृथ्वीराज और उसके बाद धर्मराज ने वंश को आगे बढ़ाया। जितेंद्र की पुत्री ऐश्वर्या ने बताया कि पहली बार भारत आई हूं। बहुत खुशी हो रही है। हमारे घर में राम की पूजा होती है। अयोध्या में रामलला के दर्शन से जीवन धन्य हो गया।

अब लखनऊ से होगी ब्रह्मांड की रोमांचक सैर

जुरासिक युग से लेकर हजारों साल तक का मिलेगा अनुभव

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ से ब्रह्मांड की सैर अब और रोमांचक होने वाली है। जुरासिक युग से लेकर हजारों साल आगे तक का जबरदस्त अनुभव मिलने वाला है। इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला दो साल बाद नए रूप और अत्याधुनिक तकनीक के साथ दर्शकों के लिए फिर से खुल गई है।

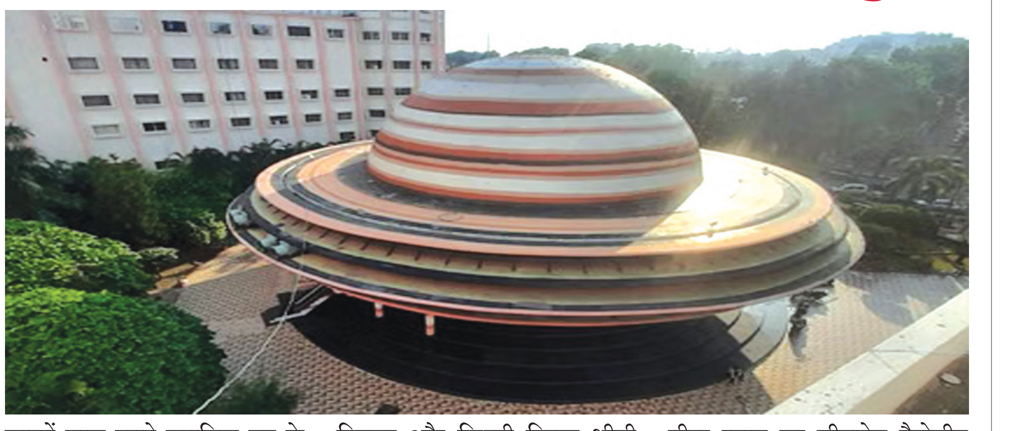

अगर आप अंतरिक्ष, ग्रह-नक्षत्र और ब्रह्मांड के रहस्यों को करीब से देखना चाहते हैं, तो अब इसका और भी शानदार अनुभव मिलने जा रहा है। प्रदेश की सबसे अनूठी नक्षत्रशाला राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला दो साल बाद नए रूप और अत्याधुनिक तकनीक के साथ मंगलवार से दर्शकों के लिए फिर से खुल रही है। यहां दर्शक थ्रीडी इफेक्ट्स और टाइम मशीन जैसे अनुभवों के जरिये लाखों साल पीछे जुरासिक युग तक और हजारों साल आगे भविष्य तक की यात्रा कर सकेंगे।

नक्षत्रशाला के नवीनीकरण पर अब तक लगभग 42 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। उत्तर प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार इसका लोकार्पण करेंगे। राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल और प्रमुख सचिव पंधारी यादव भी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर अटल आवासीय विद्यालय मोहनलालगंज के 110 विद्यार्थी शो देखने के लिए पहुंचेंगे। नया तारामंडल दर्शकों को समय में पीछे और आगे ले जाएगा। लाखों साल पुराने जुरासिक युग के डायनासोरों की दुनिया, तारों की टूटन, उल्कापिंडों की बौछार, ग्रहों की चाल और सूर्य-चंद्र ग्रहण, हजारों साल आगे-पीछे जाकर खगोलीय पिंडों की वास्तविक स्थिति देख सकेंगे।आभासी और वास्तविक दुनिया का फर्क मिटाते हुए दर्शक खुद को अंतरिक्ष यात्री की तरह महसूस करेंगे। विज्ञान अधिकारी डॉ. सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नक्षत्रशाला में अब न केवल एस्ट्रोनॉमी और स्पेस साइंस, बल्कि भौतिकी, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, कला आदि से संबंधित चीजों के भी तह में जा सकेंगे।

नक्षत्रशाला में कुल 216 सीटों की क्षमता होगी और इसमें 8के डिजिटल टूडी और थ्रीडी तकनीक से लैस नया सिस्टम लगाया गया है। अमेरिका की इवांस एंड सदरलैंड कंप्यूटर्स की मदद से 12 ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट, आधुनिक साउंड सिस्टम और क्रिस्टी मिराज थ्रीडी प्रोजेक्टर लगाए गए हैं। इसमें नया नैनोसीम डोम और परफोरेटेड एल्युमिनियम का विशाल पर्दा, जिस पर सब कुछ बिल्कुल असली जैसा दिखेगा।

नए सॉफ्टवेयर से रात का आकाश दस हजार साल आगे और दस हजार साल पीछे तक दिखाया जाएगा। वर्ष 2003 से संचालित नक्षत्रशाला अब तक लाखों दर्शकों को खगोल विज्ञान से जोड़ चुकी है। पहले जापान की गोटो कंपनी का ऑप्टोमैकेनिकल प्रोजेक्टर था, जिसकी जगह अब डिजीस्टार-7 संस्करण लगाया गया है। विश्वभर में 700 से अधिक नक्षत्रशालाएं इस तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। भारत में पटना, जयपुर, हैदराबाद, अहमदाबाद, मुंबई, नासिक, मंगलुरु में यह प्रणाली कार्यरत है।

यहां पहले एल्युमिनियम फाइबर का डोम था, जिसमें शो के दौरान जोड़ दिखाई देते थे। अब नया 15 मीटर व्यास का सीमलेस नैनोसीम डोम शो को और जीवंत बनाएगा। प्लैनेटोरियम डोमकास्टिंग की सुविधा से यहां से दुनिया के अन्य तारामंडलों में लाइव शो प्रसारित हो सकेंगे। नासा और ईसा (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) के जियोस्पेशियल डेटा का भी रियल-टाइम प्रदर्शन संभव होगा। नक्षत्रशाला में पांच साल तक के बच्चों के लिए निशुल्क प्रवेश रखा गया है। सामान्य दर्शकों के लिए दो अलग-अलग स्लैब रखे गए हैं। टू-डी शो के लिए 100 रुपए और थ्री-डी शो के लिए 200 रुपए का शुल्क रखा गया है। वहीं दिव्यांगजनों और 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए टू-डी शो के लिए 50 रुपए और थ्री-डी शो के लिए 100 रुपए का शुल्क रखा गया है। सौ या उससे अधिक के समूह में आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रति विद्यार्थी 30 रुपए और सामान्य समूहों के लिए 60 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क निर्धारित किया गया है।

राम मंदिर की फसाड लाइटिंग पर खर्च होंगे 10 करोड़

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर की फसाड लाइटिंग पर 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए कई कंपनियों ने प्रेजेंटेशन दिया है। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह जानकारी राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के लोअर प्लिंथ में लगने वाले 90 म्यूरल्स में से 85 तैयार होकर अयोध्या पहुंच चुके हैं। वहीं, थ्री-डी मूर्तियों के निर्माण में तकरीबन 15 से 30 दिन की देरी दर्ज की गई है। इस पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई।

निर्माण स्थल पर लगाए गए पांच टाइम-लैप्स कैमरों से जो पूरी निर्माण यात्रा रिकॉर्ड हो रही है, उसे इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स घोषित किया गया है। यह अधिकार शर्तनामा के साथ सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, रुड़की को सौंपे जाएंगे। ताकि, इस सामग्री का उपयोग शिक्षा-प्रशिक्षण और पांच वर्षों की इस ऐतिहासिक यात्रा पर डॉक्यूमेंट्री तैयार करने में किया जा सके। इसमें खुदाई, सॉइल टेस्ट से लेकर प्रस्तावों और चरणबद्ध निर्माण तक की पूरी कहानी दर्ज होगी। समीक्षा के दौरान अस्थायी मंदिर स्मारक और शहीदों की स्मृति में लगाए गए ग्रेनाइट पिलर्स के स्वरूप पर भी विस्तार से विचार किया गया। ट्रस्ट का स्पष्ट मत है कि मंदिर की पवित्रता और मूल स्वरूप पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। निर्माण कार्य की रफ्तार को देखते हुए अनुमान है कि अक्टूबर के अंत तक अधिकांश कार्य पूरे हो जाएंगे।

दिसंबर 2025 तक शेष कार्य भी लक्ष्य के अनुसार पूर्ण कर लेने का विश्वास जताया गया। इसी कड़ी में मंगलवार की सुबह 9:30 बजे तीन कंपनियों की ओर से फसाड लाइटिंग का डेमोस्ट्रेशन किया गया। इसमें हाइब्रिड मॉडल, प्रोजेक्टर और लीनियर लाइटिंग जैसे विकल्प प्रस्तुत किए गए। अंतिम चयन के बाद इस पूरी व्यवस्था पर लगभग आठ से 10 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है।

संपादकीय

बेजवाब मुख्य चुनाव आयुक्त

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के चेहरे पर तल्खी और चिंता की लकीरें पढ़ी जा सकती थीं। वह कुछ गुस्से में भी लग रहे थे। बेशक 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों के बीच उन्हें चुनावी शुद्धता और निष्पक्षता साबित करनी थी, लेकिन अधिकांश समय वह एकालाप की स्थिति में रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पहली प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपिया सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिर्फ इतना ही कहा कि 'वोट चोरी' शब्द उचित नहीं है। वे संविधान का अपमान करते हैं। संसद और आम मतदाता के विवेक का अपमान करते हैं।' दरअसल इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उछालने या चुनाव आयोग और भाजपा-आरएसएस की मिलीभगत सरीखे पूर्वाग्रही आरोप लगाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आयोग के कार्यालय में आमंत्रित कर सकते थे, क्योंकि दोनों व्यक्ति संवैधानिक पदों पर आसीन हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त विपक्ष के नेता के आरोपों और उनकी आशंकाओं को सुनते और एक संतोषजनक जवाब देने की कोशिश करते। दुर्भाग्य और विडंबना है कि ऐसा नहीं किया जा सका, बल्कि दोनों ही मैदान में कूद पड़े। यह बिल्कुल भी लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजनीतिक जुबां में बोलते रहे कि चुनाव आयोग आरोपों से नहीं डरता। वोटर को अपराधी कहना ठीक नहीं है। चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर सियासत न करें। ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को दो टूक कहा-'या तो सात दिनों में हलफनामा दें अथवा देश से माफी मांगें। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।'' दरअसल इस बयान में धमकी भी निहित है। चुनाव आयुक्त से यह अपेक्षा नहीं की जाती। राहुल गांधी की टीम ने क्या अपराध किया है, जो वह देश से माफी मांगें? टीम ने आयोग के दस्तावेजी तथ्यों से 'वोट चोरी' का जो निष्कर्ष निकाला है, उसे चुनाव आयोग ही गलत साबित कर कांग्रेसी टीम को बेनकाब कर सकता था। मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसा क्यों नहीं कर पाए? उन्हें हलफनामा ही क्यों चाहिए? भाजपा नेताओं के 'वोट चोरी' के पुराने आरोपों पर हलफनामे क्यों नहीं मांगे गए? चुनाव आयोग तटस्थ, ईमानदार और पारदर्शी नहीं लगता। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हलफनामे को गैर-जरूरी मानते हैं। बहरहाल अब 'वोट चोरी' कमोबेश बिहार विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। मताधिकार को संविधान से जोड़ कर नेरेटिव तैयार किया गया है। लोग भ्रमित होकर भावुकता में बह सकते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। चुनाव आयोग की खूब छीछालेदर की जा रही है। हालांकि मुद्दा अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को है। चुनाव आयोग ने इतना जरूर किया है कि जिन 65.64 लाख मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए हैं, उन्हें आयोग की वेबसाइटों पर सार्वजनिक किया गया है। अंतिम संतुष्टि सर्वोच्च अदालत की होगी, क्योंकि अदालत ने इतने नाम काट देने के 'कारण' भी पूछे हैं। शीर्ष अदालत ने इस आशय का अंतरिम आदेश दिया था। अदालत ने स्थानीय भाषा के और अंग्रेजी अखबारों समेत टीवी एवं सोशल मीडिया में अच्छी तरह उनके नाम छापने और प्रसारित करने के आदेश भी दिए थे। चुनाव आयोग को ऐसा ही करना पड़ेगा। 'वोट चोरी' न भी कहें, लेकिन मतदाता सूचियों में गड़बड़ी एक पुरानी और सर्वत्र व्याप्त विसंगति रही है। बेशक मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण किए जाते रहे हैं। चुनाव आयोग को बिंदुवार जवाब देना चाहिए कि बाहरी देशों के कितने अवैध वोटर हैं, जिनके नाम सूची से काट दिए गए हैं।

> मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पहली प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपिया सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिर्फ इतना ही कहा कि 'वोट चोरी' शब्द उचित नहीं है। वे संविधान का अपमान करते हैं। संसद और आम मतदाता के विवेक का अपमान करते हैं।' दरअसल इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उछालने या चुनाव आयोग और भाजपा-आरएसएस की मिलीभगत सरीखे पूर्वाग्रही आरोप लगाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आयोग के कार्यालय में आमंत्रित कर सकते थे, क्योंकि दोनों व्यक्ति संवैधानिक पदों पर आसीन हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त विपक्ष के नेता के आरोपों और उनकी आशंकाओं को सुनते और एक संतोषजनक जवाब देने की कोशिश करते। दुर्भाग्य और विडंबना है कि ऐसा नहीं किया जा सका, बल्कि दोनों ही मैदान में कूद पड़े। यह बिल्कुल भी लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजनीतिक जुबां में बोलते रहे कि चुनाव आयोग आरोपों से नहीं डरता।

अमृत कलश

सृजनात्मक शक्ति

कभी आपने नहीं सोचा होगा, इतने पेंटर हुए, इतने मूर्तिकार हुए, इतने चित्रकार, इतने कवि, इतने आर्किटेक्ट, लेकिन स्त्री कोई एक बड़ी चित्रकार नहीं हुई ! कोई एक स्त्री वडी आर्किटेक्ट, वास्तुकला में अग्रणी नहीं हुई ! कोई स्त्री ने वहुत बड़े संगीत को जन्म नहीं दिया ! कोई एक स्त्री ने कोई वहुत अदभुत मूर्ति नहीं काटी ! सृजन का सारा काम पुरुष ने किया है। और कई वार पुरुष को ऐसा खयाल आता है कि क्रिएटिव, सृजनात्मक शक्ति हमारे पास है। स्त्री के पास कोई सृजनात्मक शक्ति हीं है, लेकिन वात उलटी है। स्त्री पुरुष को पैदा करने में इतना बड़ा श्रम कर लेती है कि और कोई सृजन करने के जरूरत नहीं रह जाती। स्त्री के पास अपना एक क्रिएटिव एक्ट है । एक सृजनात्मक कृत्य है, जो इतना बड़ा कि न, पत्थर की मूर्ति बनाना और एक जीवित व्यक्ति को बड़ा करना...लेकिन स्त्री के काम को हमने हज स्वीकार कर लिया है। और इसीलिए स्त्री की सारी जनात्मक शक्ति उसके मां वनने में लग जाती है। उसके स और कोई सृजन की न सुविधा वचती है, न शक्ति चती है। न कोई आयाम, कोई डायमेंशन वचता है। न सोचने का सवाल है। एक छोटे से घर को सुंदर बनाने में लेकिन हम कहेंगे, छोटे से घर को सुंदर बनाना, कोई आइकल एंजिलो तो पैदा नहीं हो सकता, कोई वानगाग तो पैदा नहीं हो जाएगा । कोई इजरा पाउंड तो पैदा नहीं होगा । कोई कालिदास तो पैदा नहीं होगा। एक घर में ठहरता था, हैरान हो गया। गरीव घर है । वहुत सम्पन्न नहीं है, लेकिन इतना साफ सुथरा, इतना स्वच्छ मैंने कोई घर नहीं खा, लेकिन उस घर की प्रशंसा करने कोई कभी नहीं नाएगा। घर की गृहणी उस घर को ऐसा पवित्र वना रही है क कोई मंदिर भी उतना स्वच्छ और पवित्र नहीं मालूम पड़ता है, लेकिन उसकी कौन फिक्र करेगा? कौन आइकेल एंजलो, कालिदास और वानगाग में उसकी गिनती करेगा? वह खो जाएगी। या : एक ऐसा काम कर रही है, जसके लिए कोई प्रतिष्ठा नहीं मिलेगी। क्यों नहीं मलेगी? नहीं मिलेगी यह, यह दुनियां पुरुषों की दुनिया है । श्री के विकास, स्त्री की संभावनाओं, स्त्रियों की जो पोटेशियलिटीज हैं, उनके जो आयाम, ऊंचाइयां हैं, उनको हमने गिनती में ही नहीं लिया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शिमला में 20 से 23 जून के बीच 60,000 पर्यटक वाहन नगर में दाखिल हुए

ओवरटूरिज्म के खिलाफ मुखर स्थानीय विरोध

निस्संदेह टूरिज्म हो या ओवरटूरिज्म, इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही हैं। मगर पूरे विश्व में सभी देशों के स्थानीय निवासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं। विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटन नगरियों में भी पर्यटकों की भारी भीड़, उनके व्यवहार, जाम, उपभोक्ता सामग्रियों की बढ़ती मांग और कूड़ा-कचरे के अंबार के कारण भारत भी देर-सबेर ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में ओवरटूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराए बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। भारत में भी अत्यधिक पर्यटनग्रस्त नगरों के नागरिक ऐसा अनुभव कर रहे हैं। दरअसल, ओवरटूरिज्म की असली कीमत स्थानीय लोग चुका रहे हैं। जाम में फंसकर हर काम में अतिरिक्त समय लग रहा है। आने-जाने में देरी से ज़रूरी काम छूट जाते हैं या टालने पड़ते हैं, जिससे आर्थिक हानि होती है और मानसिक तनाव भी बढ़ता है। यह वह लागत है, जो पर्यटन से होने वाली आय का बखान करने वाली सरकारों और हितधारकों के आकलन में शामिल नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शिमला में 20 से 23 जून के बीच 60,000 पर्यटक वाहन नगर में दाखिल हुए। इसी प्रकार, जून, 2025 में देहरादून से मसूरी मार्ग पर सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन 4,000 से 8,000 वाहन चलते थे, वहीं अब सप्ताहांत में यह संख्या 15,000 तक पहुंच रही है। यूरोप में ओवरटूरिज्म के खिलाफ आंदोलन तेज़ हो गया है, विशेषकर इटली, स्पेन और पुर्तगाल में यह विरोध जोर पकड़ रहा है। 'घर जाओ पर्यटक', 'एक पर्यटक का बढ़ना, एक स्थानीय का कम होना' जैसे पोस्टर आम हो गए हैं। लोगों का कहना है कि उनका जीवन दूभर हो गया है। इसके अलावा बड़े-बड़े होटलों के निर्माण और विस्तार का विरोध हो रहा है। 15 जून को यूरोप के कई हिस्सों में बड़े विरोध-प्रदर्शन हुए। बार्सिलोना इन प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वहां प्रदर्शनकारियों ने वाटर गनों से पर्यटकों को निशाना बनाया। बार्सिलोना की जनसंख्या मात्र 16 लाख है, जबकि 2024 में वहां 2.6 करोड़ पर्यटक आए। लोग कह रहे हैं कि अब जहां नज़र डालें, वहां

पर्यटक ही दिखते हैं। 'आपका सामना ऐसे लोगों से होता है, जिन्हें आप नहीं जानते और जो आपको नहीं जानते,'—स्थिति असहायता का भाव पैदा करती है। पिछले वर्ष यूरोप में कुल 7470 लाख पर्यटक आए। ग्रीस में देश की जनसंख्या से चार गुना अधिक पर्यटक पहुंचे। अधिकांश प्रमुख पर्यटक शहरों में स्थानीय जनसंख्या से सात-आठ गुना अधिक पर्यटक आ रहे हैं, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव है। भारत में भी यात्रियों के पारंपरिक मूल्यों की दृष्टि से अनुचित आचरण और व्यवहार से समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उत्तराखंड के समाज विज्ञानियों का कहना है कि इस साल के टूरिस्ट सीजन और चारधाम यात्रा के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से जो वीडियो, तस्वीरें और खबरें सामने आईं, वे दर्शाती हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गुंडागर्दी, सड़कों पर हादसे, शराब और ड्रग्स का सेवन व अपराध तेजी से बढ़े हैं। केरल के वायनाड जिले में एक बांध के पास के गांवों के किसान रील बनाने आने वाली उद्दंड पर्यटक भीड़ से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है। वे कहते हैं कि इससे खेतों को नुकसान हुआ है और निजता का भी उल्लंघन हुआ है। पर्यटकों के मनमाने ढंग से जहां-तहां रुकने और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी से पर्यटक मार्गों पर दुर्घटनाओं का जोखिम लगातार बढ़ रहा है। सड़क मार्ग पर लगने वाला जाम तो ओवरटूरिज्म की शुरुआत भर है। इसका असली असर तब दिखता है जब कोई पर्यटक नगरी के भीतर जाकर प्रमुख पर्यटन स्थलों —जैसे झीलों, झरनों, नदियों, पार्कों या म्यूज़ियमों —में पहुंचता है। वहां की भीड़, शोरगुल और प्रदूषण स्थानीय पर्यावरण और शांति को गहरे प्रभावित करते हैं। हजारों पर्यटकों और सैकड़ों वाहनों की आवाजाही से न तो शांति रह गई है, न ही स्वच्छ वायु। प्लास्टिक कचरा और अन्य प्रदूषण अलग से संकट पैदा कर रहे हैं। सरकारें कैसे सोचती हैं कि स्थानीय लोग थोड़े आर्थिक लाभ के लिए अपनी शांति और पर्यावरण का बलिदान देने को तैयार रहेंगे? मान लिया जाए कि पर्यटन से पैसा आता है, पर वह लाभ मुख्यतः बाजार के कुछ दुकानदारों तक ही सीमित रहता है। ये दुकानदार, सामान की कमी बताकर ओवर रेटिंग करते हैं और ज्यादा मुनाफा कमाते हैं। इन ऊंची कीमतों का असर केवल पर्यटकों पर ही नहीं, बल्कि वहीं रहने वाले स्थानीय लोगों पर भी पड़ता है। होटल व्यवसायी महंगे सामान खरीदकर उसका खर्च पर्यटकों से वसूल सकते हैं, लेकिन घर चलाने वाली एक आम गृहिणी के लिए यह महंगाई एक बड़ा बोझ बन जाती है। वह परिवार की जरूरतें पूरी करने हेतु खरीदारी करती है। पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता भार ओवरटूरिज़्म का एक गंभीर पहलू है। यह समस्या केवल हिमालयी राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में भी देखी जा रही है। भारत के पहाड़ी या पठारी क्षेत्रों, जो अधिकतर ईको-संवेदनशील हैं, पर भी ओवरटूरिज़्म का दबाव स्पष्ट दिखा है। केरल के वायनाड जैसे क्षेत्र, जो भूस्खलन व वन्यजीवों के आक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील हैं, वहां भी अनियंत्रित पर्यटक गतिविधियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। तमिलनाडु के पहाड़ी स्थलों पर प्रतिदिन लगभग 20,000 वाहन पहुंच रहे हैं, जिससे नीलगिरी जैसे क्षेत्रों में सूखे और पर्यावरणीय असंतुलन की स्थिति बन रही है। कोर्ट के निर्देशों के तहत यहां ई-पास प्रणाली लागू करके पर्यटकों की संख्या सीमित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सड़कों की 'बियरिंग कैपेसिटी' का वैज्ञानिक तरीके से आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। केरल और तमिलनाडु में भी न्यायालयों ने पर्यावरणीय संरक्षण के संदर्भ में सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं। दरअसल, ईको-संवेदनशील पर्यटन स्थलों के लिए पर्यटक वहन क्षमता के मानक और आकलन की पद्धतियां सामान्य पर्यटन नगरों से भिन्न होंगी। वहां की प्रकृति के अनुसार पर्यटक संख्या और प्रतिबंधों का निर्धारण किया जाना चाहिए। उत्तराखंड की कुल जनसंख्या लगभग 1.2 करोड़ है, जबकि हर वर्ष यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या 6 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यानी राज्य की जनसंख्या से लगभग पांच गुना अधिक पर्यटक यहां आते हैं। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने हाल ही में कहा था कि लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्रों में स्थानीय लोग प्रतिदिन 5 से 10 लीटर पानी में जीवन यापन कर लेते हैं, लेकिन बाहरी पर्यटकों को प्रतिदिन 200 से 500 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। यह पारिस्थितिकीय भार है। यूरोपीय पर्यटन प्रभावित शहरों में भीड़ नियंत्रण व सांस्कृतिक-सामाजिक संरचना को बचाने हेतु विशेष प्रबंधन योजनाएं लागू की जा रही हैं। स्पेन, इटली और ग्रीस जैसे देश अब 'नेचर-बेस्ड टूरिज़्म' को बढ़ावा दे रहे हैं। फिनलैंड, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और नीदरलैंड जैसे देश ईको टूरिज़्म और 'स्लो व इमर्सिव टूरिज़्म' को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, 'जीरो कार्बन ट्रांसपोर्ट' यानी पर्यावरण-अनुकूल यात्रा विकल्पों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

> भारतीय पर्यटन नगरियों में भी पर्यटकों की भारी भीड़, उनके व्यवहार, जाम, उपभोक्ता सामग्रियों की बढ़ती मांग और कूड़ा-कचरे के अंबार के कारण भारत भी देर-सबेर ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में ओवरटूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराए बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। भारत में भी अत्यधिक पर्यटनग्रस्त नगरों के नागरिक ऐसा अनुभव कर रहे हैं। दरअसल, ओवरटूरिज्म की असली कीमत स्थानीय लोग चुका रहे हैं। जाम में फंसकर हर काम में अतिरिक्त समय लग रहा है। आने-जाने में देरी से ज़रूरी काम छूट जाते हैं या टालने पड़ते हैं, जिससे आर्थिक हानि होती है और मानसिक तनाव भी बढ़ता है।

देश दुनिया से

अक्षय ऊर्जा : असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसे में अक्षय ऊर्जा ही ऐसा विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के

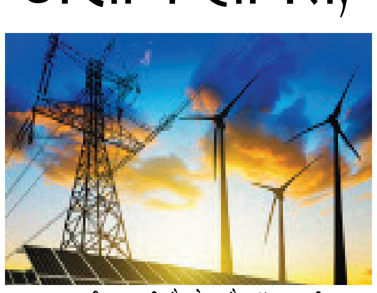

अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा। भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें।

आप का नजरिया

टकराने के खत

शिमला में द्वार और सरकार के बीच हमेशा फासले रहे हैं, पुनः ऐसे ही एक मामले में जरूरत के पैमाने ठोकरें खा रहे हैं, जबकि दरवाजे ऊंचे किए जा रहे हैं। ताजा मामला राजभवन के संवैधानिक धर्म का सवाल बनकर प्रदेश सरकार के प्रांगण को चुभ गया है। कृषि तथा बागबानी विश्वविद्यालयों की वैसे तो किसी जागीर का फैसला नहीं होना है, लेकिन कुलपतियों की नियुक्ति के अधिकार और अहं की लड़ाई में शिमला में ही टकराव की राहें और टकराने के खत बांटे जा रहे हैं। कुलपति भर्ती की आवश्यकता को दरकिनार करके अब शक्तियों की सत्ता का प्रदर्शन, राज्य बनाम राज्यपाल हो गया। राज्यपाल कार्यालय का मानना है कि विधान उन्हें यह ताकत देता है कि वह अपने स्तर पर कुलपतियों की चयन प्रक्रिया के फलक पर विजयी घोषित हों, लेकिन राज्य सरकार स्वाभिमान के लिए यह आवश्यक मानती है कि कृषि एवं बागबानी के मोर्चे पर इसका संज्ञान ले। हुआ भी यही कि नियुक्ति की सूचना ने जैसे ही आंख खोली, प्रदेश सरकार ने अपने अधिकार की वलिष्ठ बाहों से इस फैसले को रद्द या रद्दी कर दिया। वैसे शक्तियों के बीच कायदे-कानूनों को रद्दी होते देखना, नागरिक की मजबूरी है। प्रदेश को सभी पद और समस्त शक्तियां सिर्फ चाट ही तो खिला रही हैं। इसलिए खबरों पर चटकारे यह कि कुलपति आखिर होंगे किसके। किसका आदेश और किसकी पैठ हुनरमंद हो जाएगी, वरना हिमाचल के न तो किसान को फर्क पड़ता है कि पालमपुर विश्वविद्यालय में कौन कुलपति खेती करेगा और न ही बागबान को इससे फर्क पड़ता कि सोलन यूनिवर्सिटी में किसके पेड़ की छांव में कोई शख्स कुलपति बनता है। इन दोनों विश्वविद्यालयों की सियासत में अंततः हारता तो विज्ञान है। विज्ञान खेत या बागीचे में नहीं हारता, क्योंकि वहां वास्तविक किसानी-बागबानी के पीछे कोई न कोई कृषक और बागबान खड़ा रहा है। विज्ञान हार तो विश्वविद्यालयों के प्रांगण में रहा है। वह मायूस है। न उसके बागीचे में अब नियमित वेतन और न ही रिटायर्ड विज्ञानियों को रेगुलर पेंशन मिलती। कृषि को तो बंदर व आवारा पशु लपक लेंगे। उस जद्दोजहद में किसी किसान से पूछना, 'यह कृषि विश्वविद्यालय का उपकुलपति पद क्या और क्यों होता है।' उस बीज की आंखों में आंसू देखना, जिसे बो कर भी कोई फकीर हो गया। हम पीछे मुडक़र अपनी राजधानी में उलझती संवैधानिक शक्तियों का प्रदर्शन देख सकते हैं और कोस सकते है उस नील गाय को जो हर खेत से पूछ रही है, तू किस खेत की मूली है। काश! राजभवन भी खेती करता। काश! राज्य सचिवालय का संघर्ष बंदर से होता। काश! किसी को बारिश में बहते खेतों और बागीचों की निशानियां शिमला में मिल जातीं। यह दीगर है कि वहां संविधान के पन्ने महफूज हैं। पद हैं, विशेषाधिकार हैं, लेकिन सलामत हौसले नहीं कि जान जाएं कि किसान-बागबान का दर्द क्या है। खैर अभी यह मैच चलेगा, क्योंकि सूइयां सिर्फ कुलपतियों की नियुक्ति पर ही नहीं अटकी। प्रदेश के लिए कानून बनाने का हक रखती सरकार के इरादे अगर मंजूरी को तरस जाएं, तो यह केंद्र बनाम राज्य के बीच नागरिकों की ठोकरें कौन मान रहा। राज्य सरकार द्वारा पारित 15 विधेयक अगर लंबित रखे जा रहे हैं, तो कोई कितना भी महीन काते, सूई आगे बढने नहीं देगी।

> कृषि तथा बागबानी विश्वविद्यालयों की वैसे तो किसी जागीर का फैसला नहीं होना है, लेकिन कुलपतियों की नियुक्ति के अधिकार और अहं की लड़ाई में शिमला में ही टकराव की राहें और टकराने के खत बांटे जा रहे हैं। कुलपति भर्ती की आवश्यकता को दरकिनार करके अब शक्तियों की सत्ता का प्रदर्शन, राज्य बनाम राज्यपाल हो गया। राज्यपाल कार्यालय का मानना है कि विधान उन्हें यह ताकत देता है कि वह अपने स्तर पर कुलपतियों की चयन प्रक्रिया के फलक पर विजयी घोषित हों, लेकिन राज्य सरकार स्वाभिमान के लिए यह आवश्यक मानती है कि कृषि एवं बागबानी के मोर्चे पर इसका संज्ञान ले।

क्या राज्यपाल कार्यालय सरकार को रूई कातने नहीं दे रहा या संवैधानिक पद की गुंजाइश में स्वयं राज्यपाल कुछ कर दिखाना चाहते हैं। जो भी हो यह ताश का खेल नहीं होना चाहिए और न ही पदों को इस तरह फेंट कर हम अपनी प्राथमिकताओं को जुआ बना सकते हैं। जहां संविधान की जरूरत है, वहां तक का-कार्यक्षेत्र सुरक्षित-सम्मानित रहे, लेकिन विज्ञान को उसकी प्रयोगशाला में एक निष्पक्ष व स्वतंत्र वातावरण चाहिए। हमें यह नहीं मालूम कि राज्यपाल का विज्ञापन किसी निष्पक्ष वैज्ञानिक को कुलपति बनाने में मदद करेगा या सरकार के तरीके इस हवन कुंड में कारगर सिद्ध होंगे, लेकिन यह तय है कि इस तरह के प्रदर्शन में राज्य की प्राथमिकताएं अपने ही द्वंद्व में पिछड़ जरूर जाएंगी। हिमाचल के कृषि एवं बागबानी विश्वविद्यालयों को कुशल नेतृत्व व वित्तीय समर्थन की जरूरत है। राज्यपाल अगर अपनी मौजूदगी, संवैधानिक गरिमा और केंद्र के साथ प्रभावशाली संबंधों का प्रतिनिधित्व करते हुए इन दोनों विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिला दें, तो प्रदेश उनके ओजस्वी प्रभाव का दिल से समर्थन करेगा।

दृष्टि कोण

मतों की हेराफेरी के जनक और उनके परनाती की सनक

कांग्रेस के नेतागण जब चुनाव हार जाते हैं, या हारने की सम्भावना देख लेते हैं, तब वे ईवीएम में गडबडी का राग अलापने लगते हैं । हॉलाकि चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल ही हो रहा है- पहले की तत्सम्बन्धी व्यवस्था में होती रही गडबडियों को रोकने के लिए । 'ईवीएम' की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहने वाले कांग्रेसी नेतागण अब इन दिनों मतदाता-सूची में हेराफेरी का एक नया शोर मचा रहे हैं । वे कहीं यह कह रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा निर्मित सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, तो कहीं यह कि भारतीय जनता पार्टी मतों की चोरी कर के चुनावी जीत हासिल की है और तब सत्तासीन हुई है । वे कर्नाटक में मतदाता-सूची के शुद्धिकरण की मांग कर रहे हैं, तो बिहार में आसन्न चुनाव से पहले हो रहे उक्त शुद्धिकरण का विरोध करते रहे हैं और अब जब चुनाव आयोग ने वहां के ६५ लाख फर्जी मतदाओं के नामों को सूची से खारिज कर दिया है, तब वे उन्हें वापस दर्ज करने-कराने के लिए पटना की संडकों से ले कर दिल्ली की संसद तक हंगामा बरपा रहे हैं । ऐसे तमाम कांग्रेसी नेताओं को यह जान लेना चाहिए कि चुनावी मतों की हेरा-फेरी और प्रशासनिक धाक से मतों की चोरी के व्याकरण का आविष्कार कांग्रेस के द्वारा ही किया गया है, जिसके जनक हमारे ऐतिहासिक चाचाजी ही हैं । लोकसभा के प्रथम चुनाव (१९५२ में) ही इस आविष्कार का सफल परीक्षण कर हमारे चाचाजी ने कांग्रेस को चुनाव जीतने का यह मंत्र दे दिया था- भविष्य में इसका प्रयोग करते रहने के लिए । जी हां, हमारे चाचाजी, अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सबसे नामदार युवा नेता के 'परनाना' जी ! जिन्हें सारी दुनिया जवाहरलाल नेहरु के नाम से जानती है । आज उन्हीं का 'परनाती' उपरोक्त हंगामे का नेतृत्व कर रहा है । यह दावा मैं ऐसे ही नहीं कर रहा हूं , बल्कि उन्हीं चाचाजी के जमाने के उस प्रशासनिक अधिकारी की पुस्तक से कर रहा हूं जो उस चुनावी हेरा-फेरी में एक माध्यम बने हुए थे । उन दिनों उतर प्रदेश की सरकार के सूचना-निदेशक रहे शम्भूनाथ टण्डन ने अपने एक लेख में यह खुलासा करते हुए लिखा है कि "चुनाव में जीत-हार की हेरा-फेरी के लिए मत-पत्रों की अदली-बदली एवं 'बूथ कैप्चरिंग' जैसे हथकण्डों के मास्टरमाइण्ड थे- जवाहरलाल नेहरु ।" उनके लेख का पूरा शीर्षक है- "जब विशन सेठ ने मौलाना आजाद को धूल चटाई थी, भारत के इतिहास की एक अनजान घटना ।'' अखिल भारतीय खत्री महासभा द्वारा हिन्दू महासभाई नेता केशनलाल सेठ के सम्मान में प्रकाशित स्मृति ग्रंथ में संलित है उनका यह लेख । बकौल शम्भूनाथ टण्डन- "वर्ष १९५२ में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था । उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे ।" दिग्गज कांग्रेसियों की हार

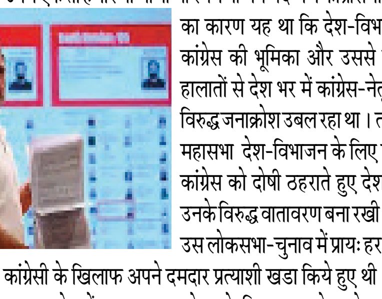

का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था । तब हिन्दू महासभा देश-विभाजन के लिए नेहरु व कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए देश भर में उनके विरुद्ध वातावरण बना रखी थी और उस लोकसभा-चुनाव में प्रायः हर दिग्गज कांग्रेसी के खिलाफ अपने दमदार प्रत्याशी खडा किये हुए थी । उसने फूलपुर क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु के खिलाफ जाने-माने प्रखर संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को खडा किया था, तो रामपुर में मौलाना आजाद के विरुद्ध वहां के लोकप्रिय नेता विशनचन्द सेठ को । कांग्रेस के बडे नेताओं को सर्वत्र कडी चुनौती मिल रही थी । किन्तु अन्तरीम सरकार की कमान चूँकि नेहरू के हाथ में ही थी, इस कारण चाचाजी ने कांग्रेस-प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए शासन-तंत्र का जम कर दुरुपयोग किया । मतदान के दौरान शासन-तंत्र ने लोकतंत्र के लिए जो किया सो तो किया ही ; असली खेल तो हमारे चाचाजी मतगणना के दिन खेले । शासनतंत्र को यह पाठ पहले ही पढा दिया गया था कि लोकतंत्र की सलामती के लिए नेहरु को हर हाल में सदा ही अजेय बनाये रखना है ; सो मतों की गिनती के दौरान प्रभुदत्त ब्रह्मचारी की जीत जब सुनिश्चित सी दिखने लगी, तब प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्तिम चक्र में उनकी पेटी से २००० मतपत्रों को निकाल कर नेहरुजी की पेटी में मिला कर गिनती पूरी कर दी । इस प्रकार हमारे चाचाजी बहुमत से चुनाव जीत गए । मालूम हो कि उन दिनों हर प्रत्याशी के लिए अलग-अलग मतपेटियां ही हुआ करती थीं , प्रत्याशी या दल के नाम किसी चिन्ह पर मुहर नहीं लगाई जाती थी, बल्कि मतपत्र को अपने पसंदिदा प्रत्याशी की पेटी में डाल देने का विधान था । इस कारण मतपत्रों की हेरा-फेरी बहुत आसानी से हो सकती थी । अपने लेख में टण्डन साहब लिखते हैं- "सेठ विशनचन्द्र के पक्ष में भारी मतदान हुआ था और मतगणना के पश्चात प्रशासन ने बाक़ायदा लाउडस्पीकरों से सेठ विशनचन्द्र को 10000 वोटों से विजयी घोषित कर दिया था ।

डोनाल्ड ट्रंप का व्लादिमीर जेलेंस्की से समझौता बात मानने पर यूक्रेन की सुरक्षा का किया वादा

वाशिंगटन,19 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के मध्य छिड़े युद्ध को रुकवाने के अपने प्रयासों के तहत सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय संघ के नेताओं से मुलाकात की। यह मुलाकात अलास्का शिखर सम्मेलन के सम्मेलन के कुछ दिनों बाद हुई है। ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अलास्का में युद्धविराम के मसले पर लगभग तीन घंटे चर्चा की थी। जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति ट्रंप से समझौते पर आगे से बढ़ने से अपने देश की सुरक्षा की गारंटी मांगी। ट्रंप ने कहा कि अगर वह समझौता मानने को तैयार हैं तो यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अमेरिका तैयार है। अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका अपने सैनिकों को यूक्रेन में तैनात करेगा। खबर के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और सात यूरोपीय नेताओं ने कल व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने पर महत्वपूर्ण बातचीत की। ओवल ऑफिस में जेलेंस्की ने ट्रंप से यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी में अमेरिका की भूमिका के बारे में बातचीत की। इस समझौते में यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी सबसे जटिल मुद्दा है। इसका मकसद यह है कि शांति समझौते पर सहमत होने के बाद रूस युद्ध को फिर से शुरू न करे। राष्ट्रपति ट्रंप ने जेलेंस्की को भरोसा दिलाया कि यूक्रेन की अमेरिका सुरक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि किसी न किसी तरह से मदद की जाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने जेलेंस्की से पूछा कि यूक्रेन किस तरह की सुरक्षा गारंटी चाहता है जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को हर तरह की सुरक्षा की गारंटी चाहिए। इस बैठक में दोनों नेताओं के बीच क्रीमिया पर भी चर्चा हुई। संभवत: जेलेंस्की इसके लिए तैयार हो गए हैं। जेलेंस्की ने इस दौरान बार-बार त्रिपक्षीय बैठक (जेलेंस्की- ट्रंप-पुतिन वार्ता) पर जोर दिया। ट्रंप ने कहा कि क्रेमलिन इसके लिए राजी नहीं है। बावजूद इसके वह कोशिश करेंगे कि त्रिपक्षीय वार्ता जल्द हो। लगभग साढ़े तीन साल से चल रहे इस संघर्ष को सुलझाने के लिए व्हाइट हाउस में हुई इस बैठक में जेलेंस्की और ट्रंप के साथ कई यूरोपीय नेता शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में पुलिस वैन पर हमला, छह घायल, बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स ने जिम्मेदारी ली

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। पाकिस्तान में अशांत प्रांत बलोचिस्तान के उस्ता मोहम्मद जिले में एक पुलिस वैन पर सोमवार को हुए ग्रेनेड हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए। मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने सिटी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रेलवे फाटक के पास एक पुलिस वाहन पर ग्रेनेड फेंका। इस विस्फोट में चार पुलिसकर्मी और दो राहगीर घायल हो गए। पुलिस के हवाले से कहा कि हमले में घायलों की पहचान अब्दुल नबी, कादिर बख्श, अब्दुल्ला, बहराम और दो अन्य के रूप में हुई है। घायलों को इलाज के लिए नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश की। इस बीच, सशस्त्र समूह बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने मीडिया को जारी एक बयान में इस हमले की जिम्मेदारी ली है। समूह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने पुलिस वाहन को निशाना बनाया। अगर पुलिस स्थानीय लोगों को परेशान करती रही, तो आगे भी ऐसे हमले होंगे।

प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से कैंसर होने के ठोस प्रमाण नहीं: शोध

सिडनी। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर समय-समय पर यह दावा किया जाता रहा है कि प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से कैंसर हो सकता है, खासकर जब बोतल को धूप में कार में छोड़ दिया जाए या बार-बार इस्तेमाल किया जाए। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स इस दावे को खारिज करती हैं। कैंसर रिसर्च यूके और कैंसर काउंसिल ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के अनुसार अब तक ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने से कैंसर होता है। माना जाता है कि प्लास्टिक में मौजूद कुछ केमिकल्स, जैसे बिस्फेनॉल-ए (बीपीए), थोड़ी मात्रा में पानी में घुल सकते हैं, लेकिन यह मात्रा इतनी कम होती है कि उससे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता। यहां तक कि प्लास्टिक को गर्म करने या फ्रीज करने पर भी कैंसर से जुड़ा कोई खतरा नहीं पाया गया है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी और वाल्टर रीड आर्मी मेडिकल सेंटर जैसे संस्थान भी इन अफवाहों को गलत ठहरा चुके हैं। बीपीए एक केमिकल कंपाउंड है जिसका इस्तेमाल दशकों से प्लास्टिक उत्पाद बनाने में किया जाता है। यह खासतौर पर पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक और एपॉक्सी रेजिन में प्रयोग होता है। इसका उपयोग प्लास्टिक की बोतलें, फूड कंटेनर, बेबी बोतलें और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की कोटिंग तक में किया जाता है। बीपीए को एंडोक्राइन डिसरप्टर माना जाता है, यानी यह शरीर के हार्मोन सिस्टम पर असर डाल सकता है। कुछ अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बीपीए का अधिक संपर्क प्रजनन तंत्र, भ्रूण विकास और हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। कुछ शोधों में ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे से भी इसे जोड़ा गया है, हालांकि अभी तक इसके ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं।

तला-भुना और ज्यादा नमक वाला भोजन बन रहा बीमारियों का कारण

वॉशिंगटन। हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन को पहले बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब युवा वर्ग भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। हाइपरटेंशन धीरे-धीरे जीवन में जगह बना लेता है और बिना लक्षण दिखाए गंभीर खतरे पैदा कर सकता है। आजकल तला-भुना और ज्यादा नमक वाला भोजन पसंद करने की आदत गंभीर बीमारियों का कारण बन रही है। इसी चिंता को देखते हुए अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) और अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (एसीसी) ने ब्लड प्रेशर प्रबंधन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। पहले जहां सिस्टोलिक 140 और डाइस्टोलिक 90 तक के ब्लड प्रेशर को सामान्य माना जाता था, वहीं अब इसकी परिभाषा बदल दी गई है। नए मानकों के मुताबिक, यदि सिस्टोलिक 130 से 140 और डाइस्टोलिक 80 से 90 के बीच है, तो इसे खतरे का संकेत माना जाएगा और इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि शुरुआती स्तर पर दवाओं की बजाय जीवनशैली और खानपान में बदलाव करना ज्यादा प्रभावी होता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका में लगभग आधे वयस्क (करीब 46.7 प्रतिशत) हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। दुनियाभर में भी यह मृत्यु के सबसे बड़े जोखिमों में से एक है। नए दिशानिर्देश केवल बीपी को नियंत्रित रखने तक सीमित नहीं हैं।

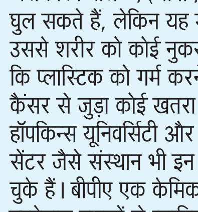

हमास ने गाजा पर कतर-मिस्र के नए युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार किया

काहिरा,19 अगस्त (एजेंसियां) ।

आतंकवादी समूह हमास ने कतर और मिस्र के गाजा के लिए रखे गए नए युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव के तहत इजराइली बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई होगी। हमास के साथ वार्ता से जुड़े दो राजनयिकों और मिस्र के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे या नहीं।

खबर के अनुसार, यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब कतर और मिस्र ने गाजा शहर में इजराइल के संभावित जमीनी आक्रमण से पहले अपनी मध्यस्थता की कोशिशें तेज की हैं। बताया गया है कि नए प्रस्ताव की शर्तें पुरानी ही हैं। उन्हें पहले भी इजराइल मान चुका है। इनमें एक अस्थायी युद्धविराम और युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने के लिए एक दीर्घकालीन समझौते का रास्ता शामिल है। इजराइल पहले भी प्रारंभिक युद्धविराम के तहत फिलिस्तीनी कैदियों के बदले गाजा में जीवित समझे जाने वाले आधे बंधकों को रिहा करने और एक व्यापक अनुवर्ती समझौते के तहत शेष बंधकों को रिहा करने पर सहमति जता चुका है। हमास ने एक बयान में कहा कि उसने और अन्य फिलिस्तीनी समूहों ने रविवार को मिस्र और कतर के मध्यस्थों के एक प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, लगभग 20 बंधक अभी भी जीवित हैं। 30 अन्य के शव भी गाजा में रखे हुए हैं। नेतन्याहू के कार्यालय ने सोमवार को टिप्पणियों में युद्धविराम के राजनयिक प्रयासों पर कोई चर्चा नहीं की है। नेतन्याहू ने यह जरूर कहा, मैं मीडिया में आ रही खबरों को सुनता हूं। यह बात इस समय पक्की है कि हमास भारी दबाव में है। पिछले सप्ताह नेतन्याहू ने कहा भी था कि इजराइल अब ऐसे किसी समझौते में दिलचस्पी नहीं रखता जिसमें केवल कुछ बंधकों की रिहाई शामिल हो। मध्य पूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने इस महीने एक बैठक में इजराइली बंधकों के परिवारों से कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अब सभी जीवित बंधकों को एक साथ रिहा होते देखना चाहते हैं। इस समझौते पर हमास ने कहा है कि वह इस शर्त पर सभी बंधकों को रिहा करने को तैयार है कि इजराइल युद्ध समाप्त कर दे।

बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री ने बीयूआईटीईएमएस के सहायक प्रोफेसर काजी उस्मान की गिरफ्तारी की घोषणा की

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने बलोचिस्तान सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (बीयूआईटीईएमएस) के सहायक प्रोफेसर काजी उस्मान की गिरफ्तारी की घोषणा की। उन पर क्वेटा रेलवे स्टेशन पर आत्मघाती बम विस्फोट और अन्य हमलों में मदद करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि प्रो. काजी उस्मान को 12 अगस्त को सुरक्षा बल के जवान जबरिया उठा ले गए थे। तब से वह लापता थे। मानवाधिकार संगठनों की आलोचना के बाद बुगती ने यह घोषणा सोमवार को की। मुख्यमंत्री बुगती ने क्वेटा में प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो में उस्मान का एक रिकॉर्डेड बयान सुनाया। उस्मान इसमें कह रहे हैं कि उन्होंने कायद-ए-आजम विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और पेशावर विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। वीडियो में उन्होंने आतंकवादी समूहों के साथ कथित संबंधों की बात कबूल की। हालांकि, परिवार और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उस्मान और उनके छोटे भाई जिबरान अहमद को 12 अगस्त को क्वेटा के अफनान कस्बे से सुरक्षा बल और आतंकवाद-रोधी विभाग के अधिकारी जबरदस्ती उठा ले गए थे। इसके बाद उन्हें कहां रखा गया, यह भी कोई बताने को तैयार नहीं था। सहायक प्रोफेसर काजी के कबूलनामे पर बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) की मानवाधिकार शाखा पांक ने कहा कि यह जबरन कबूलनामा पूर्वाग्रह से प्रेरित है। यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मसले पर प्रमुख मानवाधिकार वकील इमान मजारी ने कहा कि उन्होंने खुद देखा है कि कैसे बंदियों को धमकी देकर स्क्रिप्टेड संदेश रिकॉर्ड करने के लिए मजबूर किया जाता है। मजारी ने कहा कि डॉ. उस्मान काजी आतंकवादी नहीं हैं। पूरा पाकिस्तान सैन्य अदालत बन गया है। मुल्क में जबरन गायब किए गए लोगों को आतंकवादी के रूप में पेश किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर लोग वास्तव में संदिग्ध हैं, तो उन्हें गायब क्यों किया जाता है।

नेपाली संसद की डिप्टी स्पीकर पर महाभियोग चलाने की तैयारी, सत्तारूढ़ गठबंधन दलों ने बुलाई आपात बैठक

काठमांडू,19 अगस्त (एजेंसियां) ।

नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की डिप्टी स्पीकर इंदिरा राना मगर के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी के लिए सत्तारूढ़ घटक दलों ने मंगलवार को संसदीय दल की आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में शामिल होने वाले सांसदों से एक सादे कागज पर हस्ताक्षर कराये जा रहे हैं।

सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस (एनसी) और सीपीएन-यूएमएल की आपातकालीन बैठक में शामिल होने वाले सांसदों ने बताया कि डिप्टी स्पीकर इंदिरा राना मगर को पद से हटाने के लिए यह हस्ताक्षर कराये जा रहे हैं। नेपाली कांग्रेस के एक सांसद के अनुसार पार्टी के सदस्यों को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच संसदीय दल के कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इसी तरह यूएमएल के प्रमुख सचेतक महेश बरतौला ने भी स्वीकार किया कि महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए सभी सांसदों को निर्देश दिया गया है।

डिप्टी स्पीकर राना मगर पर विभिन्न व्यक्तियों के लिए अमेरिकी वीजा आवेदनों का समर्थन करने के लिए संसद सचिवालय के लेटरहेड पर सिफारिश पत्र जारी करने का आरोप लगा है। इसको लेकर सत्तारूढ़ दल पहले भी महाभियोग का प्रस्ताव लाये थे, लेकिन सत्तारूढ़ घटक दल के छोटे दलों की तरफ से विरोध के बाद इसे वापस ले लिया गया था।

इस समय सत्तारूढ़ गठबंधन के दो प्रमुख घटक दल नेपाली कांग्रेस (88) और यूएमएल (79) के पास कुल 167 सांसद हैं। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में महाभियोग पारित करने के लिए दो तिहाई सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता है। यानी सत्तारूढ़ दल को 16 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता है। इनमें सरकार में शामिल जनता समाजवादी पार्टी के 7 और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के 4 सांसदों ने समर्थन देने का निर्णय लिया है। बाकी 5 सांसदों के लिए जनमत पार्टी के 6 सांसदों से बातचीत जारी है।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन का विमान भी किसी महल से कम नहीं, सोने की है नक्काशी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी जीवनशैली के मशहूर हैं वह अक्सर अपनी गतिविधियों के कारण चर्चा में रहते हैं। वहीं उनका विमान भी सिर्फ एक साधारण विमान नहीं है, इसे फ्लाइंग क्रेमलिन कहा जाता है। यह ल्यूसिन सेकंड-96-300पीयू मॉडल पर आधारित है, जिसे खासतौर पर राष्ट्रपति और पीएम जैसे शीर्ष नेतृत्व के लिए डिजाइन किया गया है। सुरक्षा कारणों के चलते इसे कभी भी सार्वजनिक नहीं किया जाता कि पुतिन किस विमान में सफर कर रहे हैं। उनके पास इस मॉडल के कुल चार विमान हैं। नहीं आता रडार की पकड़ में, किसी भी मिसाइल हमले को कर सकता है नाकाम यह खास विमान 37 सालों से रूस की सत्ता के शीर्ष नेता इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी लागत करीब 715 मिलियन डॉलर यानी 6275 करोड़ रुपए आंकी गई है। एयरफोर्स वन की तरह इसे भी एक मोबाइल कमांड सेंटर और लग्जरी पैलेस की तरह डिजाइन किया गया है। इस विमान का इंटीरियर एक महल की तरह है। इसमें लेदर फर्नीचर और वॉलनट वीनर्स है। सोने से जड़ी नक्काशी की गई है, इसमें प्राइवेट ऑफिस और कॉन्फ्रेंस रूम मौजूद है। साथ ही इसमें गेस्ट लाउंज, रेस्ट रूम ,मिनी जिम, डाइनिंग हॉल बार, शॉवर्स और मेडिकल रूम बनाए गए हैं। यह विमान सिर्फ एक सफर करने के लिए नहीं बल्कि आसमान में उड़ता हुआ राष्ट्रपति भवन है।

ट्रम्प प्रशासन ने 6,000 से अधिक छात्र वीजा रद्द किए : स्टेट डिपार्टमेंट

वाशिंगटन,19 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने 6,000 से अधिक छात्र वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें से अधिकांश मामलों में वीजा धारकों ने कानून तोड़ा या निर्धारित समय से अधिक ठहरे, जबकि करीब 200-300 मामलों में उन्हें आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्त पाया गया।

स्टेट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी के अनुसार, करीब 4,000 वीजा अपराधों के कारण रद्द किए गए, जिनमें सबसे ज़्यादा मामले हमले से जुड़े थे। इसके अलावा शराब और ड्रग्स के नशे में गाड़ी चलाना तथा चोरी जैसे अपराध भी शामिल हैं।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ट्रम्प प्रशासन ने छात्र वीज़ा नियमों पर सख्ती बढ़ा दी है। अब सोशल मीडिया की कड़ी जांच, गहन स्क्रीनिंग और अमेरिकी दूतावासों को राजनीतिक रूप से सक्रिय आवेदकों के प्रति अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेट डिपार्टमेंट ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद से जुड़े वीजा रद्द करने का आधार विदेश मंत्रालय के नियमों में दिया गया प्रावधान है, जिसके तहत आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना या आतंकी संगठनों से संबंध रखना वीजा अयोग्यता की श्रेणी में आता है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर यहूदी विरोध बढ़ाने और फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन में प्रदर्शन करने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के साथ टकराव में उन्होंने अनुसंधान जांचों के लिए फंडिंग रोक दी और कर-छूट समाप्त करने की धमकी दी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उन्होंने न केवल छात्रों बल्कि सैकड़ों-हजारों अन्य लोगों के भी वीजा रद्द किए हैं, क्योंकि वे ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए गए जो अमेरिकी विदेश नीति प्राथमिकताओं के खिलाफ थीं।

ट्रम्प प्रशासन की इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कई संगठनों और विशेषज्ञों ने इसे अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है।

जहरीली शराब पीने से बीमार पड़े 30 नेपाली नागरिकों को कुवैत ने दिया देश छोड़ने का आदेश

काठमांडू,19 अगस्त (एजेंसियां) ।

कुवैत में जहरीली शराब पीने के कारण 16 नेपाली नागरिकों की मौत हो चुकी है जबकि 30 नेपाली नागरिक अभी भी कुवैत के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। कुवैत सरकार ने इन सभी को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। जहरीली शराब पीने और बे चने के मामले में कुवैत पुलिस ने कुछ नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार भी किया है।

यह घटना 15 अगस्त की है जब जहरीली शराब पीने से दर्जनों नेपाली नागरिक सहित कुछ भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक बीमार पड़ गए थे जिसके बाद उन्हें कुवैत के अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुवैत स्थित नेपाली दूतावास के मुताबिक अब तक इस जहरीली शराब कांड में 16 नेपाली नागरिकों की मौत हो चुकी है।

अन्य देशों के 23 नागरिकों की भी जहरीली शराब पीने से मौत हो चुकी है।

जहरीली शराब पीने से जिन 30 नेपाली नागरिकों का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है उन सभी को देश निकाला दे दिया गया है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा है कि देश के कानून के विपरीत शराब का सेवन करने वाले सभी को उपचार के बाद तत्काल देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। देश निकाला दिए गए विदेशी नागरिकों की संख्या 163 बताई गई है।

कुवैत स्थित नेपाली राजदूत घनश्याम लमसाल की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक जहरीली शराब पीने से बीमार पड़े 30 नेपाली नागरिक को कुवैत सरकार के इस आदेश के तहत देश निकाला दिया गया है। उन्होंने बताया कि नेपाली दूतावास इन सभी से लगातार संपर्क में है और उनके अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही उनकी वापसी की व्यवस्था की जा रही है।

कुवैत सरकार ने जहरीली शराब मामले की जांच शुरू की है जिनमें शराब बनाने और बेचने के मामले में सौ से अधिक नेपाली, भारतीय तथा बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। कुवैत टाइम्स के मुताबिक सरकार द्वारा चलाए गए शराब विरोधी अभियान में अब तक 258 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें अधिकांश नेपाल के रहने वाले हैं। कुवैत स्थित नेपाली राजदूत लमसाल ने भी स्वीकार किया कि सरकार के शराब विरोधी अभियान में 200 से अधिक नेपाली नागरिकों की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि कुवैत की जेलों में बंद नेपाली नागरिकों में से अधिकांश अवैध शराब के सेवन और बिक्री व वितरण के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। कुवैत में कुल 1 लाख 60 हजार नेपाली नागरिक रोजगार के सिलसिले में रह रहे हैं।

लान टेनिस-बैडमिंटन प्रतियोगिता में डाक्टरों ने दिखाया हुनर, प्रतियोगिता में 40 डाक्टरों ने किया प्रतिभाग

मुरादाबाद,19 अगस्त (एजेंसियां)।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय लान टेनिस और बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन हो गया। टूर्नामेंट में टेनिस सिंगल विनर में डा. मनु शेखर, टेनिस डबल्स विनर में डा. अनुराग अग्रवाल और डा. अरुण कुमार, बैडमिंटन सिंगल्स विनर में डा. वजाहत काजी, बैडमिंटन डबल्स विनर डा. अनुराग दूबे और डा. वजाहत काजी, टेनिस सिंगल सेकंड पोजिशन में डा. अनुराग अग्रवाल, टेनिस डबल्स सेकंड पोजिशन में डा. पीके गुप्ता, डा. दीपांशु गुप्ता, बैडमिंटन सिंगल सेकंड पोजिशन में डा. विशाल रस्तोगी, बैडमिंटन डबल्स सेकंड पोजिशन में डा. विशाल रस्तोगी और डा. निजामुद्दीन शेख रहे। यह प्रतियोगिता 17 अगस्त से 19 अगस्त तक रही।

टूर्नामेंट संयोजक डा. आनंद चौधरी ने बताया कि इसका मकसद लोगों को जागरूक करना है। डाक्टर्स के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आपसी जान-पहचान और सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में करीब 40 डाक्टरों ने प्रतिभाग किया। वरिष्ठ चिकित्सक डा. बीके दत्त, डा. अनुराग अग्रवाल, डा. पीके गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। सचिव डा. सुदीप कौर, स्पोर्टर्स सचिव डा. विभोर जैन आदि रहे।

डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डा. सैयद मो. रजी ने बताया कि आराम तलब जिंदगी की वजह से लोग डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए शारीरिक व्यायाम फायदेमंद है। संतुलित खानपान के अलावा प्रतिदिन 40-50 मिनट तक व्यायाम करें या फिर कोई एक खेल ऐसा चुने जिसमें कम से कम एक घंटा वह शारीरिक मेहनत कर सकें। इससे शरीर में इंसुलिन की समस्या भी नहीं होगी। डायबिटीज नियंत्रित रहेगी। हरी सब्जियों का सेवन करें।

आइएमए अध्यक्ष डा. प्रीति गुप्ता ने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए लोग समय नहीं निकाल पा रहे हैं। जबकि यह बहुत जरूरी है। प्रतिदिन खेलने से शरीर सक्रिय रहता है। बीमारियों की चपेट में नहीं आता है। इसलिए हर एक व्यक्ति को बीमारियों को दूर रखने के लिए कोई न खेल अपनाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी, अब बना कानून

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक अब कानून बन गया है। इस ऐतिहासिक कानून से भारत की खेल प्रशासन व्यवस्था में बड़े बदलाव होने की उम्मीद जताई जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया, संसद से पारित अधिनियम को 18 अगस्त, 2025 को राष्ट्रपति से मंजूरी मिली और इसे सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है - राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025। यह विधेयक लंबे समय से लंबित था और पिछले एक वर्ष में विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श के बाद 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया था, जहां 11 अगस्त को इसे पारित किया गया। अगले दिन राज्यसभा ने भी दो घंटे से अधिक चली चर्चा के बाद इसे मंजूरी दे दी। नया कानून न केवल खेल संस्थाओं के लिए शासन संबंधी मानदंड तय करता है, बल्कि त्वरित विवाद निपटारे के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण (नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल) के गठन का भी प्रावधान करता है। इसके अलावा इसमें राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (नेशनल स्पोर्ट्स इलेक्शन पैनल) की स्थापना का भी उल्लेख है, जो अक्सर विवादों में रहने वाले राष्ट्रीय खेल महासंघों के चुनावों की निगरानी करेगा।

सिंकफील्ड कप 2025 : प्रज्ञानानंद ने पहले ही दौर में गुकेश को हराया

सेंट लुइस (मिसौरी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप 2025 के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को मात देकर जोरदार शुरुआत की। सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने शुरू से ही बढ़त बना ली थी और पूरे मुकाबले में गुकेश लय में नजर नहीं आए। अंततः गुकेश ने 36वीं चाल से पहले ही हार मान ली। जीत के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, मुझे नहीं पता गुकेश के साथ क्या हुआ। मुझे शुरुआत से ही अच्छी पोजिशन मिल गई थी। हाल के दिनों में मेरे उनके खिलाफ नतीजे अच्छे नहीं रहे थे। पिछले साल मैंने तीन जीते हुए मुकाबले गंवाए थे। दो साल से मैं उन्हें नहीं हरा पा रहा था, यहां तक कि रैपिड में भी नहीं, इसलिए यह जीत खास है। इस जीत से प्रज्ञानानंद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लाइव रेटिंग्स में अमेरिकी जीएम फाबियानो करूआना को पीछे छोड़ दिया। दूसरा निर्णायक मुकाबला अमेरिका के लेवोन अरोनियन और उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव के बीच खेला गया, जिसमें अरोनियन ने काले मोहरों से जीत दर्ज की। दूसरे दौर में गुकेश का सामना अब्दुस्सत्तोरोव से होगा, जबकि प्रज्ञानानंद करूआना से भिड़ेंगे। खास बात यह है कि दोनों भारतीय खिलाड़ी इस दौर में भी सफेद मोहरों से खेलेंगे। सिंकफील्ड कप 2025 ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है और यह जीसीटी फाइनल्स से पहले का अंतिम क्लासिकल चरण है।

स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को

जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। इस खिताबी जीत से अमेरिकी ओपन से पहले स्वियाटेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को एक शक्तिशाली संदेश भेजा है। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक ने खिताब तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सभी छह ब्रेक पॉइंट्स को भुनाकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता और पिछले साल के इटैलियन ओपन के बाद यह उनका पहला ख़िताब था। वह अब डब्ल्यूटीए 1000 फ़ॉर्मेट के इतिहास में दूसरी सर्वकालिक विजेता हैं। वह केवल सेरेना विलियम्स (23) से पीछे हैं। खिताबी जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसे टूर्नामेंट क्यों जीते, जो पिछले टूर्नामेंटों जैसे थे, जहां मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगी। मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनने और इन तेज सतहों पर खेलना सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। मैं हैरान और बेहद खुश हूं। मैच में पाओलिनी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। फिर भी, पोलिश खिलाड़ी ने पांच गेम की बढ़त के साथ जवाब दिया और पहला सेट सर्व करने का अपना पहला मौका गंवाने के बाद, दूसरे प्रयास में उसे जीत लिया। स्वियाटेक ने दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखी और 4-3 के स्कोर पर दो ब्रेक पॉइंट बचाए।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान, बुमराह और कुलदीप की वापसी

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति ने मंगलवार को यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टी20 टीम की घोषणा कर दी है। टी20 विश्व कप 2024 के नायक जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव की एक साल से अधिक समय बाद टीम में वापसी हुई है। श्रेयस अय्यर को एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया है।

बुमराह ने आखिरी बार जून 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल में खेला था, जहां उन्होंने 2/18 के शानदार आंकड़े के साथ भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह उस टूर्नामेंट के प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुने गए थे। हालांकि, चोटों और वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह से वह लंबे समय से सफेद गेंद क्रिकेट से दूर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। गिल की भी टी20 फॉर्मेट में वापसी हुई है। इस पर कप्तान सूर्यकुमार ने कहा, जब गिल ने पिछली बार टी20 खेला था तो वह उपकप्तान थे। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट के कारण उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। हम खुश हैं कि वह वापस आए हैं।

टीम चयन को लेकर सूर्यकुमार ने अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया है और वह टीम को बैटिंग के साथ बॉलिंग विकल्प भी देते हैं। हालांकि, टीम कॉम्बिनेशन के कारण कुछ खिलाड़ियों को बाहर होना ही था। हालांकि विस्फोटक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है, बल्कि उन्हें स्टैंडबाय के रूप में रखा गया है।

भारत की एशिया कप 2025 टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ी- प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

गावस्कर का सम्मान नहीं कर रहे कुछ खिलाड़ी : घावरी

मुम्बई । भारतीय टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे करसन घावरी ने इस बात पर नाराजगी जतायी है कि महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कुछ भारतीय खिलाड़ी सम्मान नहीं कर रहे। घावरी ने कहा कि जहां गावस्कर से दूसरे देशों के खिलाड़ी भी सलाह लेते हैं। वहीं देश के ही कुछ खिलाड़ी कमेंट्री के दौरान की गयी उनकी आलोचना को भी सकारात्मक तरीके से नहीं ले रहे हैं। एक कार्यक्रम में घावरी ने रोहित शर्मा पर निशाना साधा और कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने गावस्कर को लेकर व्यवहार किया वह स्वीकार्य नहीं है। महान खिलाड़ियों से इस प्रकार का व्यवहार नहीं किया जाता। कुछ महीने पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि रोहित ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से गावस्कर की शिकायत की थी। यह शिकायत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान गावस्कर की उन पर की गईं टिप्पणियों को लेकर थी। वहीं आईपीएल 2024 में गावस्कर और विराट कोहली के बीच तब नाराजगी की बातें सामने आईं थीं जब गावस्कर की कमेंट्री के दौरान की गयी आलोचना से विराट भड़के गये थे। घावरी ने कहा, रोहित हों या विराट । उन्हें महान खिलाड़ी का सम्मान करना ही होगा क्योंकि जब वह आपको कुछ कहते हैं या किसी चीज पर आपको सलाह देते हैं तो यह आपके ही हित के लिए होता है। रवि शास्त्री खुले दिन के आदमी है। जब किसी की आलोचना की बात आएगी तो वह करेंगे पर गावस्कर इसे बहुत अलग तरह से करते हैं। वह शास्त्री से बिल्कुल अलग चीजें कहने के लिए जाने जाते हैं। गावस्कर के साथ खेल चुके घावरी ने कहा, गावस्कर पिछले 25 साल से कॉमेंट्री कर रहे हैं। युवा खिलाड़ियों के लिए उनके कॉमेंट बेशकीमती हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे अपने ही खिलाड़ी उनसे कोई सलाह नहीं लेते। यहां तक कि बाहर के खिलाड़ी उनके पास जाते हैं। कप्तान शुभमन गिल समेत हर भारतीय बल्लेबाज को उनके पास जाना चाहिए। मुझे नहीं पता कि वह उनके पास गया था या नहीं, लेकिन अगर वह नहीं गया है तो उसे जाना चाहिए।

बुच्ची बाबू टूर्नामेंट 2025 : महाराष्ट्र डेब्यू में पृथ्वी शॉ ने जड़ा शतक

चेन्नई,19 अगस्त (एजेंसियां)।

मुंबई से नाता तोड़कर महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए पृथ्वी शॉ ने अपने पहले ही मैच की पहली पारी में शतक जड़ दिया। उन्होंने यह उपलब्धि बुच्ची बाबू टूर्नामेंट 2025 के उद्घाटन दौर के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के खिलाफ हासिल की।

शॉ ने 122 गेंदों में शतक पूरा किया, जिसमें 14 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्होंने यह पारी तब खेली, जब महाराष्ट्र ने शुरुआती झटकों में महज़ 15 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इससे पहले शॉ और सचिन धस ने 71 रनों की मजबूत साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन इसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और अंकित बावने जल्दी-जल्दी आउट हो गए। शॉ ने सिद्धार्थ म्हात्रे के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 रन जोड़कर पारी को संभाला।

इस साल की शुरुआत में 25 वर्षीय शॉ ने महाराष्ट्र का रुख किया था। खराब फॉर्म और फिटनेस को लेकर चिंता के चलते उन्हें पिछली रणजी ट्रॉफी सीज़न में मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया था और विजय हजारे ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली थी। आईपीएल 2024 की नीलामी में भी वह पहली बार अनसोल्ड रह गए थे। पृथ्वी शॉ जुलाई 2021 के बाद से टीम इंडिया के लिए नहीं खेले हैं। हालांकि, महाराष्ट्र से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने करियर को नए सिरे से संवारने का इरादा जताया है।

टीम से जुड़ने के बाद शॉ ने कहा था, इस दौर में मुझे लगता है कि महाराष्ट्र की टीम से जुड़ना मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का मैं वर्षों तक मिले सहयोग और अवसरों के लिए आभारी हूं। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने हाल के वर्षों में ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में शानदार काम किया है। मुझे विश्वास है कि इस प्रगतिशील सेटअप का हिस्सा बनना मेरे सफर को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। उन्होंने आगे कहा था, मैं खुश हूँ कि मुझे रुतुराज गायकवाड़, अंकित बावने, राहुल त्रिपाठी, रजनीश गुर्बानी और मुकेश चौधरी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज़ मनु भाकर ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। मनु ने फाइनल में 219.7 अंक हासिल किए। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन की कियान्के मा (243.2 अंक) ने जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की जीइन यांग (241.6 अंक) को रजत पदक मिला। टीम इवेंट में भी भारत को कांस्य पदक मिला। मनु, सुरूचि सिंह और पलक गुलिया की तिकड़ी ने 1730 अंक जुटाए। भारत की टीम केवल एक अंक से कोरिया (1731) से पीछे रही, जबकि चीन ने 1740 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में मनु ने 583 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। चीन की कियान्शुन याओ 584 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं। सुरूचि और पलक फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं।

द हंड्रेड: सैम करन और कॉक्स के दम पर ओवल इनविंसिबल्स की शानदार जीत

लंदन,19 अगस्त (एजेंसियां)।

ओवल इनविंसिबल्स ने द हंड्रेड में अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए सोमवार को सदर्न ब्रेव को सात विकेट से हराकर सीज़न की पांच में चौथी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में जॉर्डन कॉक्स और सैम करन की दमदार पारियों के अलावा राशिद खान की गेंदबाजी ने निर्णायक भूमिका निभाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए सदर्न ब्रेव की शुरुआत बेहद खराब रही। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन बेहरनडॉर्फ ने कप्तान जेम्स विंस और ल्यूस डु प्लोय को सस्ते में निपटाया। इसके बाद टॉम करन ने लॉरी इवांस को आउट कर ब्रेव को और दबाव में डाल दिया। इसी बीच राशिद खान ने शानदार वापसी करते हुए महज पांच गेंदों में तीन विकेट चटका दिए। उन्होंने पहले जेसन रॉय और माइकल ब्रेसवेल को लगातार गेंदों पर आउट किया और फिर जेम्स कोल्स को एलबीडब्ल्यू कर ब्रेव को 44/6 पर ला खड़ा किया। हालांकि हिल्टन कार्टराइट और जॉर्डन थॉम्पसन ने निचले क्रम में बहुमूल्य रन जोड़े। दोनों ने क्रमशः सातवें और आठवें विकेट के लिए अहम साझेदारियां निभाईं और टीम को 133 रन तक पहुंचाया। सैम करन ने अंत में दो विकेट लेकर उनकी पारी समेट दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए ओवल इनविंसिबल्स की शुरुआत भी लड़खड़ाई जब क्रेग ओवरटन ने विल जैक्स और तवांडा मुयेये को जल्दी आउट कर दिया। लेकिन इसके बाद जॉर्डन कॉक्स और सैम कर्रन ने मोर्चा संभाल लिया। कॉक्स ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए लगातार चौथे मैच में रन बनाए और ताबड़तोड़ शॉट्स से अर्धशतक जड़ा। कर्रन ने भी आकर्षक शॉट्स खेले और छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि कॉक्स को मिल्स ने आउट किया, लेकिन तब तक मैच लगभग खत्म हो चुका था। कप्तान सैम बिलिंग्स ने आते ही तीन चौके लगाए और कर्रन ने विजयी शॉट खेलकर मुकाबले को 11 गेंदें शेष रहते समाप्त किया।

इस जीत के साथ ओवल इनविंसिबल्स अंक तालिका में शीर्ष पर मजबूती से कायम है।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

सदर्न ब्रेव - 133 (98 गेंदों में, हिल्टन कार्टराइट 42; राशिद खान 3/20, सैम कर्रन 3/21)

ओवल इनविंसिबल्स - 134/3 (89 गेंदों में, जॉर्डन कॉक्स 56, सैम कर्रन 50*; क्रेग ओवरटन 2/21)

परिणाम: ओवल इनविंसिबल्स 7 विकेट से विजयी।

सिनसिनाटी ओपन 2025 : अल्कराज को खिताब, पहले सेट में ही सिनर बीमार होकर रिटायर

सिनसिनाटी,19 अगस्त (एजेंसियां)।

विश्व नंबर-2 स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सोमवार को अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीत लिया। खिताबी मुकाबला महज 20 मिनट चला क्योंकि मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 जैनिक सिनर पहले सेट के दौरान अस्वस्थ महसूस करने पर मैच से हट गए। 24 साल के सिनर, जिन्होंने शनिवार को ही जन्मदिन मनाया था, शुरुआती सेट में 0-5 से पिछड़ रहे थे जब उन्होंने चेयर अंपायर को खेल जारी न रख पाने की जानकारी दी। शुरुआती गेम से ही उनके खेल में कमजोरी नजर आई और वे अपनी सर्विस पर एक भी अंक नहीं जुटा सके। पांचवां गेम डबल फॉल्ट से गंवाने के बाद उन्होंने सिर पर आइसपैक रखा और जल्द ही डॉक्टर को बुलाकर अल्कराज से हाथ मिला लिया।

सिनर लगातार दूसरी बार सिनसिनाटी ओपन जीतकर रोजर फेडरर (2014-15) के बाद इतिहास रचने की कोशिश में थे। वे हार्ड कोर्ट पर 26 मैचों की जीत की लय के साथ उतरे थे। मैच के बाद उन्होंने कहा, मुझे बहुत खेद है कि आपको निराश करना पड़ा। कल से ही तबीयत ठीक नहीं थी और रातभर हालत और बिगड़ गई। कोशिश की कि थोड़ा मैच खेल सकूं लेकिन आगे जारी रखना संभव नहीं था। इससे उनके यूएस ओपन 2025 के मिक्स्ड डबल्स मुकाबले में खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है, जहां वे चेकिया की कतेरीना सिनीकोवा के साथ मंगलवार को उतरने वाले हैं। 22 वर्षीय अल्काराज़ ने सिनर के हालात पर सहानुभूति जताते हुए कहा,मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसी परिस्थितियों से आप और मजबूत होकर वापसी करेंगे, यही असली चैंपियन करते हैं। यह इस साल अल्कराज और सिनर के बीच चौथा मुकाबला था और सभी फाइनल रहे। विंबलडन फाइनल में सिनर ने अल्कराज को हराया था, जबकि रोलां गैरो में अल्कराज ने तीन चैंपियनशिप प्वाइंट बचाकर जीत दर्ज की। इटैलियन ओपन में भी अल्कराज ने सीधे सेटों में बाजी मारी थी, जो सिनर का डोपिंग बैन से वापसी का पहला टूर्नामेंट था।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

केर्न्स। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। रबाडा जैसे गेंदबाज का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा के दाहिने टखने में सूजन है और स्कैन जांच में उनकी चोट गंभीर होना पाया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, अब रबाडा ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में चोट से उबरकर फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे। रबाडा के बाहर होने के बाद उनकी जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में शामिल किय गया है। मफाका ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। वह पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं रहेंगे। मफाका ने अब तक 2 एकदिवसीय मैचों में 5 विकेट लिए हैं। वहीं रबाडा के बाहर होन से मेहमान अफ्रीकी टीम को नुकसान होगा क्योंकि रबाडा एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी अपनी टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका थी। 106 एकदिवसीय में इस गेंदबाज ने अबतक 168 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में अब उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर लय हासिल करना रहेगा।

केंद्र ने 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी, कैट ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दे दी है। सरकार ने यह कदम कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल कपास की बाजार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। सरकार के इस फैसले का भाजपा सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने स्वागत किया है। वित्त मंत्रालय की ओर से 18 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार कपास पर शुल्क छूट 19 अगस्त से प्रभावी होगी, जो 30 सितंबर तक लागू रहेगी। सरकार ने यह अनुमति कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार के लिए दी है। कपास पर अब तक 11 फीसदी आयात शुल्क के साथ-साथ कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) भी लगता था।

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, सरकार ने कपास पर आयात शुल्क को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला स्वागत योग्य कदम है। इससे देश के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले से रॉ कॉटन सस्ती आने से हमारे कपड़े की उत्पादन लागत कम होगी और निर्यात बढ़ेगा। उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ भारत का शेयर भी बढ़ेगा।

सरकार ने कपास आयात शुल्क में राहत ऐसे समय में दी है, जब कपड़ा क्षेत्र सहित भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में 50 फीसदी की भारी शुल्क दर का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी टैरिफ में मौजूदा 25 फीसदी शुल्क तथा अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क शामिल है, जो 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ये शुल्क भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर दंड के रूप में लगाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

भीलवाड़ा में खुलेगा देश का पहला जस्ता अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र

नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल), जो वेदांता समूह की एक प्रमुख कंपनी है, ने देश का पहला जस्ता धातु अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। यह संयंत्र राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के रामपुरा अगुचा क्षेत्र में लगाया जाएगा। एचजेडएल के निदेशक मंडल ने इस परियोजना के लिए 3,823 करोड़ रुपये तक के निवेश को मंजूरी दी है। यह संयंत्र एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता वाला होगा और इसके निर्माण में लगभग 28 महीने लगने की उम्मीद है। एचजेडएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना कंपनी की दीर्घकालिक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उत्पादन क्षमता को दोगुना करना है। संयंत्र में वैश्विक विशेषज्ञों की भागीदारी से तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है, जिससे पुराने खनन अपशिष्ट से जस्ता और चांदी जैसी कीमती धातुएं दोबारा प्राप्त की जा सकेंगी।कंपनी ने पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश से 2.5 लाख टन वार्षिक परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता बढ़ाने और खनिज प्रसंस्करण अवसंरचना को उन्नत करने की योजना मंजूर की हुई है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूर्व न्यायाधीश ...

जिन्होंने हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन को आकार दिया, जिन मूल्यों पर देश का संविधान और लोकतंत्र टिका हुआ है। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को एक वैचारिक संघर्ष करार देते हुए कहा है कि श्री रेड्डी जीवनभर संविधान के मूल्यों को प्रतिविम्बित कर इन मूल्यों के लिए लड़ाई लड़ते रहे हैं।

श्री खरगे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रहे श्री रेड्डी देश के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका लंबा कानूनी अनुभव रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करना शामिल है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए लड़ने वाले श्री रेड्डी सबके लिए समान न्याय के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर हमला किया जा रहा है और इंडिया गठबंधन इन हमलों का सख्ती से जवाब दे रहा है। विपक्षी दलों ने सत्ता पक्ष के इस हमले की चुनौती को स्वीकार किया है और इससे लड़ने तथा दृढता से इन चुनौतियों का मुकाबला करने का संकल्प लिया गया है और उसी संकल्प का प्रतिबिम्ब है कि श्री रेड्डी को विपक्षी दलों ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है।

उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकन के बाद अपना कानूनी करियर शुरू करने वाले श्री रेड्डी ने शुरुआत में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में दीवानी और रिट मामलों में वकालत की और 1988 से 1990 तक उच्च न्यायालय में सरकारी वकील रहे श्री रेड्डी केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के साथ ही उस्मानिया विश्वविद्यालय के कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील भी रहे। वह मई, 1995 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने और फिर दिसंबर 2005 में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए। श्री रेड्डी जनवरी 2007 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए और जुलाई 2011 को सेवानिवृत्त हुए।

श्री रेड्डी का मुकाबला राजग के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। श्री जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद, उपराष्ट्रपति पद खाली है। इसके लिए चुनाव 09 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है।

हरित हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनना है भारत का लक्ष्य : श्रीपद येसो नाइक

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक ने मंगलवार को कहा कि भारत का लक्ष्य हरित हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनना है। उन्होंने कहा कि 2030 तक दुनियाभर की मांग का लगभग 10 फीसदी निर्यात करना भी है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने यहां के फिक्की फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग में आयोजित फिक्की ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए ये घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम भारत को न केवल एक प्रमुख उत्पादक बनाना चाहते हैं, बल्कि हरित हाइड्रोजन निर्यात का एक वैश्विक केंद्र भी बनाना चाहते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीपद नाइक ने बताया कि भारत ने अपने महत्वाकांक्षी हरित हाइड्रोजन उत्पादन लक्ष्यों की दिशा में पर्याप्त प्रगति की है, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत 19 कंपनियों को 862,000 टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता पहले ही प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत का लक्ष्य वैश्विक हरित हाइड्रोजन की लगभग 10 फीसदी मांग को पूरा करना है, जिसके 2030 तक 100 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद है। सरकार ने 15 कंपनियों को 3,000 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण क्षमता प्रदान की है, जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण औद्योगिक विकास को दर्शाता है। नाइक ने कहा, हम भारत को न केवल एक प्रमुख उत्पादक बनाना चाहते हैं, बल्कि हरित हाइड्रोजन निर्यात का एक वैश्विक केंद्र भी बनाना चाहते हैं। उन्होंने तेज़ी से बढ़ते वैश्विक बाजार में खुद को एक विश्वसनीय निर्यातक के रूप में स्थापित करने की देश की रणनीति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्धियों को हरित हाइड्रोजन महत्वाकांक्षाओं की नींव बताया। जून 2025 तक कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग 237 गीगावाट तक पहुंच गई, जिसमें 119 गीगावाट सौर ऊर्जा, 52 गीगावाट पवन ऊर्जा और 49 गीगावाट बड़े जलविद्युत ऊर्जा शामिल हैं। नाइक ने कहा कि 8.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा के साथ, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत अब कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 फीसदी से अधिक प्रतिनिधित्व करते हैं।

आइनॉक्स विंड ने आईआरएसएल में 175 करोड़ की हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी पवन ऊर्जा कंपनी आइनॉक्स विंड लिमिटेड ने अपनी ईपीसी अनुषंगी कंपनी, आइनॉक्स रिन्यूएबल सॉल्यूशंस लिमिटेड (आईआरएसएल) में 175 करोड़ की हिस्सेदारी 7,400 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर निवेशकों को बेच दी है। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि हाल ही में आईआरएसएल के प्रस्तावित विलय को शेयर बाजारों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, जिससे यह सौदा आगे बढ़ा। आइनॉक्स विंड लिमिटेड 12 अरब डॉलर के आइनॉक्सजीएफएल समूह का हिस्सा है, जो नौ दशकों से रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सक्रिय है। यह निवेश भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और आइनॉक्स समूह की विस्तार रणनीति को मजबूती देता है। इस सौदे से कंपनी को वित्तीय मजबूती मिलेगी और भविष्य में विकास के नए अवसर खुलेंगे।

ओपन एआई ने पेश किया नया चेटजीपीटी गो प्लान कीमत 399 रुपए प्रति माह

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)।

सैम ऑल्टमैन के नेतृत्व वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने भारत के लिए नया सब्सक्रिप्शन प्लान चेटजीपीटी गो पेश किया है। यह प्लान खासतौर पर भारतीय यूज़र्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है और इसकी कीमत मात्र 399 प्रति माह है। कंपनी का कहना है कि इस प्लान में यूजर्स को जीपीटी-5 मॉडल पर आधारित एडवांस फीचर्स मिलेंगे, जिनमें ज्यादा मैसेज लिमिट, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोडिंग और चैट मेमोरी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, यह प्लान भारतीय भाषाओं का बेहतर सपोर्ट भी देगा, जिससे भाषा की बाधा कम होगी। ओपन एआई ने यह भी बताया कि भुगतान के लिए यूपीआई सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे भारतीय यूज़र्स के लिए पेमेंट और भी आसान हो गया है। वर्तमान में भारत में चेटजीपीटी प्लस (1,999 प्रति माह) और चेटजीपीटी प्रो (19,900 प्रति माह) सब्सक्रिप्शन विकल्प मौजूद हैं।

कोल इंडिया ने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के साथ कोलकाता में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों कंपनियों के बीच यह गैर-बाध्यकारी समझौता रेल अवसंरचना परियोजनाओं का विकास करने के लिए किया गया है। शेयर बाजार को मंगलवार को दी गई जानकारी में बताया गया क‍ि इस समझौता ज्ञापन पर सीआईएल के निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक और केआरसीएल के निदेशक (वित्त) राजेश भड़ंग ने सीआईएल अध्यक्ष पीएम प्रसाद और दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। कंपनी ने कहा कि कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के लिए रेल अवसंरचना परियोजनाओं के विकास और रखरखाव के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की गई है।

एमटीएनएल की जुलाई तक बैंक कर्ज चूक बढ़कर 8,659 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कंपनी की बैंक कर्ज भुगतान में चूक जुलाई 2025 के अंत तक बढ़कर 8,659.09 करोड़ रुपये हो गई है। एमटीएनएल ने इस जानकारी को शेयर बाजार को सूचित किया है। घाटे में चल रही इस कंपनी का कुल ऋण दायित्व 31 जुलाई तक 34,577 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 8,659.09 करोड़ रुपये बैंक ऋण, 24,071 करोड़ रुपये सरकारी गारंटी वाले बॉन्ड, और 1,921 करोड़ रुपये बॉन्ड पर ब्याज के भुगतान के लिए लिए गए ऋण शामिल हैं। कंपनी ने कई बैंकों को भुगतान में चूक की है। इनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 3,768.37 करोड़ रुपये, इंडियन ओवरसीज बैंक को 2,455.01 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ इंडिया को 1,131.54 करोड़ रुपये, पंजाब नेशनल बैंक को 478.26 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक को 363.43 करोड़ रुपये, यूको बैंक को 276.08 करोड़ रुपये और पंजाब एंड सिंध बैंक को 186.4 करोड़ रुपये की देनदारी शामिल है। यह चूक अगस्त 2024 से फरवरी 2025 के बीच हुई है। एमटीएनएल ने 31 मार्च 2025 के अंत तक 8,346.24 करोड़ रुपये की चूक की सूचना दी थी, जो अब बढ़कर 8,659 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में मामूली उछाल

नई दिल्ली,19 अगस्त (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है। सोना 400 रुपये से लेकर 430 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये से लेकर 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 92,350 रुपये से लेकर 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर कारोबार करते रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशकों के बीच निराशा का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पूरे दिन सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 6,449.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 21,629.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत लुढ़क कर 44,889.17 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,157.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,884.05 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,314.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक हरे निशान में बने हुए नजर आ रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 24,964.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,739.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,210.13 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 105.31 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,609 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,149 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 110.05 अंक यानी 0.45 प्रतिशत लुढ़क कर 24,372.47 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.29 प्रतिशत टूट कर 3,168.22 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत गिर कर 1,239.87 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,887.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बछबारस पूजा ...पुत्र की मंगल कामना !!

आज बछ बारस

पुत्र की दीर्घायु के लिए महिलाएं करेगी बछबारस, संतान सुख और समृद्धि का पर्व है बछ बारस

बछ बारस 20 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन गौमाता की बछड़े सहित पूजा की जाती है। माताएं अपने पुत्रों को तिलक लगाकर तलाई फोड़ने के बाद लड्डू का प्रसाद देती है यानि पुत्रवान महिलाये अपने पुत्र की मंगल कामना के लिए व्रत रखती है और पूजा करती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस दिन गेंहू से बने हुए पकवान और चाकू से कटी हुई सब्जी नही खाये जाते हैं। बाजरे या ज्वार का सोगरा और अंकुरित अनाज की कढ़ी व सूखी सब्जी बनाई जाती है। महिलाओं द्वारा सुबह गौमाता की विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद घरों या सामूहिक रूप से बनी मिट्टी व गोबर से बनी तलैया को अच्छी तरह सजाकर उसमें कच्चा दूध और पानी भरकर उसकी कुमकुम, मौली, धूप दीप प्रज्वलित कर पूजा करते हैं और बछबारस की कहानी सुनी जाती है। महिलाओं द्वारा सुबह गौमाता की विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद घरों या सामूहिक रूप से बनी मिट्टी व गोबर से बनी तलैया को अच्छी तरह सजाकर उसमें कच्चा दूध और पानी भरकर उसकी कुंकुम, मौली, धूप दीप प्रज्वलित कर पूजा करते हैं और बछबारस की कहानी सुनी जाती है।

पंचाग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि 19 अगस्त मंगलवार की दोपहर 03:32 मिनिट से शुरू होगी जो 20 अगस्त बुधवार की दोपहर 01:58 मिनट तक रहेगी। यानी द्वादशी तिथि का सूर्योदय 20 अगस्त को होगा, इसलिए इसी दिन ये व्रत किया जाएगा।

बछ बारस प्रतिवर्ष जन्माष्टमी के चार दिन पश्चात भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की द्वादशी के दिन 20 अगस्त को मनाया जाता है इसलिए इस गोवत्स द्वादशी भी कहते है। भगवान कृष्ण के गाय और बछड़ो से बड़ा प्रेम था इसलिए इस त्यौहार को मनाया जाता है और ऐसा माना जाता है की बछ बारस के दिन गाय और बछड़ो की पूजा करने से भगवान कृष्ण सहित गाय में निवास करने वाले सैकड़ो देवताओ का आशीर्वाद मिलता है जिससे घर में खुशहाली और सम्पन्नता आती है। बछबारस का पर्व राजस्थानी महिलाओं में ज्यादा लोकप्रिय है।

बछबारस पूजन की सामग्री और पूजा विधि

पूजा के लिए भैंस का दूध और दही , भीगा हुआ चना और मोठ ले। मोठ-बाजरे में घी और चीनी मिलाये।गाय के रोली का टीका लगाकर चावल के स्थान पर बाजरा लगाये। बायने के लिए एक कटोरी में भीगा हुआ चना , मोठ ,बाजरा और रुपया रखे। इस दिन बछड़े वाले गाय की पूजा की जाती है यदि गाय की पूजा नही कर सकते तो एक पाटे पर मिटटी से बछबारस बनाते है और उसके बीच में एक गोल मिटटी की बावडी बनाते है। फिर उसको थोडा दूध दही से भर देते है। फिर सब चीजे चढाकर पूजा करते है। इसके बाद रोली ,दक्षिण चढाते है। स्वयम को तिलक निकालते है। हाथ में मोठ और बाजरे के दाने को लेकर कहानी सुनाते है। बछबारस के चित्र की पूजा भी की जा सकती है।

बछबारस की कहानी

बहुत समय पहले की बात है एक गाँव में एक साहूकार अपने सात बेटो और पोतो के साथ रहता था। उस साहूकार ने गाँव में एक तालाब बनवाया था लेकिन बारह सालो तक वो तालाब नही भरा था। तालाब नही भरने का कारण पूछने के लिए उसने पंडितो को बुलाया। पंडितो ने कहा कि इसमें पानी तभी भरेगा जब तुम या तो अपने बड़े बेटे या अपने बड़े पोते की बलि दोगे। तब साहूकार ने अपने बड़ी बहु को तो पीहर भेज दिया और पीछे से अपने बड़े पोते की बलि दे दी। इतने में गरजते बरसते बादल आये और तालाब पूरा भर गया।

इसके बाद बछबारस आयी और सभी ने कहा की अपना तालाब पूरा भर गया है इसकी पूजा करने चलो।साहूकार अपने परिवार के साथ तालाब की पूजा करने गया।वह दासी से बोल गया था की गेहुला को पका लेना।गेहुला से तात्पर्य गेहू के धान से है। दासी समझ नही पाई। दरअसल गेहुला गाय के बछड़े का नाम था। उसने गेहुला को ही पका लिया। बड़े बेटे की पत्नी भी पीहर से तालाब पूजने आ गयी थी। तालाब पूजने के बाद वह अपने बच्चो से प्यार करने लगी तभी उसने बड़े बेटे के बारे में पुछा।

तभी तालाब में से मिटटी में लिपटा हुआ उसका बड़ा बेटा निकला और बोला की माँ मुझे भी तो प्यार करो।तब सास बहु एक

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दुसरे को देखने लगी। सास ने बहु को बलि देने वाली सारी बात बता दी। फिर सास ने कहा की बछबारस माता ने हमारी लाज रख ली और हमारा बच्चा वापस दे दिया। तालाब की पूजा करने के बाद जब वह वापस घर लौटे तो उन्होंने देखा बछड़ा नही था। साहूकार ने दासी से पूछा की बछड़ा कहा है तो दासी ने कहा कि आपने ही तो उसे पकाने को कहा था।

साहूकार ने कहा की एक पाप तो अभी उतरा ही है तुमने दूसरा पाप कर दिया । साहूकार ने पका हुआ बछड़ा मिटटी में दबा दिया। शाम को गाय वापस लौटी तो वह अपने बछड़े को ढूंढने लगी और फिर मिटटी खोदने लगी। तभी मिटटी में से बछड़ा निकल गया। साहूकार को पता चला तो वह भी बछड़े को देखने गया। उसने देखा कि बछडा गाय का दूध पीने में व्यस्त था। तब साहूकार ने पुरे गाँव में यह बात फैलाई कि हर बेटे की माँ को बछबारस का व्रत करना चाहिए और तालाब पूजना चाहिए। हे बछबारस माता ! जैसा साहूकार की बहु को दिया वैसा हमे भी देना।कहानी कहते सुनते ही सभी की मनोकामना पूर्ण करना। इसके बाद गणेश जी की कहानी कहे।

बायना निकालना

एक कटोरी मोंठ ,बाजरा रखकर उसके उपर रुपया रख देवे। इनको रोली और चावल से छींटा देवे।दोनों हाथ जोडकर कटोरी को पल्ले से ढककर चार बार कटोरी के उपर हाथ फेर ले। फिर स्वयम के तिलक निकाले। यह बायना सांस को पाँव छुकर देवे। बछबारस के दिन बेटे की माँ बाजरे की ठंडी रोटी खाती है। इस दिन भैंस का दूध ,बेसन ,मोंठ आदि खा सकते है। इस दिन गाय का दूध , दही ,गेहू और चावल नही खाया जाता है।

उद्यापन

जिस साल लड़का हो या जिस साल लडके की शादी हो उस साल बछबारस का उद्यापन किया जाता है। सारी पूजा हर वर्ष की तरह करे। सिर्फ थाली में सवा सेर भीगे मोठ बाजरा की तरह कुद्दी करे। दो दो मुट्ठी मोई का (बाजरे की आटे में घी ,चीनी मिलाकर पानी में गूँथ ले) और दो दो टुकड़े खीरे के तेरह कुडी पर रखे। इसके उपर एक तीयल (दो साडीया और ब्लाउज पीस) और रुपया रखकर हाथ फेरकर सास को छुकर दे। इस तरह बछबारस का उद्यापन पूरा होता है।

महत्व

यह पर्व पुत्र की मंगल-कामना के लिए किया जाता है। इस पर्व पर गीली मिट्टी की गाय, बछड़ा, बाघ तथा बाघिन की मूर्तियां बनाकर पाट पर रखी जाती हैं तब उनकी विधिवत पूजा की जाती है। भारतीय धार्मिक पुराणों में गौमाता में समस्त तीर्थ होने की बात कहीं गई है। पूज्यनीय गौमाता हमारी ऐसी मां है, जिसकी बराबरी न कोई देवी-देवता कर सकता है और न कोई तीर्थ. गौमाता के दर्शन मात्र से ऐसा पुण्य प्राप्त होता है, जो बड़े-बड़े यज्ञ, दान आदि कर्मों से भी नहीं प्राप्त हो सकता। ऐसी मान्यता है कि सभी देवी-देवताओं एवं पितरों को एक साथ खुश करना है तो गौभक्ति-गौसेवा से बढ़कर कोई अनुष्ठान नहीं है। गौ माता को बस एक ग्रास खिला दो, तो वह सभी देवी-देवताओं तक अपने आप ही पहुंच जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार गौमाता कि पृष्ठदेश में ब्रह्म का वास है, गले में विष्णु का, मुख में रुद्र का, मध्य में समस्त देवताओं और रोमकूपों में महर्षिगण, पूंछ में अनंत नाग, खूरों में समस्त पर्वत, गौमूत्र में गंगादि नदियां, गौमय में लक्ष्मी और नेत्रों में सूर्य-चन्द्र विराजित हैं इसीलिए बछ बारस या गोवत्स द्वादशी के दिन महिलाएं अपने बेटे की सलामती, लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए यह पर्व मनाती है। इस दिन घरों में विशेष कर बाजरे की रोटी जिसे सोगरा भी कहा जाता है और अंकुरित अनाज की सब्जी बनाई जाती है. इस दिन गाय की दूध की जगह भैंस या बकरी के दूध का उपयोग किया जाता है।

विघ्नों के निवारण करने वाले और इच्छाओं के दाता है श्री चिंतामन गणेश

गणेश पूजा हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है और इसे भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए किया जाता है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि, और सौभाग्य के देवता माना जाता है। उन्हें नए कार्यों की शुरुआत में पूजा जाता है और हर शुभ अवसर पर उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए उनकी आराधना की जाती है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में पवित्र चिंतामन गणेश मंदिर में बाधाओं का निवारण करने वाले और इच्छाओं के दाता चिंतामन गणेश के दिव्य आशीर्वाद का अनुभव करें। यह विशेष चिंतामणि विघ्नहर्ता पूजा जीवन के सभी पहलुओं में समृद्धि, कल्याण और सफलता के लिए भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए समर्पित है। प्रामाणिक अनुष्ठानों और मंत्रों के साथ की जाने वाली यह पूजा बाधाओं को दूर करने और भक्तों के लिए शांति, स्वास्थ्य और खुशी लाने के लिए भगवान गणेश की दिव्य ऊर्जा का आह्वान करती है।

उज्जैन के प्रतिष्ठित और प्राचीन मंदिर चिंतामन गणेश मंदिर में होने वाली यह अनूठी गणेश पूजा बहुत आध्यात्मिक महत्व रखती है। इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने से परमात्मा के साथ एक शक्तिशाली संबंध बनता है, जिससे आपको बाधाओं को दूर करने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और भगवान गणेश के संरक्षण में एक धन्य जीवन जीने में मदद मिलती है।

गणेश पूजा का महत्व और उद्देश्य

बुद्धि और ज्ञान: गणेश जी को बुद्धि, समझ, और ज्ञान का देवता माना जाता है। उनकी पूजा से व्यक्ति में बुद्धिमानी और समस्या समाधान की क्षमता बढ़ती है।

सफलता और समृद्धि: गणेश पूजा से कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। इसे व्यवसाय, शिक्षा, और अन्य क्षेत्रों में समृद्धि के लिए किया जाता है।

रुके हुए कार्यों की सिद्धि: गणेश जी को विघ्नहर्ता कहा जाता है। उनकी पूजा से सभी विघ्न (बाधाएँ) दूर होती हैं और कार्यों में प्रगति होती है।

मानसिक शांति: गणेश पूजा से मानसिक शांति और संतुलन प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

गणेश पूजा के अनेक लाभ हैं, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता, समृद्धि और शांति प्रदान करते हैं। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता (बाधाओं को दूर करने वाला) और सिद्धिदाता (सफलता प्रदान करने वाला) कहा जाता है। उनकी पूजा से व्यक्ति के जीवन में कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं।

गणेश पूजा के लाभ

सभी कार्यों में सफलता: गणेश जी को नए कार्यों की शुरुआत से पहले पूजा जाता है। उनकी कृपा से कोई भी कार्य बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक पूरा होता है। चाहे वह नौकरी हो, व्यवसाय हो, शिक्षा हो या कोई नया प्रोजेक्ट, गणेश जी की पूजा सफलता सुनिश्चित करती है।

विघ्नों का निवारण: भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, अर्थात् जो सभी प्रकार की बाधाओं और कठिनाइयों को दूर करते हैं। उनकी पूजा से जीवन में आने वाले सभी अवरोध और समस्याएँ समाप्त हो जाती हैं, जिससे मार्ग प्रशस्त हो जाता है।

बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति: गणेश जी को बुद्धि और ज्ञान के देवता के रूप में पूजा जाता है। गणेश पूजा करने से व्यक्ति की सोचने की क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता में सुधार होता है। छात्र और पेशेवर, दोनों के लिए यह पूजा विशेष रूप से लाभकारी मानी जाती है।

समृद्धि और सौभाग्य: गणेश जी को समृद्धि और सौभाग्य के देवता के 3रूप में भी माना जाता है। उनकी पूजा से धन, ऐश्वर्य और वैभव की प्राप्ति होती है। यह पूजा आर्थिक उन्नति और समृद्धि के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है।

मन की शांति और संतुलन: गणेश पूजा से मानसिक शांति और संतुलन प्राप्त होता है। यह पूजा व्यक्ति के मन से नकारात्मकता, तनाव, और चिंता को दूर करती है और उसे सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति मानसिक रूप से शांत और संतुलित महसूस करता है।

सकारात्मक ऊर्जा का संचार: गणेश जी की पूजा से घर और कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह पूजा वातावरण को पवित्र और शुभ बनाती है, जिससे घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम बना रहता है।

स्वास्थ्य लाभ: भगवान गणेश की कृपा से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। गणेश पूजा करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को लाभ होता है। यह पूजा रोग और शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाने में भी सहायक मानी जाती है।

आध्यात्मिक उन्नति: गणेश पूजा से न केवल भौतिक जीवन में सुधार होता है, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। व्यक्ति का मन शांत होता है और आत्मिक उन्नति की दिशा में बढ़ता है। यह पूजा व्यक्ति को आत्म-साक्षात्कार और ईश्वर की निकटता का अनुभव कराती है।

गणेश पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ करने से भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की प्राप्ति होती है।

भादो का बुध प्रदोष व्रत आज, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और सही विधि

हर महीने में दो बार प्रदोष व्रत रखा जाता है, एक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को और दूसरा शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर। आज यानी 20 अगस्त को भाद्रपद माह का पहला प्रदोष व्रत है। प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। बुधवार के दिन पड़ने के कारण इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि बुध प्रदोष व्रत करने से कुंडली में बुध ग्रह के दोष शांति होते हैं और व्रती की सभी समस्याएं भी दूर होती हैं।

बुध प्रदोष व्रत 2025

पंचांग के अनुसार, भादो कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 अगस्त को दोपहर 1:58 मिनट से शुरू होकर 21 अगस्त को दोपहर 12:44 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 20 अगस्त को प्रदोष व्रत रखना शुभ रहेगा।

बुध प्रदोष व्रत पूजा समय

बुध प्रदोष व्रत पर महादेव की पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अगस्त को शाम 6:56 मिनट से रात 9:07 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप महादेव की आराधना कर सकते हैं। 20 अगस्त को राहुकाल दोपहर 12:24 मिनट से लेकर दोपहर 2:02 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दौरान पूजा नहीं करनी चाहिए।

प्रदोष काल 2025

बुध प्रदोष व्रत पर प्रदोष काल शाम 6:56 मिनट से रात 9:07 मिनट तक है। इस दौरान पूजा और कथा का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। शाम के समय पूजा के बाद बुध प्रदोष व्रत कथा सुनें और आरती करें।

बुध प्रदोष व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, बुधवार का दिन पड़ने से प्रदोष व्रत का संबंध भगवान शिव के साथ उनके पुत्र गणपति से जुड़ जाता है। कहते हैं कि बुध प्रदोष व्रत के दिन पूजा करने से सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, सभी पाप नष्ट होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत वैवाहिक जीवन की समस्याओं को दूर करने में लाभकारी माना गया है।

प्रदोष व्रत की पूजा कैसे करें?

प्रदोष व्रत के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर साफ कपड़े पहनें।

पूजा स्थल पर गंगाजल का छिड़कें और शिव-पार्वती की प्रतिमा रखें।

फिर कुश के आसन पर बैठकर भगवान शिव और गणपति की पूजा करें।

भगवान शिव को दूध, जल, दही, शहद, घी से स्नान कराएं।

फिर उन्हें बेलपत्र, फूल, इत्र, जौं, गेहूं, काला तिल आदि चढ़ाएं।

इसके बाद धूप और दीप जलाकर विधिवत पूजा करें।

गणपति बप्पा को पंचामृत से स्नान कराएं और उन्हें सिंदूर-घी का तिलक लगाएं।

बप्पा को तिलक लगाने के बाद दूर्वा, मोदक, सुपारी-पान और फूल चढ़ाएं।

विधि-विधान से पूजा कर 'ओम गं गणपते नम:' और 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जप करें।

पितृ पक्ष में जरूर करें इन नियमों का पालन बना रहेगा पितरों का आशीर्वाद

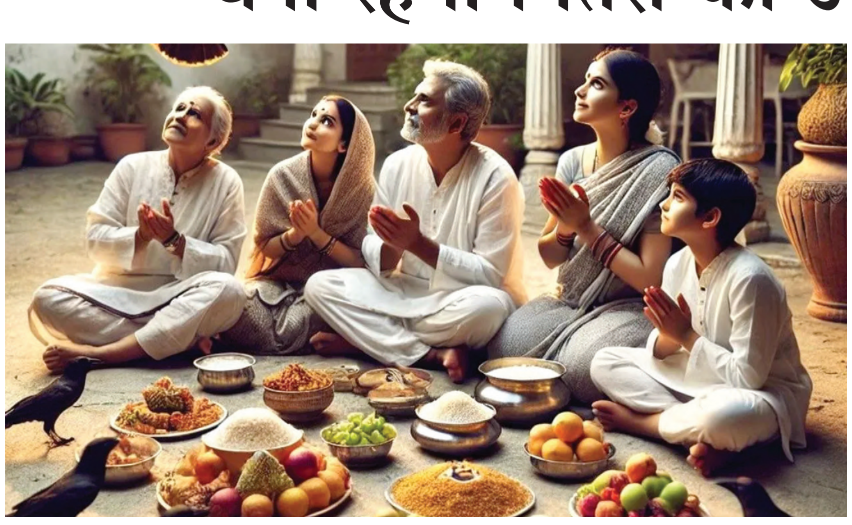

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। साल 2025 में पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो रही है। इस दौरान पितरों का श्राद्ध किया जाता है। पितरों का श्राद्ध करने से उनका आशीर्वाद और कृपा परिवार पर बनी रहती है। पितृ पक्ष में कुछ ऐसे नियम हैं जिनका पालन करना महत्वपूर्ण होता है। माना जाता है इन नियमों का पालन करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और इन नियमों का पालन करने का अर्थ है पितरों का सम्मान करना।

पितृ पक्ष में दान, पुण्य का विशेष महत्व है। इस दौरान अपने हाथ से सभी को कुछ ना कुछ दान जरूर करना चाहिए। पितृ पक्ष में तामसिक भोजन, मांस, मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। माना जाता है इस दौरान पितृपक्ष के दौरान 15 दिन पितृ धरती पर आते हैं इसलिए उनके सम्मान में इन सभी चीजों का त्याग करना चाहिए। पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मण को भोजन जरूरी होता है। इस दौरान ब्राह्मण को पूरे सम्मान के साथ अपने घर बुलाएं और उनका आदर करें और उन्हें भोजन कराएं और दक्षिणा दें।

पितृ पक्ष में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है। इन कार्यों को करने पितृ प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही उनसे किसी भी गलती के लिए क्षमा जरूर मांगे। पितृ पक्ष में पशु-पक्षियों को भोजन खिलाना चाहिए। इस कार्यों को करना बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। इस दौरान खासकर गाय और कौओं को भोजन जरूर कराएं।

46 साल बाद साथ आ रहे हैं रजनीकांत और कमल हासन, इस डायरेक्टर ने किया कमाल

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इनमें 'अपूर्व रागंगल', 'अवल अप्पादिथन', '16 वैयाथिनिले', 'इलामै ऊंजल आदुकिराथु', 'थिल्लू मुल्लू' और 'निनैथले इनिक्कूम' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए दर्शक उत्सुक रहते हैं। इस जोड़ी को आखिरी बार हिंदी फिल्म 'गिरफ्तार' में देखा गया था। यह साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं।

इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनकराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं।

इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनकराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन नायक और रजनीकांत खलनायक की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे।

इस फिल्म को लोकेश कनकराज ने ही डायरेक्ट किया है। इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं।

वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

रजनीकांत की फिल्म कुली ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, 5 दिन में 400 करोड़ से ज्यादा की कमाई

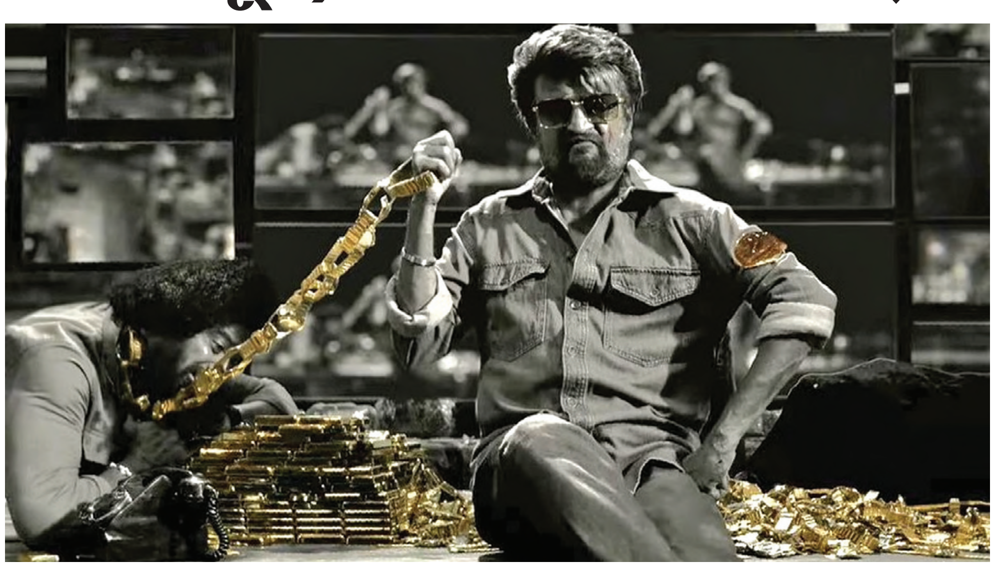

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत के लाखों फैंस हैं। उनका हर अंदाज, हर डायलॉग और हर एक्शन उनके चाहने वालों के दिलों में बस जाता है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'कुली' का क्रेज फैंस के बीच साफ देखने को मिल रहा है। आप इस बात से भी अंदाजा लगा सकते हैं कि सुबह-सुबह के शो भी पूरे भरे हुए हैं। फिल्म को रिलीज हुए अभी सिर्फ 5 दिन हुए हैं, और इसने वर्ल्डवाइड कलेक्शन में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, सिर्फ पांच दिन में फिल्म ने दुनियाभर में 407.90 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। वहीं, भारत में फिल्म ने 245.50 करोड़ रुपए की कमाई की है।

ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि अगर दर्शकों का प्यार ऐसे ही बना रहा, तो फिल्म जल्द ही 500 करोड़ के आंकड़े को पार कर सकती है।

भारत में 'कुली' को तमिल, तेलुगू, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया गया है। सभी भाषाओं में दर्शक इसे काफी पसंद कर रहे हैं। पहले दिन से ही थिएटरों में लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार को फिल्म ने 65 करोड़, शुक्रवार को 54.75 करोड़, शनिवार को 39.50 करोड़, रविवार को 35.25 करोड़ और सोमवार को 12.15 करोड़ रुपए की नेट कमाई की। भले ही सोमवार को थोड़ी गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन कुल आंकड़ों ने इसे साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बना दिया है।

'कुली' एक एक्शन से भरी फिल्म है, जिसमें रजनीकांत के साथ नागार्जुन, श्रुति हासन, सोबिन शाहिर और आमिर खान जैसे कलाकार हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है, जो 'कैथी', 'विक्रम' और 'मास्टर' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म की कहानी 'देवा' नामक शख्स की है, जो पहले कुली था, लेकिन अब एक पुरानी हवेली में बोर्डिंग हाउस चलाता है। इस बीच उसे अपने 30 साल पुराने बचपन के दोस्त राजशेखर की अचानक हुई मौत के बारे में पता चलता है। वह उसकी मौत के पीछे की हकीकत जानने की कोशिश करता है।

इस दौरान उसे पता चलता है कि राजशेखर की मौत दिल के दौरे से नहीं हुई है, बल्कि उसकी हत्या हुई है। इसके पीछे एक खतरनाक गैंग का हाथ है, जो तस्करी और गैरकानूनी धंधों में लिप्त है।

फिल्म में 'देवा' अपने दोस्त की बेटियों की जिम्मेदारी उठाता है और फिर अपने स्टाइल में बदला लेने निकल पड़ता है। कहानी में थ्रिल, इमोशन और जबरदस्त एक्शन है। खासकर रजनीकांत के फाइट सीन और उनके अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं।

शेकी-शेकी पर गुलाबी साड़ी पहन झूम के नाचीं माधुरी दीक्षित, मान लिया- रुकना नामुमकिन

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित, अब भले ही फिल्मों में कम नजर आती हैं, लेकिन अपने फैंस से जुड़े रहने का मौका नहीं जाने देतीं। गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो पोस्ट कर उन्होंने शेकी-शेकी अंदाज से सबको चौंका दिया है। हिंदी सिने जगत की डांसिंग क्वीन ने अपने बिंदास हाव-भाव से सबको हक्का-बक्का कर दिया है। उन्होंने खुद ही माना है कि रुकना नामुमकिन है! अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग मराठी सॉन्ग 'शेकी-शेकी' पर डांस करती रील पोस्ट की। माधुरी ने 'बेबी पिंक' रंग की साड़ी पहनी हुई है और गाने के बोल के साथ पूरा न्याय कर रही हैं, यानी पूरे सटीक एक्सप्रेशन के साथ हुक स्टेप्स निभा रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, वाइब = शेकी मूव्स = अन्स्टॉपेबल। उन्होंने कहने की कोशिश की है कि शेकी मूव्स के दौर में वो खुद को रोक नहीं पा रही हैं।

नेटिजन्स इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं, और वीडियो पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, एक नंबर मोहिनी, दूसरे यूजर ने लिखा, आखिरकार इन्होंने भी ये ट्रेंड अपना लिया, और एक अन्य यूजर ने लिखा, उफ्फ उफ्फ!

बता दें, सॉन्ग 'शेकी-शेकी' को संजू राठौड़ ने आवाज देने के साथ लिखा और संगीतबद्ध भी किया है। जी-स्पार्क ने गाने का निर्माण किया है। गाने में 'बिग बॉस' फेम ईशा मालवीय हैं, जिसे लोगों ने काफी प्यार दिया है। गाना 2025 में रिलीज हुआ और यह रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिस पर आम से लेकर खास लोग परफॉर्म कर चुके हैं।

उनकी केमिस्ट्री गाने में शानदार है।

'शेकी' को संजू राठौड़ ने गाया है। उन्होंने इस गीत को रचा और संगीतबद्ध भी किया है। जी-स्पार्क ने गाने का निर्माण किया है। इससे पहले उनका गीत गुलाबी साड़ी' भी काफी ट्रेंड में था। शेकी-शेकी की बात करें तो गायक संजू राठौड़ का गाना 'गुलाबी साड़ी' 2024 में 6 फरवरी को रिलीज हुआ था, जिसके वीडियो को 70 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

विस्टा विलेज के लिए मलयालम सीखना एक चुनौती थी: सनी लियोनी

अभिनेत्री सनी लियोनी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। वो बहुत जल्द साउथ इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। वो साउथ की पहली फिल्म करने जा रही हैं। इसका नाम होगा 'विस्टा विलेज'।

इस फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा, क्या चुनौतियां सामने आईं, इस बारे में सनी लियोनी ने बात की है।

सनी ने कहा, विस्टा विलेज में काम करना मेरे लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा है। मलयालम सीखना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन साथ ही बहुत फायदेमंद भी रही और इसने मुझे अपने किरदार से जुड़ने में मदद की। कासरगोड के खूबसूरत, दुर्गम इलाकों में शूटिंग करना वाकई यादगार रहा और मुझे केरल में हमेशा बहुत प्यार मिला है। मैं इस फिल्म के लिए वाकई बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसकी रिलीज को लेकर। यह फिल्म चार भाषाओं में रिलीज हो रही है और मैं बेसब्री से इसका इंतजार कर रही हूं।

इस फिल्म को तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की शूटिंग केरल के कासरगोड के सुदूर इलाकों में की गई है और इसमें मलयालम सिनेमा के लगभग 40 कलाकारों के साथ शूटिंग हुई है। उनके साथ-साथ बॉलीवुड, कश्मीर, पंजाब और अन्य क्षेत्रों के कलाकार भी इसमें हैं। इसकी स्टोरी पारिवारिक ड्रामा, कॉमेडी, सस्पेंस और युवाओं को ध्यान में रखकर लिखी गई है। 'विस्टा विलेज' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म में से एक है।

सनी लियोनी की यह पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है, जिसके लिए फैंस उत्साहित दिख रहे हैं। उनके फैंस उन्हें मूवी में नए अवतार में देखने के लिए बेकरार हैं। इस फिल्म को डब्लूएममूवीज प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसके निर्देशक पम्पल्ली हैं। हाल ही में इसके टाइटल लॉन्च की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर की थीं। यह मूवी जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

अक्षरा सिंह का नया भोजपुरी गाना 'मिस्टेक हो गया' रिलीज

भोजपुरी सिनेमा जहां एक्टर्स सिंगर भी होते हैं वहीं कम ही एक्ट्रेसेस को गायकी आती है। उन कम एक्ट्रेसेस में एक अक्षरा सिंह भी हैं, जिनके म्यूजिक एल्बम यूट्यूब पर कमाल कर जाते हैं। अक्षरा सिंह का नया म्यूजिक एल्बम 'मिस्टेक हो गया' आज यानी 17 अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज किया गया है। इस गाने में अक्षरा सिंह ही नजर आई हैं और वो सिरफिरे आशिक की अकल ठिकाने लगाती दिख रही हैं।

'मिस्टेक हो गया' गाना अक्षरा सिंह के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। गाने को अक्षरा सिंह ने गाया और ये उनपर ही फिल्माया गया है। अक्षरा गाने में ये कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें गलत इंसान से प्यार हो गया और ये उनकी गलती है। पूरा गाना इसी पर बना है जो उन लड़कियों को रिलेट कर सकता है, जिनके पार्टनर उन्हें धोखा देते हैं। मिस्टेक हो गया' गाने की प्रोड्यूसर अक्षरा सिंह ही हैं। इस गाने का म्यूजिक रोशन सिंह ने तैयार किया है। गाना काफी मदेजार है और इसे लड़कियां ज्यादा पसंद करने वाली हैं। अक्षरा जितने गाने प्रोड्यूस करती हैं उसे इसी यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया जाता है और उनके ज्यादातर गाने यूट्यूब पर फैंस खूब पसंद भी करते हैं।

5 जुलाई 2025 को अक्षरा सिंह का पिछला गाना इनफिनिक्स म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था। जो एक पंजाबी गाना था और इसके गायक तुषार जुले थे। जिसे यूट्यूब पर भोजपुरी और पंजाबी दोनों तरफ के दर्शकों ने पसंद किया। वहीं 18 जुलाई को भोजपुरी फिल्म रुद्र-शक्ति सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे भोजपुरी दर्शकों ने काफी पसंद किया। उस फिल्म में अक्षरा सिंह ने लीड एक्ट्रेस शक्ति का रोल प्ले किया था, वहीं रुद्र का रोल विक्रांत सिंह राजपूत ने निभाया था। दोनों की जोड़ी फिल्म में पसंद की गई और ये एक खूबसूरत लव स्टोरी थी जिसके गाने भी हिट थे।

मैंने जासूसी फिल्में देखकर किरदारों के हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा : नीरू बाजवा

अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'तेहरान' में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की।नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। नीरू ने कहा, मैंने कोई खास रिहर्सल या एक्टिंग नहीं की थी। मैंने सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा।

इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई। नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ।

उन्होंने जॉन के साथ अभिनय को एक शानदार अनुभव बताया और कहा, जॉन एक बेहतरीन को-एक्टर हैं। उनकी एनर्जी और जोश कमाल है। एक अच्छा को-एक्टर आपके अभिनय को निखारता है और 'तेहरान' में जॉन ने ऐसा ही किया। नीरू ने फिल्म को चुनने की वजह साझा करते हुए कहा, मेरे किरदार की मजबूती और स्पष्टता ने मुझे आकर्षित किया।

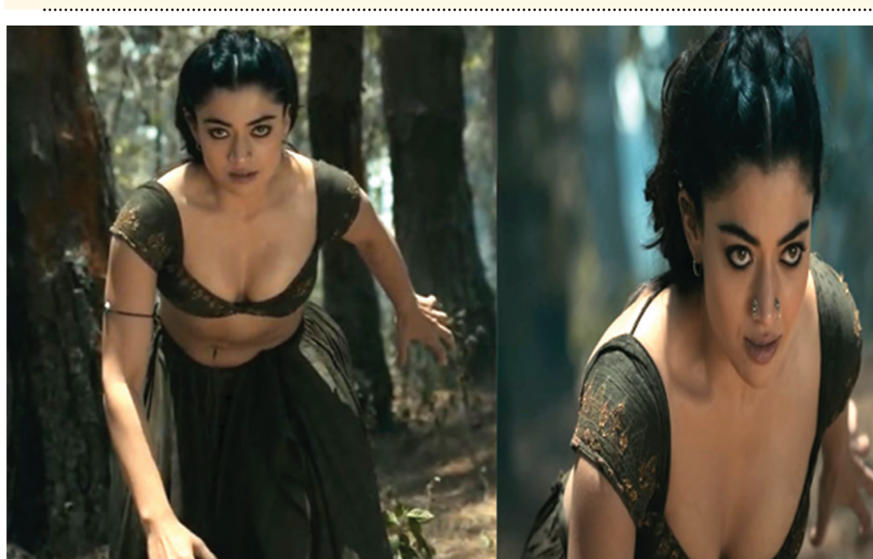

जंगल, प्यार और खून-खराबा.. हॉरर लव स्टोरी थामा का टीजर रिलीज

प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स अपनी हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के लिए जाना जाता है। 'स्त्री', 'स्त्री 2', और 'भेड़िया' जैसी फिल्मों के बाद अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'थामा' आ रही है, जिसका टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इसमें रोमांस के साथ-साथ हॉरर और एक्शन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं।

टीजर की शुरुआत एक घने जंगल से होती है, जहां आयुष्मान और रश्मिका एक-दूसरे के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड से आवाज आती है, 'रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?' और इस पर एक्ट्रेस जवाब देती है, '100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।' इस डायलॉग के बाद कहानी भयानक मोड़ लेती है।

आयुष्मान और रश्मिका की लव स्टोरी के बीच टीजर में डरावने और थ्रिल से भरपूर सीन आते हैं। जंगल में कुछ अजीब घटनाएं होती हैं। आयुष्मान जानवरों और खतरनाक ताकतों से लड़ते नजर आते हैं। टीजर की लंबाई करीब 1 मिनट 49 सेकंड है और इसमें कई ऐसे सीन हैं, जिन्हें देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसमें मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी है। वहीं, वेब सीरीज 'पंचायत' के 'प्रह्लाद चा' यानी फैसल मलिक भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। टीजर के आखिर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, 'पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।'इस झलक से स्पष्ट है कि फिल्म में रोमांस के साथ-साथ हॉरर, एक्शन, और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है।

फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना खूनी। 'थामा' दीवाली के

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को फिजूलखर्ची से बचना होगा सेवींग बढानी होगी स्वभाव मे शान्ति रखनी होगी आप कुछ चिड़चिड़ाहट महसूस करेंगे और आपका आत्मविश्वास स्तर गिर सकता है. आपके विरोधी आप के विरुद्ध काम कर सकते हैं और आपकी चिंताओं का कारण बन सकते हैं. नया कारोबार शुरू करने या किसी भी सौदे को अंतिम रूप देने के लिए एक अच्छा समय नहीं है. आप को मौसमी बिमारी से बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना पडेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम के बोझ के कारण शरीर मे थकान महसूस होगी. आप की कुछ लोगों से बहस हो सकती है. विचारों मे मतभेद होगा . काम को लेकर मन मे आत्मविश्वास रखें सफलता निश्चित होगी किसी तरह का डर मन में न रखें. किसीखास व्यक्ति के बारे में आपको नई बात पता चल सकती है. जरूरत के मुताबिक पैसों की व्यवस्था हो सकती है.दाम्पत्य जीवन मे तनाव होगा आप–को परेशानी महसूस होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप को दिनचर्या मे बदलाव करना पडेगा .जिससे आप को टेंशन पैदा होगा आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे. आप कोई जरूरी प्लानिंग भी कर सकते हैं. आपका दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. किसी नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. नई जिम्मेदारियां आपको जल्दी मिल सकती है. आपको अपनी नौकरी मे बदलाव का योग बनेगा । कबूतर को दाना डालें थकावट दूर रहेगी आय के स्त्रोत खुलेंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप का अपने कर्मचारियों पर गुस्सा करना हानिकारक साबित होगा इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है. यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से सुलझाने की जरुरत हैं. आप को प्यार मे धोखा मिलेगा शारीरिक और मानसिक रुप से आप तनाव मे रहेंगे आज उन वस्तुओं को खरीदने से आपको बचना चाहिए जिनकी अभी आपको बहुत ज्यादा आ–वश्यकता नहीं है. मित्रों के साथ घूमने का आनंद लेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप पढाई के लिए विदेश मे उच्च शिक्षा के लिए जा सकते हैं . व्यवसायी लम्बे समय से चली आ रही जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, लेकिन आपको अपने खर्चों पर संयम रखने की भी आवश्यकता है. बेकार की गतिविधियों पर समय और ऊर्जा खर्च न करें. अगर आप अविवाहित हैं, तो आपको शादी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं. आप के निकट सम्बन्धी मे किसी को शारीरीक कष्ट हो सकता हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ओवरटाइम करना पडेगा अतिरिक्त धन लाभ भी जरुर होगा अच्छे नतीजों के लिए जरूरत से ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है. नौकरी बदलने का मूड है तो संभलकर रहें. आज ऐसी कोशिश न करें. छोटी–मोटी बहस से मूड खराब होने के योग हैं. अपने मन की बात किसी से शेयर नकरें. आज आप जरूरी कामों पर ध्यान दें. वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा. प्रेम संबंधों में सफलता के योग हैं. सर्दी,खांसी, जुकाम जैसी तकलीफ से आप परेशान रहेंगे सेहत का ख्याल रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज जरुरत का सामान खरीदना पड सकता हैं अच्छा खासा धन का खर्चा हो जाएगा आज आप शाम को बच्चों के साथ कहीं घूमने के लिए बाहर निकल सकते हैं. आप कामकाज में बहुत हद तक सफल हो सकते हैं. किसी नये काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश हो सकते हैं. स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव बना रहेगा. मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी अनबन हो सकती है. रुद्र गायत्री का जप करें ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप रुद्राक्ष धारण करें शिवमंत्र का जप करें । क्रोध के आवेश से बचना होगा परिवार की समस्या परेशान कर सकती है. अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी. किसी भी कार्य मे देरी होतो आप को थोड़ा धैर्य रखना होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पारिवारिक सुख–शांति बनी रहेगी. नए–नए विचार मन में आएंगे. जल्दबाजी न करें. पैसों को लेकर कोई प्लानिंग भी हो सकती है.गौशाला मे सेवा करें गेहूँ का भूसा खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन बहतर हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा . आपके पास कई अच्छे अवसर होंगे. वरिष्ठों के सहयोग से वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा. आपका पारिवारिक–जीवन खुशहाल और आनंदमय रहेगा. सेहत अच्छी रहेगी. सामान्य रूप से लोगों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. यह समय निवेश के लिए अच्छा हैं प्रयासों को जारी रखें सफलता निकट होगी ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए जूनियर का सहयोग लेना पड सकता हैं बुजुर्गों का अनुभव बहुत काम आएगा वह आपकी मदद भी करेंगे. टेंशन भी आज खत्म हो सकता है. समझदारी से काम लें. मकान की समस्या सुलझ जाएगी. बिजनेस में कोई फायदेमंद एग्रीमेंट होने के योग बन रहे हैं. पैसों की स्थिति में सुधार के लिए आप पूरीकोशिश करेंगे. कोई पार्टटाइम काम शुरू कर के अतिरिक्त बोझ मत डालें शाम के वक्त थोडा रिलैक्स करें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज शिव गायत्री का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध की मिठाई दान करें जिससे आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा. आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा. कारोबार में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे. कहीं घूमने की प्लानिंग सफल रहेगी. आपको काम के नए अवसर जल्दी ही मिलेंगे. अपने कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी. आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा. साथ ही दूसरों से उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए निराशा आत्मविश्वास को कमजोर करेगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के किसी सदस्य का कोई उलझा हुआ मसला हल करना पड सकता हैं आप के कारोबार पर इस का असर देखने को मिलेगा कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं. रहन–सहन कष्टमय रहेगा. शिक्षा क्षेत्र मे आपका परफॉर्मेंस भी अच्छा हो सकता है. कहीं घूमने जा सकते हैं. आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है. आप सभी परिस्थितियों से निपटने की क्षमता रखते हैं. इसलिए अपने कार्य पर ध्यान लगाएं. यात्रा पर निकलने से पहले दही और धनीया जरुर खाकर निकले ।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अगस्त 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
तिथि : द्वादशी दोपहर 02:00 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 12:27 तक
योग : सिद्धि सायं 06:13 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:00 तक
चन्द्रराशि : मिथुन सायं 06:36 तक
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , बछ बारस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार राजस्थान को हरा-भरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया तथा वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर, हमारी सरकार ने राजस्थान को हरा–भरा बनाने का संकल्प किया है। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत 'हरियालो राजस्थान' का शुभारंभ किया था। हमारा लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए। इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष हमारा 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था जिसे पूरा कर हमने 7 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा कि इस साल भी हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अब तक 37 लाख 51 हजार पौधे व्यक्तिगत स्तर पर तथा 9 करोड़ 83 लाख पौधे ब्लॉक स्तर पर लगाए गए हैं। 20 लाख हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया। साथ ही, 2 लाख 74 हजार 920 पौधारोपण साइट्स पर 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा 3 करोड़ 25 लाख, ग्रामीण विकास द्वारा 2 करोड़ 65 लाख, वन विभाग द्वारा 2 करोड़, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 50 लाख सहित विभिन्न विभागों द्वारा पौधारोपण किया गया है।

मार्च में शुरू होगा कार्डियक टॉवर चिकित्सा मंत्री ने की समीक्षा

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेशवासियों को आगामी समय में विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। इसके लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर के काम को गति दी जाएगी और हाई एण्ड सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसी प्रकार कार्डियक टॉवर का काम जल्द पूरा करते हुए इसे आगामी 30 मार्च से शुरू किया जाएगा। साथ ही, सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई का विस्तार करते हुए इसे अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इन कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में हर माह समीक्षा बैठक होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगवालर को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में इस संबंध में दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आयुष्मान टॉवर, कार्डियक टॉवर एवं आपातकालीन इकाई के विस्तार कार्यों की गहन समीक्षा की और इन सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए, लेकिन गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं हो। हमारा लक्ष्य इन सुविधाओं को सिर्फ जल्द शुरू करना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के लोगों को इनका पूरा लाभ मिले और इनका निर्माण हाई एण्ड टेक्नोलॉजी और सभी सुविधाओं के साथ हो।

खींवसर ने कहा कि आयुष्मान टॉवर की प्लानिंग में रही खामियों को चिन्हित करने के बाद अब राज्य सरकार ने इसे पूर्ण करने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रबंधन किया है।

सरकार की मंशा, हर ग्राम पंचायत पर खुले गौशाला : जोराराम कुमावत

बीकानेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर ग्राम पंचायत पर गौशाला खुले। सरकार की ओर से गौशालाओं को सहयोग करने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। कुमावत मंगलवार को जिला परिषद सभागार में जिले के सभी गौशाला संचालकों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होने गौशाला संचालकों की समस्याओं को सुना और ज्यादातर का मौके पर ही निस्तारण कर दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीपीपी मोड गो अभयारण्य बनाना चाहती है। कोई संस्था या भामाशाह इसमें आगे आना चाहे तो उनका स्वागत है। उन्होंने पशुपालकों से आह्वान किया कि वे पशुओं में लंपी रोग को लेकर गायों में वैक्सीनेशन करवाएं ताकि ये रोग पशुओं में फिर से ना आए। पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले की सभी गौशालाओं में लंपी को लेकर वैक्सीनेशन कर दिया गया है।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री कुमावत ने कहा कि सेक्स सोर्टेड सीमन योजना अंतर्गत इस साल राज्य सरकार 10 लाख डोज का वितरण करेगी। पिछले साल 2 लाख डोज का वितरण किया गया था। इस सीमन की खास बात ये कि इससे बछड़ी पैदा होने की संभावना 90 फीसदी होती है। खास बात ये भी कि केन्द्र सरकार बाजार में 1200 रु. में मिलने वाला यह सीमन 275 रू. में राज्य सरकार को और राज्य सरकार इसमें 75 फीसदी सब्सिडी देकर मात्र 70 रू में किसानों को उपलब्ध करवा रही है।

कुमावत ने कहा कि सरकार नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत देशी गायों की नस्ल को बढ़ावा दे रही है।ब्राजील की गिर गाय प्रतिदिन 40–50 लीटर दूध का उत्पादन करती है जबकि भारतीय गिर गाय 10–15 लीटर दूध देती है। लिहाजा ब्राजील की गिर नस्ल का 2380 डोज सीमन भारत सरकार से मंगवाया गया था।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ ली समीक्षा बैठक

जयपुर,19 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और अनुसूचित आयोग की मंशा समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को न्याय दिलाना है, ताकि समरस और समर्थ समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है। मकवाना ने मंगलवार को शासन सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। इस दौरान सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार साथ रहे। आयोग ने अनुसूचित जाति वर्ग के लिए विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय अपर्णा अरोड़ा, सचिव (आयोग) जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, डीआईजी (पी) सनमीत कौर, निदेशक कौशल कुमार, सामाजिक न्याय निदेशक आशीष मोदी सहित संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव और उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने पुष्पगुच्छ देकर अध्यक्ष किशोर मकवाना और सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं के जरिए लाभान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार 17.08 प्रतिशत यानी कुल 1 करोड़ 22 लाख लोग अनुसूचित जाति से आते हैं। उन्होंने आयोग को आश्वस्त किया कि अनुसूचित जाति से जुड़ी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ इस वर्ग तक पहुंचाने के प्रयासों में और गति लाई जाएगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने आयोग द्वारा चाही गई जानकारी को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए विस्तार से बताया।उन्होंने संक्षेप में विभिन्न विभागों को अनुसूचित जाति के लिए आवंटित बजट और व्यय का लेखा जोखा दिया। उन्होंने अनुसूचित जाति के विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, हॉस्टल्स, छात्रवृति, एट्रोसिटी एक्ट सम्बंधी भुगतान सहित अन्य विषयों पर विस्तार से बताया।

सरकार मुफ़्त या बेहद सस्ती दरों पर किसानों को पराली प्रबंधन मशीनें उपलब्ध कराए : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में सरकार से पराली प्रबंधन की समस्या से निपटने के लिए बजट आवंटन और योजनाओं का ब्योरा मांगा। दीपेन्द्र हुड्डा ने पर कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री राम नाथ ठाकुर के जवाब से असहमति जताते हुए कहा कि केवल कोरी बयानबाजी से पराली का प्रबंधन नहीं होगा उसके लिए ठोस कदम उठाने होंगे। दीपेन्द्र हुड्डा कहा कि पराली प्रबंधन पर सरकार के दावे खोखले दिखाई देते हैं क्योंकि, सरकार फसल अवशेष प्रबंधन योजना (उठच्) के तहत करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा तो कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को पर्याप्त मशीनें और सुविधाएँ नहीं मिल पा रही हैं। जिन मशीनों की मदद से पराली न जलाने का विकल्प दिया गया है, वे या तो काफी महँगी हैं या किसानों तक समय पर पहुँच ही नहीं रही हैं। सरकार किसानों पर पराली जलाने का दोष मढ़ देती हैं, जबकि असली समस्या यह है कि सरकार धान–गेहूँ के चक्र को तोड़ने और किसानों को व्यवहारिक विकल्प देने में असफल रही है। छोटे व मध्यम जोत वाले किसानों के पास महँगे विकल्प अपनाने की क्षमता नहीं होती।

खरीद प्रक्रिया के लिए निरंतर नवाचार और व्यवस्थित सुधार जरूरी: रस्तोगी

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने केन्द्र सरकार और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा शुरू की गई व्यापक सुधार पहलों की सराहना करते हुए कहा कि देश के व्यापक खाद्य खरीद कार्यों की दक्षता बढ़ाने में इन सुधारों की अहम भूमिका है।

केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा खरीद सुधारों पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए, रस्तोगी ने कहा कि खरीद प्रक्रिया एक बड़ा काम है, जिसके लिए निरंतर नवाचार और व्यवस्थित सुधार की आवश्यकता है।

रस्तोगी ने खास तौर पर, किसानों की फसल खरीद के लिए सीधे बैंक भुगतान सुनिश्चित करने की केंद्र सरकार की अभूतपूर्व पहल की प्रशंसा करते हुए इसे कृषि नीति में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर बताया। उन्होंने बताया कि हरियाणा ने इस प्रणाली को सफलतापूर्वक अपनाया है। अब किसान खरीद केंद्रों पर अपनी उपज जमा कर सकते हैं और उपज गोदामों में पहुँचने तक अपने खातों में सीधे भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि इस सुव्यवस्थित दृष्टिकोण से पारंपरिक बाधाएं दूर हुई हैं तथा किसानों और सरकारी एजेंसियों के बीच विश्वास बढ़ा है।मुख्य सचिव रस्तोगी ने 1990 के दशक में उपायुक्त, एडीसी और एसडीएम के रूप में अपने व्यापक प्रशासनिक अनुभव का हवाला देते हुए, दशकों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय किसानों को भुगतान में देरी और मनमानी कटौती की चिंता लगी रहती थी।

अस्पतालों में स्टाफ व दवाईयों का टोटा वेंटिलेटर पर स्वास्थ्य सेवाएं : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश में मेडिकल स्टाफ की कमी पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर व विशेषज्ञों के अलावा अन्य स्टाफ का भी भारी टोटा है। एएनएम यानी बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ माना जाता है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश में उनके करीब 1300 पद खाली पड़े हुए हैं। विभाग में महिलाओं के कुल 2734 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 2137 पद ही भरे गए हैं। जबकि 597 पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं पुरुष बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कुल 2832 पद है, जिनमें से सिर्फ 2126 ही भरे गए हैं और 706 खाली पड़े हुए हैं।

इसके चलते कार्यरत कर्मियों पर काम का बेहद ज्यादा दबाव है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में स्टाफ न होने की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं ठप पड़ी हुई हैं। मेवात, गुरुग्राम, यमुनानगर और सिरसा में तो एएनएम की कमी की वजह से तमाम सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम भी प्रभावित हो रहे हैं।

इतना ही नहीं, सरकार जिला अस्पतालों में दवाइयां तक देने में नाकाम साबित हो रही है। इसलिए मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। नगीना के अस्पताल से भी ऐसी ही बेहद चिंता बढ़ने वाली खबर आई है। अस्पताल में रोज 500 से 700 मरिज आते हैं, लेकिन दवाइयां नहीं होने की वजह से उन्हें महंगे दामों पर अन्य मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही है।

हुड्डा ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र का बंटाधार कर डाला है। आज खुद स्वास्थ्य तंत्र वेंटिलेटर पर लेटा हुआ है। 11 साल में सरकार ने प्रदेश में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं बनाया।

हरियाणा विधान सभा के मानसून सत्र की तैयारियां पूरी, अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ली उच्च स्तरीय बैठक

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा के 22 अगस्त से शुरू होने वाले मानसून सत्र की तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। इस सिलसिले में विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में लिए गए निर्णयों से विधान सभा सचिवालय ने सभी विधायकों और मंत्रियों को अवगत करवा दिया है। इसके साथ ही सत्र की 3 बैठकों के प्रश्नकाल के लिए ड्रा निकाल लिए गए हैं। इसके लिए कुल 60 विधायकों के प्रश्नों को सूचीबद्ध किया गया है।

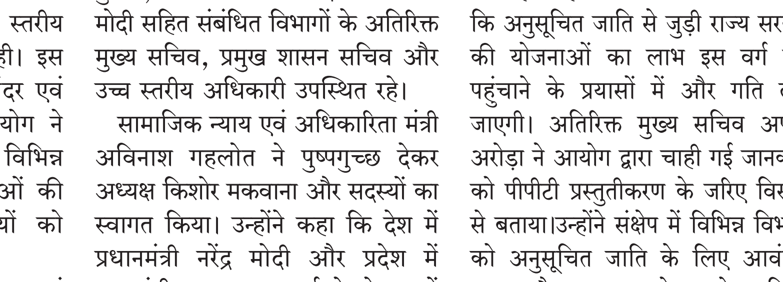

विधान सभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विधान भवन में मोबाइल फोन के प्रयोग की अनुमति नहीं रहेगी। विधायकों को भेजे गए दिशा–निर्देश में कहा गया है कि वे अपना फोन सुरक्षा अधिकारियों के पास जमा करवा दें या उसे साइलेंट मॉड पर रखें। सुरक्षा प्रबंधों के मद्देनजर तय किया गया है कि पूर्व स्थापित संसदीय प्रथाओं के अनुसार कोई बैग, ब्रीफकेस अथवा कोई सामग्री चैम्बर में न लेकर आएं। इस प्रकार का सामान विधान भवन के प्रवेश द्वार पर जमा करवाने का आग्रह किया गया है। विधायक दर्शक दीर्घा के लिए प्रतिदिन एक ही व्यक्ति का प्रवेश पास बनवा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपने अतिथियों के पूरे विवरण के साथ निर्धारित फार्म विधान सभा सचिवालय को एक दिन पूर्व भेजना होगा।

विधायकों से यह भी प्रार्थना की गई है कि वे अपने किसी भी मेहमान को उचित प्रवेश–पत्र के बिना वाहनों में न लाएं। विधान भवन में प्रवेश से पहले बेरीकेड पर ऐसे सभी व्यक्तियों की जांच की जाएगी। किसी भी आग्नेयस्त्र तथा शस्त्र को विधान भवन में लेकर आने की अनुमति नहीं रहेगी। विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के गनमैन और माननीय मुख्यमंत्री के पी.एस.ओ. को छोड़कर किसी भी गनमैन को विधान भवन में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

विधान परिसर में वाहन पार्किंग के लिए सीमित स्थान होने के कारण वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे सदस्यों और अधिकारियों को विधान भवन के गेट पर उतारकर वाहनों को ब्रिज गेट के बाहर पार्क करें। उन्हें यह भी सलाह दी गई है कि पार्किंग के दौरान कारों के शीशे बंद कर उन्हें लॉक रखें। सुरक्षा प्रहरियों को हिदायत दी गई है कि वे आगन्तुकों को विधान सभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा माननीय मुख्यमंत्री के चैम्बर के बाहर बरामदे में आने की अनुमति न दें। आगन्तुकों को सीटों की संख्या के अनुरूप दीर्घाओं में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यवाही देखने का मौका देने के लिए प्रत्येक बैठक के लिए एक घंटे के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे।

ग्रेटर बेंगलूरु विधेयक विधानसभा में पारित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन संशोधन विधेयक, जो बीबीएमपी के अंतर्गत आने वाले पाँच नगर निगमों को स्वायत्त बनाएगा और उन्हें राज्य सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त करेगा, विधानसभा में पारित हो गया। विधानसभा सत्र के दौरान, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन संशोधन विधेयक 2025 को विचारार्थ प्रस्तुत किया और इसे पारित करने का अनुरोध किया। 73वें और 74वें संविधान संशोधन, जिन्होंने शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों को पूर्ण अधिकार दिए, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा तैयार किए गए थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने उनके अनुसार स्थानीय निकायों के प्रशासन में हस्तक्षेप न करने का निर्णय लिया है। कुछ लोगों ने पहले तैयार किए गए ग्रेटर बेंगलूरु विधेयक को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, और न्यायालय ने अपनी राय व्यक्त की है कि उसे निगम के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक इसी संदर्भ में तैयार किया गया है। भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने इस अधिनियम के उद्देश्य और आवश्यकता पर सवाल उठाया और मांग की कि यह स्पष्ट किया जाए कि सरकार या ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण अब से बीबीएमपी क्षेत्र के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करेगा। मुख्यमंत्री राज्य सरकार और ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण, दोनों के प्रमुख हैं। राजीव गांधी स्थानीय निकायों को स्वायत्तता देने के लिए कानून में संशोधन लाए थे। डी.के. शिवकुमार इसके खिलाफ बेंगलूरु में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उच्च न्यायालय ने इसका कड़ा विरोध किया है। डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने आपत्ति जताई कि ग्रेटर बेंगलूरु का विचार असंवैधानिक है। विधायक रवि सुब्रह्मण्य ने जहाँ विभाजित बेंगलूरु नगर निगमों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की माँग की, वहीं बोमनहल्ली निर्वाचन क्षेत्र के नंदीश रेड्डी ने

कहा कि निगम अधिकारियों ने बफर जोन में 30,000 इमारतों को नोटिस दिए हैं। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री ने अधिक राजस्व उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों को निगम के अंतर्गत शामिल करने का वादा किया था, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ है। घरों को बिजली कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं क्योंकि उनके पास ओसी-सीसी प्रमाणपत्र नहीं हैं। छोटे भूखंडों के लिए भी ओसी-सीसी प्रमाणपत्रों से छूट दी जाए। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे ग्रेटर बेंगलूरु अधिनियम में रोजाना एक संशोधन लाकर लोगों को भ्रमित न करें।

बीएमपी को पाँच निगमों में विभाजित करते समय, भाजपा विधायकों के प्रतिनिधित्व वाले पाँच विधानसभा क्षेत्रों को अलग-अलग निगमों में जोड़ दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। दशरहल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मुनिराजू ने इसे ठीक करने की माँग की। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने हस्तक्षेप करते हुए आलोचना की कि ग्रेटर बेंगलूरु एक अंग्रेजी शब्द है, और सरकार कोई अच्छा कन्नड़ शब्द नहीं ढूँढ पाई। ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण विकेंद्रीकरण को झटका दे रहा है। अगर एक निगम को ज्यादा कर मिलेगा, तो दूसरे निगम को राजस्व की कमी का सामना करना पड़ेगा, ऐसे भ्रम हैं, निगमों को सावधान रहना चाहिए कि वे परजीवी न बन जाएँ। उन्होंने माँग की कि सरकार प्रशासन में अपनी मनमानी बंद करे। सत्तारूढ़ दल के विधायक रिजवान अरशद ने कहा यह एक मामूली संशोधन है। सरकार स्थानीय निकायों के अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करेगी। भाजपा विधायक एस.टी. सोमशेखर ने कहा, बेंगलूरु महानगर निगम में पहले 65 वार्ड थे। बाद में यह 100 वार्ड हो गए। बीबीएमपी बनने के बाद यह 198 वार्ड हो गए। अधिक राजस्व उत्पन्न करने वाली ग्राम पंचायतों को बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए। एक मुख्य आयुक्त द्वारा 5 निगमों का प्रशासन चलाना मुश्किल होगा। इसलिए सरकार को वैकल्पिक उपाय खोजने चाहिए। चर्चा का जवाब देते हुए, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि हम विकेंद्रीकरण के विचार से समझौता नहीं होने देंगे।

स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने वाली कांग्रेस पार्टी ने कहा कि हम किसी भी परिस्थिति में स्थानीय निकायों को कमजोर नहीं होने देंगे। विधेयक लोगों के लिए सुविधाजनक होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो मैं इसे तुरंत वापस लेने को तैयार हूँ। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं। बीबीएमपी के चुनाव होने हैं। इस संबंध में, 5 निगमों के विभाजन के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी की गई है, और बुधवार को आपत्तियाँ दर्ज करने का अंतिम दिन था। हम विधेयक राज्यपाल को भेजेंगे। उन्होंने कहा अंतिम अधिसूचना 2 सितंबर को लागू होगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सत्ता में कौन है। लोगों के लिए अनुकूल व्यवस्थाएँ बनाना हमारा कर्तव्य है।

नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए जनता को पुलिस के साथ हाथ मिलाना चाहिए: सीमांत कुमार सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने जनता से अपील की है कि वे जहाँ कहीं भी नशीले पदार्थ बेचते या ले जाते हुए पाए जाएँ, तुरंत पुलिस को सूचित करें। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्होंने शहर पुलिस द्वारा जब्त किए गए लगभग 5.5 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों के बारे में जानकारी दी और कहा कि अधिकारियों को यह पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि जब्त किए गए नशीले पदार्थ कहाँ से भेजे गए थे और किसे पहुँचाए गए थे, और इस संबंध में कार्रवाई जारी है। अगर कोई स्कूल, कॉलेज या किसी भी संस्थान या अन्य जगहों पर नशीले पदार्थ बेचता हुआ पाया जाता है, तो वे तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि सूचना देने वाले का नाम और पता गोपनीय रखा जाएगा और उसकी सुरक्षा की जाएगी। नशीले पदार्थों का खतरा समाज को बदनाम करता है। हम पहले से ही नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगर जनता हमारे साथ जुड़ती है, तो हम नशीले पदार्थों की बिक्री और परिवहन को रोक सकते हैं। इसलिए, सीमांत कुमार सिंह ने जनता से अपील की है कि कृपया अपने आस-पास नशीले पदार्थों के बारे में कोई भी जानकारी तुरंत दें।

निराधार और झूठ : धर्मस्थल के वीरेंद्र हेगड़े ने मंदिर नगरी में कई हत्याओं के आरोपों को खारिज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल मंजूनाथ स्वामी मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने सौजन्या मामले और धर्मस्थल में दो दशकों की अवधि में कई हत्याओं, बलात्कारों और दफनाने के दावों को निराधार और झूठा बताते हुए खारिज कर दिया है और सच्चाई सामने लाने के लिए एसआईटी जाँच का स्वागत किया है।

इन आरोपों की जाँच के लिए, कर्नाटक सरकार ने एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसने अंततः कई स्थानों पर खुदाई की ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वहाँ मानव अवशेष मौजूद हैं। धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर कॉलेज की द्वितीय वर्ष की प्री-यूनिवर्सिटी छात्रा सौजन्या (17) के साथ 9 अक्टूबर, 2012 को कथित तौर पर बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। अब लड़की को न्याय दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

हेगड़े ने कहा ये मुद्दे निराधार और झूठे हैं, और मैं इन आरोपों से बहुत आहत हूँ। सोशल मीडिया पर जिस तरह से चीजों को पेश किया जाता है वह नैतिक रूप से गलत है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर द्वारा विधानसभा में दिए गए इस बयान पर कि एसआईटी मामले की तह तक जाएगी, हेगड़े ने कहा हमने उसी दिन एसआईटी का स्वागत किया था। यह अच्छी बात है कि राज्य ने इसका गठन किया है और सच्चाई हमेशा के लिए सामने आनी चाहिए। यह अच्छी बात नहीं है कि आरोप लगाए जाएँ और वे वैसे ही बने रहें। उन्होंने शीघ्र जाँच की अपील की। हेगड़े ने कहा हम चाहते हैं कि जाँच जल्द से जल्द पूरी हो और समस्या का समाधान हो। हमारे सभी खाते, खासकर हम, खुले हैं। एसआईटी को पूरी जाँच करनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।

राहुल-तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा पर बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन का तंज

बिहार की जनता उन्हें नकार चुकी

गयाजी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन गया पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले आमसभा स्थल का निरीक्षण किया और फिर सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता की। प्रेसवार्ता में उन्होंने कांग्रेस और राजद पर जमकर हमला बोला। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि विपक्ष सिर्फ भीड़ जुटाकर वोटरों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।

सर्कस में भी लोग जोकर को देखने जाते हैं, क्योंकि उनका मनोरंजन होता है। इसी तरह लोग विपक्ष की रैलियों में भी भीड़ के तौर पर इकट्ठा होते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता विपक्ष को पहले ही नकार चुकी है। 15 साल के जंगलराज में कांग्रेस भी भागीदार रही। जब विपक्ष की जीत होती है तो ईवीएम सही लगता है और हारने पर ईवीएम पर सवाल उठाया जाता है। कांग्रेस का यही रवैया है कि मीठा-मीठा गपगप, कड़वा-कड़वा थू-थू। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस संविधान का नाम लेकर राजनीति कर रही है। वही कांग्रेस जिसने जगजीवन राम और बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया, आज संविधान लहराने का ढोंग कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यात्रा दलित समाज और बिहारियों का अपमान है।

शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी बिहार में धमकी की राजनीति नहीं चला सकते। बिहार के लोग वोट से जवाब देना जानते हैं। लोकसभा चुनाव में एनडीए को 30 सीटें मिली थीं और इस बार विधानसभा चुनाव में बीजेपी 200 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को बिहार में दिल्ली की तरह जीरो पर आउट कर देंगे। तेजस्वी यादव को विपक्ष के नेता का दर्जा भी नहीं मिलने वाला है क्योंकि विपक्ष को 24 सीटें भी हासिल नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जहां-जहां जाते हैं, कांग्रेस वहां हार जाती है।

मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी वजीरगंज के मंदिर नहीं गए, इस सवाल पर शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर ही सवाल उठाते रहे हैं। वह केवल वोट के लिए मंदिर जाते हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा असल में सत्ता पाने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं रखते। देश की जनता जान चुकी है कि नरेंद्र मोदी के हाथों में देश सुरक्षित है और वे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

यूक्रेन ने जापोरिज्जिया में रूसी ईंधन ट्रेन को उड़ाया

ट्रंप-पुतिन मुलाकात का नहीं दिखा असर

जापोरिज्जिया, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच शांति प्रयासों को झटका देते हुए यूक्रेनी सेना ने जापोरिज्जिया क्षेत्र में रूसी सेना के लिए ईंधन ले जा रही एक मालगाड़ी को निशाना बनाकर पूरी ट्रेन और रेलवे लाइन को नष्ट कर दिया। यह हमला उरोजायनी और टोकमक के बीच हुआ, जो दक्षिणी यूक्रेन का संवेदनशील इलाका माना जाता है।

हमले के बाद ट्रेन पटरी से उतर गई और जलने लगी, जिससे रेलवे लाइन के केवल अवशेष ही बचे। यह हमला ऐसे समय हुआ जब एक दिन पहले ही जापोरिज्जिया शहर में रूसी मिसाइल हमलों में तीन लोगों की मौत और 20 घायल हुए थे।

हाल ही में अलास्का में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात तथा व्हाइट हाउस में ट्रंप और जेलेंस्की की बातचीत के बावजूद युद्धविराम की दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं दिखी। इस हमले ने यह संकेत दिया है कि मैदान में हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं।

यह पहली बार नहीं है जब यूक्रेन ने रूसी ट्रेन को निशाना बनाया हो।

मई में भी एक ड्रोन हमले में जापोरिज्जिया के कब्जे वाले इलाके में ईंधन ले जा रही रूसी मालगाड़ी को निशाना बनाया गया था।

बताया जा रहा है कि यह ट्रेन रूसी सैनिकों की जरूरतों के लिए ईंधन पहुंचा रही थी।

इस हमले से रूसी रसद प्रणाली को बड़ा नुकसान पहुंचा है और क्षेत्रीय रेलवे सेवा पूरी तरह ठप हो गई है।

ओड़ीशा में 8300 करोड़ की लागत से बनेगा हरित राजमार्ग

भुवनेश्वर रिंग रोड परियोजना को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी ढाई

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने ओड़ीशा में करीब साढे आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से छह लेन के राजधानी क्षेत्र रिंग रोड (भुवनेश्वर बाईपास - 110.875 किमी) के निर्माण को मंगलवार को मंजूरी दे दी जिससे खोरधा, भुवनेश्वर और कटक जैसे शहरी क्षेत्रों में भीड़-भाड़ में कमी आयेगी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर को ग्रीनफील्ड राजमार्ग के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है और मिली-जुली व्यवस्था के तहत बनाये जाने वाले इस राजमार्ग के निर्माण पर 8307.74 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को ढाई वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामेश्वर से टांगी के बीच संपर्क मार्ग के खोरधा, भुवनेश्वर और कटक से होकर गुजरने से काफी भीड़ भाड़ रहती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए इस परियोजना को छह-लेन प्रवेश-नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इससे इन शहरों में भारी वाणिज्यिक यातायात को बाईपास पर भेजने की व्यवस्था हो जायेगी। इससे माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, रसद लागत कम होगी और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। यह बाईपास क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रमुख धार्मिक तथा आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा। इससे व्यापार एवं औद्योगिक विकास तथा आसपास के क्षेत्रों में विकास, प्रगति और समृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे।

इसरो बना रहा 40 मंजिला 'बाहुबली' रॉकेट

75 टन पेलोड के साथ अंतरिक्ष में उड़ान भरने की तैयारी

हैदराबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक छलांग लगाने को तैयार है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक ऐसा रॉकेट विकसित कर रहा है जिसकी ऊंचाई 40 मंजिला इमारत जितनी होगी और जो 75,000 किलोग्राम (75 टन) भार को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम होगा। हैदराबाद स्थित उस्मानिया यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह रॉकेट भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा और इसकी क्षमता मौजूदा रॉकेटों से कई गुना अधिक होगी। नारायणन ने कहा कि पहला लॉन्चर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने बनाया था, जो सिर्फ 35 किलोग्राम पेलोड ले जा सकता था। आज हम 75,000 किलोग्राम भार वहन करने वाले रॉकेट पर काम कर रहे हैं। नारायणन ने बताया कि 2025 में इसरो अमेरिका के 6,500 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह को भी भारतीय रॉकेट के माध्यम से कक्षा में स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह मिशन भारत की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग की ताकत को दर्शाता है। इसरो इस वर्ष टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेशन सैटेलाइट (टीडीएस) और जीसैट-7आर नामक सैन्य संचार उपग्रह लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जो मौजूदा जीसैट-7 (रुक्मिणी) की जगह लेगा। यह उपग्रह विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही, भारत का स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम एनए-वीआईसी (भारतीय तारामंडल के साथ नेविगेशन) भी इस साल के मिशनों में शामिल है।

फिलहाल भारत के पास 55 सक्रिय उपग्रह हैं, लेकिन अगले तीन से चार वर्षों में यह संख्या तीन गुना तक बढ़ाई जाएगी। इससे भारत की अंतरिक्ष निगरानी, संचार और वैज्ञानिक अनुसंधान की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com